रांची, धनबाद, एवं पटना से प्रकाशित * * * सोमवार 15 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 07 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 7 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

ईरान ने किया जंग का ऐलान

इजराइल पर 150 मिसाइल, 300 ड्रोन से किया हमला

■ इजराइल का दावा- दुश्मन की 99% मिसाइलें हवा में नष्ट कर दी गईं

■ ईरान की धमकी- इजराइल का साथ देनेवाले भी हमारे कट्टर दुश्मन

एजेंसियां। तेल अवीव

जिसका डर था वही हुआ. ईरान ने इजरायल पर जोरदार हमला बोल दिया है. ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजरायल पर 150 से अधिक मिसाइल और 300 ड्रोन से हमला किया है. इस हमले से पूरी दुनिया अलर्ट पर है. ईरान ने इस हमले को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस नाम दिया है. ईरान का कहना है कि हमला इजरायल के अपराधों की सजा है. ईरान ने रविवार तड़के इजराइल पर हमला कर दिया और उस पर सैंकड़ों ड्रोन, बैलेस्टिक मिसाइल तथा क्रूज मिसाइलें दागीं. एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से 99 प्रतिशत को हवा में ही नष्ट कर दिया गया. ईरान के इस हमले ने पश्चिम एशिया को क्षेत्रीय युद्ध के करीब धकेल दिया है. हमले के बाद से इजराइल में हर कहीं साइरन की आवाजें सुनाईं दे रहीं हैं. सीरिया में एक अप्रैल को हवाई हमले में ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो ईरानी जनरल के मारे जाने के बाद ईरान ने बदला लेने का प्रण लिया था. ईरान ने इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने का आरोप लगाया था. हालांकि इजराइल ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी. यह पहली बार है जब ईरान ने देश की 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद शुरू हुई दशकों की दुश्मनी के बाद इजराइल पर सीधे तौर पर हमला किया है. -शेष पेज 7 पर

अत्यंत चिंतित हैं : भारत

नयी दिल्ली। इजराइल पर ईरान द्वारा ड्रोन और मिसाइल हमला किये जाने के बाद भारत ने रविवार को कहा कि वह दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष को लेकर अत्यंत चिंतित है और हमले से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा है. भारत ने घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए तत्काल तनाव कम करने की अपील की. भारत ने कहा कि क्षेत्र में उसके दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं. विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता से अत्यंत चिंतित हैं. इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है. मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, हम तनाव को तत्काल कम किये जाने, संयम बरतने, हिंसा से दूर रहने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आग्रह करते हैं.

ईरान VS इजराइल
किसमें कितना है दम

- **कुल आबादी**
  ईरान-87.6 मिलियन
  इजराइल-9.04 मिलियन
- **उपलब्ध मानवशक्ति**
  ईरान-49.05 मिलियन
  इजराइल-3.80 मिलियन
- **सेना के फिट लोग**
  ईरान-41.17 मिलियन
  इजराइल-3.16 मिलियन
- **सेना में जवान**
  ईरान-6.10 लाख
  इजराइल-1.70 लाख
- **सुरक्षित जवान**
  ईरान-3.50 लाख
  इजराइल 4.65 लाख
- **अर्धसैनिक बल**
  ईरान - 2.20 लाख
  इजराइल -3.50 लाख
- **सेना खर्च का बजट**
  ईरान- 9.95 बिलियन डॉलर
  इजराइल-24.4 बिलियन डॉलर
- **विदेशी कर्ज**
  ईरान-8.00 बिलियन डॉलर
  इजराइल -135 बिलियन डॉलर
- **विदेशी मुद्रा भंडार**
  ईरान-127.15 बिलियन डॉलर
  इजराइल-212.93 बिलियन डॉलर
- **हवाई शक्ति (कुल सैन्य विमान)**
  ईरान-551
  इजराइल-612
- **लड़ाकू विमान**
  ईरान-186
  इजराइल-241
- **बमवर्षक हेलीकॉप्टर**
  ईरान-13
  इजराइल-48
- **जमीनी ताकत (टैंक)**
  ईरान-1996
  इजराइल-1370
- **हथियारों से लैस वाहन**
  ईरान-65,765
  इजराइल-43,407
- **स्वचालित तोपखान**
  ईरान-580
  इजराइल-650
- **नौशक्ति (फ्लीट)**
  ईरान-101
  इजराइल-67
- **पनडुब्बी**
  ईरान-19
  इजराइल-05
- **एयरपोर्ट्स**
  ईरान-319
  इजराइल-42
- **व्यापारी जहाजी बेड़ा**
  ईरान-942
  इजराइल-45
- **प्राकृतिक संसाधन**
  ईरान-3.45 एम बीबीएल
  इजराइल-00

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	39.2	27.9
जमशेदपुर	40.1	23.8
डालटनगंज	38.2	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	90,000

ब्रीफ खबरें

मोदी के लिए लौटना आसान नहीं : मायावती

सहारनपुर (उप्र)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को दावा किया कि मौजूदा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत एनडीए सरकार के लिए सत्ता में वापसी आसान नहीं होगी, बशर्ते ये चुनाव निष्पक्ष हों. मायावती ने कहा कि देश का वोटर अब हिंदू-मुसलमान के नाम पर नहीं बल्कि विकास के लिए वोट करना चाहता है. मोदी सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया, जिसके नाम पर उसे वोट दिया जाए.

रोड शो के दौरान पथराव में जगन रेड्डी घायल

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर अज्ञात व्यक्तियों ने पथराव कर दिया, जिसमें वह घायल हो गये. सीएम कार्यालय ने यह जानकारी दी. सीएम के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिये गये हैं. -पेज 12 भी देखें

ट्रक-कार की टक्कर में 7 लोग जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में रविवार को एक तेज रफ्तार कार और ट्रक की टक्कर में तीन महिलाओं और दो बच्चों समेत सात लोगों की झुलसकर मौत हो गयी. पुलिस ने यह जानकारी दी.

लोकसभा चुनाव : भाजपा ने जारी किया चुनावी संकल्प पत्र

गरीब-किसान, महिला युवा पर खास फोकस

समान नागरिक संहिता, पेपर लीक पर सख्ती से लेकर बुलेट ट्रेन तक के वादे

एजेंसिया। नयी दिल्ली

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने रविवार को अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया. भाजपा ने दिल्ली में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया. इस दौरान घोषणा-पत्र समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह, पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे. इस संकल्प पत्र के केंद्र में गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को रखा गया है, जिसे पीएम मोदी अपने चुनाव अभियान में चार जातियां बताते आए हैं. पार्टी का ये संकल्प पत्र 76 पन्नों का है, जिसमें कई वादे किए गए हैं. घोषणा-पत्र जारी करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि घोषणा-पत्र समिति को करीब 15 लाख सुझाव मिले हैं. इसमें ऑनलाइन माध्यम नमो ऐप से चार लाख और वीडियो से 10 लाख सुझाव मिले हैं.

घोषणा-पत्र में किस वर्ग के लिए क्या है

1. युवाओं के लिए

- पेपर-लीक पर लगेगी लगाम
- स्टार्टअप इकोसिस्टम और फंडिंग का विस्तार.
- स्टार्टअप्स को-मेंटरशिप.
- सरकारी खरीद में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन.
- मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर.
- इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से रोजगार के अवसर.

2. किसानों के लिए

- पीएम किसान सम्मान निधि योजना.
- फसल बीमा योजना में मजबूती
- 22 फसलों में एमएसपी में वृद्धि
- दाल और खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता.
- सब्जी उत्पादन और स्टोरेज के लिए नए क्लस्टर.
- श्री अन्न को विश्व सुपरफूड के रूप में स्थापित होगा.

3. महिलाओं के लिए

- तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा.
- महिला एसएचजी को सर्विस क्षेत्र से जोड़ा जाएगा, महिला एसएचजी उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा.
- औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण, जिसमें शिशुगृह जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी.

4. रेलवे के लिए

- नई रेलवे पटरियों का निर्माण.
- यात्री और मालवाहक (कार्गो) परिवहन की क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे नेटवर्क का विस्तार.
- अगले कुछ वर्षों तक हर साल 5,000 किमी नई पटरियां जोड़ी जाएंगी.
- टिकट की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी.
- टिकटों की वेटिंग लिस्ट को न्यूनतम करने की प्रतिबद्धता.

5. संस्कृति के लिए

- काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से प्रेरित होकर धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी.
- अयोध्या में विश्वभर से करोड़ों श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन करने आ रहे हैं. अयोध्या नगरी का सर्वांगीण विकास किया जाएगा.

संकल्प पत्र में निवेश से नौकरी तक जोर: मोदी

रविवार को नयी दिल्ली में भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य बड़े नेता.

पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा के संकल्प पत्र की सराहना की है. उन्होंने कहा कि देश को इसका इंतजार रहता है. भाजपा ने मेनिफेस्टो की शुचिता को फिर स्थापित किया है. ये संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ - युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान, इन सभी को सशक्त करता है. हमारा फोकस गरिमापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण जीवन पर और निवेश से नौकरी पर है. स्थिर बहुमत वाली सरकार की जरूरत ऐसे समय बढ़ गई है, जब दुनिया अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है. मैं भाजपा के इस संकल्प पत्र को मोदी की गारंटी के दस्तावेज के रूप में देश की जनता के आशीर्वाद के लिए पेश करता हूं. अब भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा. 70 साल से ऊपर का हर बुजुर्ग, चाहे वो गरीब हो, मध्यम वर्ग का हो या फिर उच्च मध्यम वर्ग से ही क्यों न हो, उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी. मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले पांच साल तक जारी रहेगी.

राहुल ने कसा तंज : इसमें दो शब्द गायब हैं महंगाई और बेरोजगारी

भाजपा के संकल्प पत्र पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि भाजपा के मेनिफेस्टो और नरेंद्र मोदी के भाषणों से दो शब्द गायब हैं महंगाई और बेरोज़गारी. राहुल ने कहा कि लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती.

इंडिया गठबंधन का प्लान बिलकुल स्पष्ट है- 30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को 1 लाख की पक्की नौकरी. युवा इस बार मोदी के झांसे में नहीं आने वाला, अब वो कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में रोजगार क्रांति' लाएगा. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बात अब साफ हो गयी है कि भाजपा के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है. महंगाई इतनी बढ़ गयी है लेकिन मोदी को इसकी फिक्र नहीं है. अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ने ऐसा कोई बड़ा काम नहीं किया जिससे देश की जनता, युवाओं, किसानों को लाभ हो. मोदी ने जो ट्रेलर दिखाया है, उसमें ना डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी करने की बात है और ना ही गैस सिलेंडर की कीमत कम करने की. कहा कि फूड सिक्योरिटी एक्ट कांग्रेस लेकर आयी. आपने (मोदी) अगर हमारे द्वारा दिये गये राशन में 5 किलो की बढ़ोतरी की है, तो वह कोई उपकार नहीं है.

भ्रष्टाचार के खिलाफ ठोस कदम

भाजपा ने कहा कि पिछली सरकारों की अपेक्षा, हमने नागरिकों को पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रदान किया है. हम भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनों का प्रौद्योगिकी के माध्यम से सख्ती से पालन करेंगे.

कोल्हान विवि का छात्रों से सवाल

गोदी मीडिया से क्या समझते हैं?

रवि भारती। रांची

झारखंड में एक तरफ क्वालिटी एजुकेशन देने की बात होती है, तो दूसरी तरफ राज्य के विश्वविद्यालय विवाद खड़ा करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते. चुनाव का मौसम है. इसलिए विश्वविद्यालय के शिक्षक भी चुनावी रंग में रंग गए हैं. उनके दिलो-दिमाग में मीडिया में हो रही डिबेट बस गई है. वे विषयों के सिलेबस भी भूल गए हैं. ऐसा ही कारनामा कोल्हान यूनिवर्सिटी में हुआ है. यूनिर्सिटी में ग्रेजुएशन सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा ली गई. राजनीति विज्ञान में सवाल पूछा गया,गोदी मीडिया से आप क्या समझते हैं? इसको देख छात्र कंफ्यूज रह गए. चैनलों पर इस पर बहस छिड़ी हुई है.

परीक्षा नियंत्रक ने साफ इंकार कर दिया : मामले में शुभम संदेश ने कोल्हान यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक अजय चौधरी से बात की, तो परीक्षा नियंत्रक ने साफ कहा कि यह मेरे यूनिवर्सिटी का प्रश्न पत्र नहीं है. किसी ने गलत तरीके से वायरल कर दिया है.

डीन बोले, शिक्षक से बात करूंगा : कोल्हान यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक डॉ. राजेंद्र भारती से जब इस मसले पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इस पर शिक्षक से बात करूंगा. देखेंगे कि कहां मिस्टेक हुई. फिर पूछा गया कि यह सिलेबस का पार्ट है, तो उन्होंने कहा कि वैसे अर्बन नक्सलिज्म पर भी सवाल पूछे जाते हैं. फिर देखेंगे कि कहां मिस्टेक हुआ है. यह भी स्वीकार किया कि मेरे पास भी यह प्रश्न पत्र आया है.

ग्रेजुएशन सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा में पूछा गया ये सवाल

- परीक्षा नियंत्रक बोले- मेरे यहां का पेपर नहीं, डीन एकेडेमिक बोले- टीचर से बात करूंगा, क्यों हुई मिस्टेक

क्या है गोदी मीडिया का अर्थ : गोदी मीडिया एक शब्द है, जिसका इस्तेमाल भारत में कुछ ऐसे मीडिया हाउस को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे सरकार का अत्यधिक समर्थन करते हैं और अपने कवरेज में आलोचना नहीं करते हैं. गोदी शब्द हिंदी में गोद के लिए है और इसका उपयोग यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि ये मीडिया हाउस लाक्षणिक रूप से सत्तारूढ़ दल की गोद में बैठे हैं, अपनी रिपोर्टिंग में अत्यधिक मित्रतापूर्ण या पक्षपाती हैं. यह शब्द अक्सर इन मीडिया हाउसेस के आलोचकों द्वारा यह बताने के लिए उपयोग किया जाता है कि वे अपनी पत्रकारिता में स्वतंत्र और उद्देश्यपूर्ण नहीं हैं.

अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर रविवार तड़के बाइक सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद पुलिस ने उनके आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. इस गोलीबारी की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के लोगों ने ली है. -पेज 12 भी देखें

इंटरव्यू : नोबल पुरस्कार विजेता प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. अमर्त्य सेन की कांग्रेस को सलाह

विपक्ष ने फूट के कारण अपनी असली ताकत खो दी

एजेंसी। कोलकाता

कांग्रेस में कई संगठनात्मक समस्याएं, दूर करने की जरूरत

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने कहा कि भारत में विपक्ष ने फूट के कारण अपनी अधिकांश ताकत खो दी है. सेन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि जाति जनगणना पर विचार किया जा सकता है, लेकिन भारत को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता के माध्यम से वंचितों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है.

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि उन्हें भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने पर काफी गर्व है, लेकिन देश की लोकतांत्रिक प्रकृति को बढ़ाने के लिए कठिन मेहनत करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ज्यादा लोकप्रियता हासिल करने में नाकाम हो गया, क्योंकि जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय लोक दल जैसे उसके महत्वपूर्ण सहयोगी अलग हो गए. यह पूछने पर कि भाजपा का मुकाबला करने में विपक्ष के पास किस चीज की कमी है, इस पर उन्होंने कहा कि भारत में विपक्ष ने फूट के कारण अपनी अधिकांश ताकत खो दी है. एकता से उसे और अधिक ताकत मिलती. सेन ने कहा कि कांग्रेस में कई संगठनात्मक समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है. पार्टी के महान इतिहास से उसे प्रेरणा लेनी चाहिए.

उन्होंने भाजपानीत एनडीए सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर उसकी भी आलोचना की. सेन ने दावा किया कि व्यापक निरक्षरता और असाधारण लैंगिक असमानता के कारण भारत में गरीबों के लिए प्रगति करना कठिन हो गया है. उन्होंने कहा कि भारत के शासक वर्ग अमीरों के हितों का ध्यान रखते हैं.

संविधान बदलने से नागरिकों का फायदा नहीं होगा

वहीं विपक्ष के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा सत्ता में लौटने पर संविधान बदल सकती है, इस पर अमर्त्य सेन ने कहा कि देश का संविधान बदलने से सरकार के ''एकल धर्म केंद्रित'' होने की पुष्टि के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा. उन्होंने कहा कि इससे भारत के आम नागरिकों को फायदा नहीं होगा. यह आत्मघाती भी हो सकता है.

संविधान निर्माता की जयंती पर संविधान की उद्देशिका का किया वितरण

संविधान बदलने की हो रही साजिश : चंपाई

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर गम्हरिया विकास समिति के द्वारा रविवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133 वी जयंती आदित्यपुर 2 स्थित कल्याण कुंज भवन में मनाई गई. इस कार्यक्रम में सीएम चंपाई सोरेन भी शामिल हुए. अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि आज भारत वर्ष के लिए गौरव का दिन है. जिनकी जयंती हम मना रहे हैं, उन्होंने देश के संविधान की रचना की थी. जिससे हम लोग एकसूत्र में बंधे हैं. आज देश में कुछ अवसरवादी दल के लोग संविधान को बदलने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं. ये वो लोग हैं जो देश की संस्कृति को गहराई से नहीं समझ रहे हैं. आज हमें संविधान को बचाना है, लोकतंत्र को बचाना है. हमारे पूर्वजों ने जिस ईस्ट इंडिया कंपनी से लड़ाई लड़ी और उनके नीतियां को बदला आज दोबारा वही नीतियों को लागू करने की साजिश चल रही है. आज कुछ सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों को आदिवासी, दलित पिछड़ों को अधिकार देने की चिंता नहीं है. बल्कि बीच-बीच में दलित पिछड़ों के अधिकारों को काटने की कोशिश करते रहते हैं. उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती से पिछड़ों दलितों के अधिकारों को बचाने के लिए उलगुलान करना होगा, नहीं तो आने वाली पीड़िया हमें माफ नहीं करेगी. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ उनके सहयोगी छायाकांत गोराई, प्रेस सलाहकार धर्मेंद्र गोश्वामी, रंजीत प्रधान, गोपाल महतो, गुरु प्रसाद महतो आदि उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

वनवासी केंद्र में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन

रांची। वनवासी कल्याण केन्द्र के तत्वावधान में रांची के बरियातु के आरोग्य भवन स्थित सभागार में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन 14 अप्रैल को किया गया. रांची महानगर अध्यक्ष सज्जन सर्राफ ने प्रस्तावना के रूप में वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा जनजाति हित में किए जा रहे सेवा कार्यों की विस्तार से जानकारी दी.विशिष्ट अतिथि रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि आज अगर पर्यावरण को कोई सुरक्षित रखा है, तो वह है जनजाति समाज. जनजाति समाज यदि नहीं होता तो पर्यावरण संतुलन नहीं रहता. पर्यावरण संतुलन नहीं रहने से सृष्टि का विनाश अवश्य होता.डॉ. एच.पी. नारायण ने कहा कि सरहुल पर्व केवल प्रकृति पर्व ही नहीं है, बल्कि सभी प्रकृति के सभी प्राणियों का मेल-मिलाप है.

स्वयंसेवकों ने वोटरों को किया जागरूक

रांची। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर रांची विश्वविद्यालय की एनएनएस इकाई ने वोटरों को जागरूक किया. गोद ली मधुकम बस्ती में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक ब्रजेश कुमार की अध्यक्षता में तालाब के किनारे कार्यक्रम हुआ. स्थानीय बच्चे एवं उनके परिजन भी शामिल हुए.अंबेडकर के जयंती के अवसर पर एनएसएस के टीम लीडर्स दिवाकर, रिकेष, अतुल, अजहर, अंकित, खुशी, ऋषि, सुजल, अमित, कनिष, श्रुति, आदर्श, पलक आदि ने अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम के बाद एनएसएस के स्वयंसेवकों ने रांची का चुनाव 25 मई को होना है, यह जानकारी घरों में जाकर दी. सभी से पहले मतदान फिर जलपान करने का आग्रह किया. कार्यक्रम का संचालन टीम लीडर राकेश और धन्यवाद अतुल कुमार ने किया.

पासवा उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

रांची। चतरा जिला पासवा उपाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सिंह के असामयिक निधन परपासवा की झारखंड राज्य स्तरीय कमेटी ने शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी. पासवा ने डिप्टी पाड़ा कचहरी चौक स्थित आवास में पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे की अध्यक्षता में पासवा झारखंड राज्य स्तरीय कमेटी ने चतरा जिला पासवा के जिला उपाध्यक्ष एवं रॉयल एकेडमी हंटरगंज के प्राचार्य श्री सत्येंद्र कुमार सिंह के आकस्मिक निधन पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धासुमन अर्पित की गई . शोक सभा में पासवा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे, अरविन्द कुमार, डा सुषमा केरकेट्टा, मसूद कच्छी, आलोक, बिपिन टोप्पो ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

सरायकेला से ही चंपाई ने तय किया है झारखंड के मुख्यमंत्री तक का सफर

कोल्हान में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का होगा लिटमस टेस्ट

- सिंहभूम से जोबा मांझी को चुनाव मैदान में उतारा है

रवि भारती। रांची

कोल्हान की दोनों लोकसभा सीटें जमशेदपुर और सिंहभूम में झामुमो की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है. इसकी वजह यह है कि सीएम चंपाई सोरेन ने कोल्हान इलाके से ही मुख्यमंत्री तक का सफर तय किया है. चंपाई सोरेन के लिए कोल्हान लिटमस टेस्ट की तरह होगा. अब जब कोल्हान की दोनों लोकसभा सीटें झामुमो के कोटे में गई है, तो दोनों सीट पर जीत दिलाने की जिम्मेदारी, तो कोल्हान के टाइगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर ही होगी. बता दें कि सिंहभूम सीट से झामुमो ने हेमंत सरकार में मंत्री रह चुकीं जोबा मांझी को चुनावी मैदान में उतारा है. इस सीट पर निवर्तमान सांसद गीता कोड़ा भाजपा की प्रत्याशी हैं. वहीं, जमशेदपुर सीट की बात करें, तो निवर्तमान सांसद विद्युत वरण महतो को भाजपा ने तीसरी बार मौका दिया है. जबकि, झामुमो की ओर से अबतक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की गई है. पार्टी द्वारा रामनवमी के बाद घोषणा करने की बात कही गई है.

क्या है जमशेदपुर लोकसभा सीट की खासियत : जमशेदपुर लोकसभा सीट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि लगातार दो बार से अधिक कोई प्रत्याशी अबतक नहीं जीता. पहले लोकसभा चुनाव में जमशेदपुर सीट का अस्तित्व नहीं था. 1951-52 के चुनाव में इस सीट का नाम मानभूम साउथ सह धालभूम था. 1957 के चुनाव में जमशेदपुर लोकसभा सीट अस्तित्व में आई. इस सीट से सर्वाधिक छह बार भाजपा ने जीत हासिल की. इसके बाद कांग्रेस और झामुमो का दबदबा रहा. वर्ष 2019 के चुनाव में इस सीट से एक और रिकॉर्ड जुड़ गया. वर्ष 1962 से लेकर अबतक के चुनावी इतिहास में जमशेदपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो की जीत सबसे बड़ी थी. उन्होंने तीन लाख 1033 मतों से रिकॉर्ड जीत दर्ज की थी. विद्युत को कुल छह लाख 76 हजार 894 मत मिले, जबकि गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी चंपाई सोरेन को तीन लाख 75 हजार 861 मत मिले थे.

कोल्हान की दोनों सीटों पर होंगे झामुमो उम्मीदवार

सिंहभूम सीट पर भी झामुमो की प्रतिष्ठा दांव पर

सिंहभूम लोकसभा सीट पर भी झामुमो की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस की गीता कोड़ा ने जीत दर्ज की थी. गीता कोड़ा को कुल 49 .8 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 40 .9 फीसदी मत प्राप्त हुए थे. 2024 की तैयारी में एक बार फिर सिंहभूम में राजनीतिक सरगर्मी तेज हुई है. लोकचुनाव की घोषणा से पहले ही निवर्तमान सांसद गीता कोड़ा ने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया था. इस बार भाजपा ने गीता कोड़ा को उम्मीदवार बनाया है और गठबंधन में सिंहभूम सीट झामुमो के खाते में गयी है.

सिंहभूम सीट पर किसने कब जीत हासिल की

वर्ष	सांसद	पार्टी
1957	शंभू चरण गोडसोरा	झारखंड पार्टी
1962	हरिचरण सोय	झारखंड पार्टी
1967	कोलाई बिरुआ	निर्दलीय
1971	मोरन सिंह पूर्ति	झारखंड पार्टी
1977	बागुन सुंब्रई	झारखंड पार्टी
1980	बागुन सुंब्रई	जनता पार्टी
1984	बागुन सुंब्रई	कांग्रेस
1989	बागुन सुंब्रई	कांग्रेस
1991	कृष्णा मरांडी	झामुमो
1996	चंद्रसेन सिंकू	भाजपा
1998	विजय सिंह सोय	कांग्रेस
1999	लक्ष्मण गिलुआ	भाजपा
2004	बागुन सुंब्रई	कांग्रेस
2009	मधु कोड़ा	निर्दलीय
2014	लक्ष्मण गिलुआ	भाजपा
2019	गीता कोड़ा	कांग्रेस

जमशेदपुर लोकसभा सीट से जीतने वाले प्रत्याशी

वर्ष	सांसद	पार्टी
1962	उदयकर मिश्रा	भाकपा
1967	एससी प्रसाद	कांग्रेस
1971	सरदार स्वर्ण सिंह	कांग्रेस
1977	रुद्र प्रताप षाड़ंगी	बीएलडी
1980	रुद्रप्रताप षाड़ंगी	जेएनपी
1984	गोपेश्वर	कांग्रेस
1989	शैलेंद्र महतो	झामुमो
1991	शैलेंद्र महतो	झामुमो
1996	नीतीश भारद्वाज	भाजपा
1998	आभा महतो	भाजपा
1999	आभा महतो	भाजपा
2004	सुनील कुमार महतो	झामुमो
2009	अर्जुन मुंडा	भाजपा
2014	विद्युत वरण महतो	भाजपा
2019	विद्युत वरण महतो	भाजपा

दल-बदल कर सिंहभूम सीट जीतते रहे बागुन सुंब्रई

वर्ष 1957 में जब झारखंड, बिहार का ही हिस्सा था, तो सिंहभूम लोकसभा सीट से झारखंड पार्टी के प्रत्याशी शंभू चरण गोडसोरा ने जीत दर्ज की थी। इन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी सिदिया हेंब्रम को हराया था. इस सीट पर सबसे ज्यादा बागुन सुंब्रई ने पांच बार जीत दर्ज की. वह वर्ष 1977 से लगातार चार बार सांसद चुने गये. हालांकि, वह दल-बदल कर टिकट पाने में भी माहिर थे. वर्ष 1977 में झारखंड पार्टी, 1980 में जनता पार्टी और 1984 व 1989 में कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने. इसके बाद 2004 में एक बार फिर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत कर बागुन सुंब्रई संसद भवन पहुंचे.

कोई कितना भी शोर मचा ले जीतेंगे तो ढुल्लू महतो ही: बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा है कि कोई कितना भी शोर मचा ले जीतेंगे, तो ढुल्लू महतो ही. उन्होंने कहा कि ढुल्लू महतो जनता की अदालत में पेश किए गए हैं. जनता जवाब देगी कि भाजपा का उम्मीदवार कैसा है. बाउरी रविवार को जमशेदपुर में भाजपा के जिला कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झामुमो ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को साइड लाइन कर दिया है. इसीलिए उन्हें सरायकेला में उनके विधानसभा क्षेत्र भेज दिया गया है. वह यहां कार्यक्रम कर रहे हैं.

कल्पना संभाल रही है चुनाव की जिम्मेवारी

बाउरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की अहम जिम्मेदारी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन संभाल रहीं हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा आरोप लगाती रही है कि झामुमो में परिवारवाद हावी है. कल्पना सोरेन के आगे आने से भाजपा के आरोप सही साबित हुए हैं. चंपाई सोरेन कहते हैं की इंडी गठबंधन सभी 14 सीट जीतेगा. वह हताशा में बयान दे रहे हैं. मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं.

वाहन चेकिंग अभियान में 11.45 लाख रुपये बरामद

संवाददाता। रांची

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान लालपुर इलाके से 11.45 लाख रुपए बरामद किए गए हैं. बरामद पैसे पंडरा बाजार समिति के एक कारोबारी का बताया जा रहा है. गौरतलब है कि पूरे राज्य में लोकसभा चुनाव को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में भी लालपुर पुलिस द्वारा रविवार को वाहनों की चेकिंग की जा रही थी. इसी दौरान एक कार को चेक किया गया तो उसमें से 11.45 लाख नगद रुपए बरामद किए गए. रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर लगातार वाहनों की चेकिंग की जा रही है, ताकि अवैध हथियार, शराब और नगद सहित दूसरे चीजों को बरामद किया जा सके. इसी कड़ी में लालपुर इलाके से चेकिंग के दौरान 11.45 लाख रुपए बरामद किए गए हैं. बरामद पैसे की जानकारी आयकर विभाग को भी दी गई है. आयकर की टीम थाने में पैसे के बारे में तहकीकात कर रही है.

13 सीटों में शामिल हैं दो से तीन जिले, सिर्फ जमशेदपुर में किसी भी जिले का हिस्सा नहीं होता शामिल

अजब गजब है लोस सीटों की भौगोलिक स्थिति

रवि भारती। रांची

झारखंड में लोकसभा सीटों की भौगोलिक स्थिति भी अजीबो-गरीब है. राज्य में कुल 14 लोकसभा सीटें हैं. इनमें से 13 लोकसभा सीटों का क्षेत्र ऐसा है कि जिनमें दो से तीन जिले के क्षेत्र हिस्सा बन गए हैं. सिर्फ जमशेदपुर लोकसभा सीट ऐसी है जिसमें किसी भी जिले का हिस्सा शामिल नहीं होता है. जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र पूर्वी सिंहभूम जिला के अंतर्गत आता है. यहा से फिलहाल सासंद विद्युत वरण महतो हैं. इस बार बीजेपी ने फिर से विद्युत वरण महतो पर दांव लगाया है. इस लोकसभा क्षेत्र मे छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं. इनमे जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिम, घाटशिला, बहारागोडा, पोटका और जुगसलाई हैं. इनमें घाटशिला, बहरागोडा, पोटका और जुगसलाई झारखंड मुक्ति मोर्चा के कब्जे में हैं. जबकि जमशेदपुर पूर्वी निर्दलीय और जमशेदपुर पश्चिम की सीट कांग्रेस के कब्जे में है.

छह सीटों पर तीन-तीन जिलों का हिस्सा शामिल

राज्य की छह लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जिनमें तीन-तीन जिलों के क्षेत्र शामिल हैं. इनमें खूंटी लोकसभा सीट में सरायकेला-खरसांवा, खूंटी और रांची जिले का क्षेत्र शामिल है. इसी तरह चतरा लोकसभा सीट में चतरा, लातेहार और पलामू जिला का हिस्सा शामिल हैं. गिरिडीह में बोकारो, धनबाद और गिरिडीह जिला का हिस्सा शामिल है. दुमका सीट में जामताड़ा, दुमका और देवघर शामिल है. गोड्डा सीट में दुमका, देवघर और गोड्डा जिला का क्षेत्र शामिल है. वहीं लोहरदगा सीट में गुमला, लोहरदगा और रांची का हिस्सा शामिल है.

ऐसी है झारखंड की लोकसभा सीटों की संरचना

राज्य में कुल 14 लोकसभा सीटें हैं. इनमें से 13 लोकसभा सीटों का क्षेत्र ऐसा है कि जिनमें दो से तीन जिले के क्षेत्र हिस्सा बन गए हैं

लोकसभा सीट	जिले का नाम
जमशेदपुर	पूर्वी सिंहभूम
सिंहभूम	पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसांवा
रांची	रांची, सरायकेला-खरसांवा
खूंटी	सरायकेला-खरसांवा, खूंटी और रांची
चतरा	चतरा, लातेहार और पलामू
गिरिडीह	गिरिडीह बोकारो और धनबाद
दुमका	दुमका, जामताड़ा और देवघर
गोड्डा	गोड्डा, दुमका और देवघर
राजमहल	साहिबगंज और पाकुड़
धनबाद	धनबाद और बोकारो
कोडरमा	कोडरमा और गिरिडीह
हजारीबाग	हजारीबाग और रामगढ़
लोहरदगा	गुमला, लोहरदगा और रांची
पलामू	पलामू और गढ़वा

झारखंड में 927 उम्मीदवारों में से 780 की जमानत जब्त

चार लोस चुनाव में 343 निर्दलीयों में से 340 की जमानत जब्त, दो ही जीते

शुभम किशोर। रांची

18वीं लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. झारखंड में 14 सीटों के लिए चार चरणों में वोट होने हैं. खूंटी, लोहरदगा, पलामू और सिंहभूम में 13 मई, चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में 20 मई, धनबाद, गिरिडीह और जमशेदपुर, रांची में 25 मई और राजमहल, दुमका, गोड्डा में 1 जून को वोट होने हैं. झारखंड गठन के बाद 2000 से 2019 तक चार बार लोस चुनाव हुए हैं. वहीं पांचवी बार 2024 में लोकसभा चुनाव की तैयारी की जा रही है. इन चार लोकसभा चुनाव में 343 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतरे, लेकिन केवल तीन ही प्रत्याशी जमानत बचाने में सफल हुए. जिसमें दो निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीतकर सांसद भी बने. वहीं 340 प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा सके. अब तक इन चार लोकसभा चुनावों में कुल 927 उम्मीदवार चुनाव में उतरे, लेकिन 780 उम्मीदवार जमानत भी नहीं बचा सके.

2009 के चुनाव में दो सीट पर जीते थे निर्दलीय

15वीं लोकसभा का चुनाव 2009 में हुआ था. झारखंड में 2009 में 249 उम्मीदवार मैदान में खड़े हुए. जिसमें 100 निर्दलीय उम्मीदवार थे. इस चुनाव में दो सीट पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की. चतरा लोकसभा सीट पर इंदर सिंह नामधारी ने निर्दलीय चुनाव लड़ते हुए जीत दर्ज की थी. वहीं सिंहभूम से मधु कोड़ा ने निर्दलीय प्रत्याशी होने के बावजूद जीत दर्ज की थी. इस चुनाव में बीजेपी ने आठ सीट पर जीत दर्ज की थी. वहीं जेएमएम को दो और कांग्रेस और जेवीएम को एक-एक सीट पर जीत मिली थी.

किस लोकसभा चुनाव में कितना जमानत जब्त

वर्ष	प्रत्याशी	जमानत जब्त	निर्दलीय प्रत्याशी	जमानत जब्त
2004	182	152	71	71
2009	249	217	100	97
2014	240	209	77	77
2019	229	202	95	95

सोशल मीडिया पर रखी जाएगी पैनी नजर

रामनवमी को ले अलर्ट मोड पर पुलिस

प्रमुख संवाददाता। रांची

रामनवमी को लेकर पूरे राज्य में पुलिस अलर्ट मोड पर है. झारखंड पुलिस के प्रवक्ता आईजी अमोल वेणुकांत होमकर ने बताया कि सोशल मीडिया को लेकर जिलों के डीसी और एसपी को एक दर्जन से अधिक निर्देश जारी किये गये हैं. उनसे शहर के प्रमुख चौराहों पर सोशल मीडिया से संबंधित साइन बोर्ड और हेल्पलाइन नंबर भी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं. आईजी अमोल होमकर के कहा है कि समाज में अफवाह फैलाने के लिए कई तरह के मैसेज फैलाए जाते हैं. ऐसे में आम लोगों से अपील की गई है कि वे तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या अपने स्थानीय थाने में फोन कर इसकी जानकारी दें, सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के बारे में पुलिस से बात करें और पुलिस से पूछें कि क्या यह जानकारी सही है.

अफवाह फैलाने वालों को भेजा जाएगा जेल

सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों को जेल भेजा जाएगा. आईजी ऑपरेशन अमोल वेणुकांत होमकर ने बताया कि सबसे ज्यादा फोकस सोशल मीडिया पर रहेगा. सभी जिलों में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल बनाया गया है. मॉनिटरिंग सेल पूरी तरह से हाईटेक है. राज्य के विभिन्न जिलों से आने वाली सूचनाएं मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष में एकत्र की जाएंगी. त्योहार के दौरान कई ऐसे तत्व होते हैं, जो समाज में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश करते हैं ताकि माहौल खराब किया जा सके. पुलिस भी ऐसे तत्वों को छोड़ने वाली नहीं है. सोशल मीडिया के अलग-अलग विंग के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं.

ये निर्देश किए गए हैं जारी

- सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों की जानकारी देने के लिए जिला स्तर पर फोन नंबर भी जारी किए गए हैं.
- गाइडलाइंस में आम लोगों से भी कहा गया है कि वे कभी भी कोई भड़काऊ संदेश प्रचारित न करें.
- अगर मोबाइल पर कोई आपत्तिजनक मैसेज आता है, तो वह इसकी सूचना पुलिस को अवश्य दें.
- मैसेज को एक जगह से दूसरी जगह भेजने वाला भी उतना ही दोषी है जितना मैसेज बनाने वाला भी, इसमें सावधानी बरतें.

शोषितों, वंचितों को मिले उनका हक और अधिकार: सुदेश महतो

संवाददाता। रांची

बाबा साहब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहे थे. बहुमुखी प्रतिभा के धनी बाबा साहब ने समाज में वर्ग के विभाजन को तोड़ सबको संविधान में समान अधिकार दिया है. आज उनके कथन और मार्गदर्शन को आत्मसात करने की जरूरत है. शोषितों, वंचितों को उनका हक और अधिकार मिले, यह हमारी प्राथमिकता है. आज भी समाज का एक बड़ा तबका अपने अधिकारों से वंचित है. उक्त बातें आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कही. उन्होंने रविवार को अंबेदकर पार्क, सिल्ली में बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से डॉ. अंबेडकर के आदर्शों से सीख लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया. इस अवसर पर जयपाल सिंह, संजय सिद्धार्थ, गौतम साहू, तरुण गुप्ता इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

सीएमपीडीआई में अंबेडकर की जयंती मनायी गयी

रांची। सीएमपीडीआई के 'मयूरी प्रेक्षागृह' में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की 133वीं जयंती 14 अप्रैल को मनायी गयी. इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षों ने श्रद्धांजलि अर्पित की. डॉ भीमराव अम्बेदकर के योगदान को याद किया. मौके पर सीएमडी कुमार ने लोगों से डॉ भीम राव से संबंधित साहित्य एवं पुस्तकें पढ़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि इससे उनके आदर्शों और सिद्धांतों के वास्तविक सार को जानने व समझने में सहूलियत होगी.

बाबा साहब ने शोषित समाज को मुख्य धारा से जोड़ा : ब्रज मोहन

संवाददाता। रांची

आजसू केंद्रीय कार्यालय में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई. केंद्रीय महासचिव ब्रज मोहन कुमार ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला. कहा कि बाबा साहब ने समाज की कुरीतियों को दूर करने का दृढ़ संकल्प किया एवं निरंतर प्रयास करते हुए एक समरस समाज की कल्पना की. उन्होंने वास्तव में शोषित समाज को मुख्य धारा से जोड़ने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का कार्य किया. युवा आजसू के प्रदेश संयोजक गौतम सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन अन्याय व अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष को समर्पित किया. उनका सम्पूर्ण जीवन आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा. इस दौरान केंद्रीय कार्यालय सचिव आशुतोष गोस्वामी, रांची जिला सह प्रभारी अजीत कुमार, रांची जिला सह प्रभारी अभिषेक झा, रोहित चौधरी, वेदांत कौस्तव, रित्विक राज, रिशु कुमार, मुकेश कुमार, अनमोल प्रजापति, सुमित साहू, नैनित प्रजापति, सचिन साहू, अमरजीत कुमार, अभिषेक सही, प्रियांशु शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद थे.

खास बातें

- अंबेडकर ने समरस समाज की कल्पना की थी
- आजसू के केंद्रीय कार्यालय में मनी अंबेडकर जयंती

जयंती

झामुमो ने बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

लोकतंत्र कमजोर करने में लगी ताकतों को जवाब देना है : मंत्री

संवाददाता। रांची

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जयंती पर झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने रांची के डोरंडा स्थित पुराने हाईकोर्ट के समीप उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इस दौरान मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि भारत का संविधान पूरी दुनिया में अनूठा है. इस संविधान में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सहित अन्य धर्म के लोगों को एक समान अधिकार दिया गया है. ठाकुर ने कहा कि हम सभी को इस संविधान को अक्षुण रखने का संकल्प लेना चाहिए. हमें समतामूलक समाज की ओर आगे बढ़ना है. कहा कि हमारे लोकतंत्र को कमजोर करने में कुछ ताकतें दिन रात लगी हुई हैं, उन्हें हमें जवाब देना है.

झामुमो के केंद्रीय कार्यालय में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में शामिल मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

सभी के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प : मुस्ताक

झामुमो के जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किया. साथ ही इस संविधान को बचाने के लिए संविधान विरोधी ताकतों को जवाब देने और सभी के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया. मौके पर समनूर मंसूरी, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, डा. हेमलाल कु मेहता, अफरोज अंसारी, संजय राय, फरीद खान, परवेज आलम, सोनू मुंडा, संगठन सचिव रमजान रजा, पुष्पा बरदेवा, सुषमा बरदेवा, प्रदीप मिर्धा, असद टिंकू, राकेश वर्मा, अतिकुर रहमान, फिरोज, मो नौसाद आलम, परवेज अख़्तर, अमन खान, राजेश, सोनू, प्रिंस सहित अन्य उपस्थित रहे.

महिला जनप्रतिनिधि पर हमला कर रहे झामुमो के लोग

गीता कोड़ा पर हुए हमले पर बोले बाबूलाल-ये लोकतंत्र पर हमला है

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को गीता कोड़ा पर हुए हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. कहा है कि अपनी हार देख कर झामुमो के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गीता कोड़ा और उनकी सहयोगियों पर चुनाव प्रचार के दौरान जो कायराना हमला किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है. झामुमो और उनके सहयोगी दलों को पता है कि वे चुनाव में भाजपा के खिलाफ बुरी तरह हार रहे हैं. इसी कुंठा में भाजपा के जुझारू कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं.

सिंहभूम की जनता इसका सही जवाब देगी

बाबूलाल ने कहा कि यह हमला सिर्फ गीता कोड़ा पर ही नहीं बल्कि सिंहभूम की जनता पर भी है, जो गीता कोड़ा जी को अपना नेता मान चुकी है. सिंहभूम की जनता इसका सही जवाब देगी. सरायकेला मुख्यमंत्री का गृह जिला भी है. इस कृत्य में उनकी भी संलिप्तता का हमें संदेह हैं. जबसे गीता कोड़ा जी बीजेपी में शामिल हुई है और कांग्रेस और झामुमो की सरकार नाकामियां और भ्रष्टाचार पर मुखर रूप से बोलने लगी है. उसी दिन से हेमंत सोरेन और उनकी षडयंत्रकारी कोटरी ने पहले सोशल मीडिया पर और अब सामने से हमले शुरू कर दिए हैं.

गीता कोड़ा अब भाजपा की सिपाही हैं

बाबूलाल ने कहा कि गीता कोड़ा अब भाजपा की सिपाही हैं. उनके ऊपर हुआ हर हमला,लोकतंत्र पर हमला करना होगा और हम उसका माकूल जवाब देंगे. चुनाव आयोग से आग्रह करूंगा कि इस आपराधिक कृत्य का संज्ञान ले और तुरंत करवाई करें. मरांडी ने लोगों से शांति की अपील करते हुए कहा कि और लोकतंत्र के इस उत्सव को शांति पूर्वक मनाएं.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार 15 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 07 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 7 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वासंतिक नवरात्र

सप्तमं कालरात्रि

एकवेणी जपाकर्णपुरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लसल्लोहलता कण्टकभूषणा।
वर्धन्मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयङ्करी॥

नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि के उपासना एवं दर्शन-पूजन का विधान है. माता कालरात्रि की उपासना से सभी सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं. इनके नाम के उच्चारण मात्र से आसुरी शक्तियां भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं. इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है. सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है. बायीं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है. ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा भक्तों को वर देती है. दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है. इनका रूप भले ही भयंकर हो, परन्तु यह सदैव शुभ फल देने वाली मां हैं. इसीलिए यह शुभंकरी कहलाती हैं. माता कालरात्रि काल से भी रक्षा करने वाली शक्ति हैं.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

लोहरदगा में महिला की गला रेत कर हत्या

लोहरदगा। जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के कुंदगड़ी भेसलेटा टांड़ स्थित गन्ने के खेत में मजदूरी कर रही महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी. मृतका की पहचान स्व. बिमल मांझी की 50 वर्षीया पत्नी कलावती देवी के रूप में की गयी है. बताया जा रहा है कि गांव के ही तीन युवकों ने पुरानी रंजिश में महिला का गला रेत दिया और भाग निकले.

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गन्ने के खेत में काम कर रहे अन्य मजदूरों से मामले की जानकारी ली. पुलिस ने बताया कि आरोपी चिह्नित कर लिए गए हैं. गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. बताया जाता है कि अपराधियों ने पीछे से आकर महिला पर वार कर दिया. उसके बाद गला रेत दिया. मृतका के परिजनों ने बताया कि एक नाबालिग लड़की को घर से निकाल कर दुष्कर्म करने के आरोप में गांव के ही दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. इस कारण दोनों युवक वर्तमान में जेल में हैं. जेल गए युवकों के परिजनों विनोद मांझी, अशोक उरांव, काशी महतो ने मजदूरों के बीच में पहुंच कर महिला मजदूर की हत्या कर दी.

सांसद ने विपक्ष पर लगाया ग्रामीणों को भड़काने का आरोप

गीता कोड़ा को गम्हरिया में जनसंपर्क अभियान चलाने से ग्रामीणों ने रोका

संजीव मेहता। आदित्यपुर

जिले के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर गांव में रविवार को भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को जनसंपर्क अभियान चलाने के दौरान ग्रामीणों का भारी विरोध झेलना पड़ा. गीता कोड़ा के गांव में प्रवेश करते ही विरोध व हंगामा शुरू किया. सिंहभूम सीट से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा रविवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गम्हरिया प्रखंड के भ्रमण पर थीं. रविवार सुबह से ही गीता कोड़ा भारी संख्या में भाजपा समर्थकों के साथ कांड्रा व गम्हरिया के पंचायत क्षेत्र में चुनावी जनसंपर्क अभियान चला रही थीं.

इसी बीच रविवार दोपहर गम्हरिया प्रखंड के मोहनपुर गांव पहुंचने पर सांसद गीता कोड़ा को देख ग्रामीण भड़क गए और उनको गांव में प्रवेश करने पर रोक दिया. ग्रामीणों का कहना है कि यह गांव 'इंडिया' महागठबंधन समर्थकों का है. भाजपा प्रत्याशी की यहां आवश्यकता नहीं है. मामले की गंभीरता को देखते ही गम्हरिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची. उग्र ग्रामीणों को

समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया. इस बीच भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा ने जनसंपर्क अभियान रोक दिया. मोहनपुर गांव में गीता कोड़ा के पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष हाथों में लाठी एवं डंडे लेकर भाजपा प्रत्याशी के चुनावी जनसंपर्क काफिला को रोकने पहुंचे थे. कयास लगाए जा रहे हैं कि ग्रामीणों द्वारा पूर्व से ही योजना बनाने के बाद गीता कोड़ा के जनसंपकर्क अभियान को रोका गया है.

इस घटना के बाद गीता कोड़ा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि चुनावी जनसंपर्क अनुभूति होने के बावजूद किसके इशारे पर जनसंपर्क अभियान रोका गया है, इसकी जांच होनी चाहिए. लोकतंत्र में ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा होनी चाहिए.

पलामू : गांवों में लगे भाजपा प्रत्याशी के बहिष्कार के पोस्टर

मोदी तुमसे बैर नहीं, बाहरी प्रत्याशी विष्णु दयाल राम की अब खैर नहीं

संजीत यादव। मेदिनीनगर

पलामू लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम के विरोध में अब लोग खुल कर सामने आने लगे हैं. कई गांव में तो प्रत्याशी बहिष्कार के संबंध में बैनर व पोस्टर भी टंग गये हैं. पोस्टर पर भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, अमित शाह जिंदाबाद, लेकिन भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम मुर्दाबाद के नारे अंकित हैं. पोस्टर पर मोदी तुमसे बैर नहीं, बाहरी वीडी राम की खैर नहीं, बाहरी सांसद प्रत्याशी नहीं चलेगा पलामू का प्रत्याशी घोषित करो, फर्जी जाति प्रमाण पत्र बना कर 12 प्रतिशत अनुसूचित जाति का हक मारनेवाला प्रत्याशी झारखंड को नहीं चाहिए आदि लिखे हुए हैं. पोस्ट पर अंत में निवेदक आम जनता, पलामू लोकसभा क्षेत्र लिखा हुआ है. वहीं चैनपुर और पाटन में भी हाल के दिनों में सांसद का विरोध हुआ था.

इस मामले में सांसद के प्रवक्ता सोमेश कुमार से पूछा गया, तो उन्होंने कुछ बोलने से इनकार कर दिया. वहीं पलामू लोकसभा मीडिया प्रभारी शिव कुमार मिश्रा ने भी कोई

प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया. वे सिर्फ इतना ही बोले कि ये किसी संगठन या व्यक्ति का विरोध नहीं है. कुछ लोग चोरी छुपे इस तरह का काम कर रहे हैं. वहीं मार्च में पलामू संसदीय क्षेत्र में पार्टी के 19 मंडल अध्यक्षों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को चिट्ठी लिख कर, वीडी राम की उम्मीदवारी निरस्त करके, किसी स्थानीय व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने की मांग की थी. मंडल अध्यक्षों ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित क्षेत्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश महामंत्री को भी इस बात से अवगत कराया था. मंडल अध्यक्षों का दावा है कि उम्मीदवारी के ऐलान से पहले उन्होंने वीडी राम के नाम पर आपत्ति जताई थी, लेकिन उनको ही मौका दिया गया. उनका कहना है कि यदि वीडी राम बदले नहीं गए, तो वे सहज होकर पार्टी के लिए कैंपेन नहीं कर पाएंगे.

तीन कद्दावर कुर्मी नेता मैदान में

गिरिडीह में किसको मिलेगा जनता का आशीर्वाद

अक्षय चौबे। तोपचांची

गिरिडीह लोकसभा सीट पर इस बार कुर्मी जाति के तीन कद्दावर नेताओं के बीच दिलचस्प मुकाबला है. मौजूदा सांसद आजसू पार्टी के चंद्रप्रकाश चौधरी, 'इंडिया' गठबंधन के मथुरा महतो और जेएलकेएम प्रमुख जयराम महतो चुनावी मैदान में उतर चुके हैं. तीनों कद्दावर नेता लोकसभा क्षेत्रों में पसीना बहा रहे हैं. जनता से जीत का आशीर्वाद मांग रहे हैं.

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में कुर्मी मतदाताओं की संख्या लगभग 19 फीसदी है और जीत-हार तय करने में इनकी भूमिका सबसे निर्णायक मानी जाती रही है. इस बार तीन बड़े कुर्मी नेताओं के मैदान में उतरने से किसी एक को अपनी जाति का एकमुश्त वोट मिल पाना मुश्किल है. ऐसे में दूसरे जातीय समूहों की गोलबंदी और समर्थन के आधार पर बनने वाले समीकरणों का आकलन किया जा रहा है. हालांकि, 1989 से लेकर 2014 तक इस सीट पर नौ बार हुए चुनावों में भाजपा ने कुल छह बार जीत दर्ज की थी.

झामुमो से मथुरा महतो पहली बार मैदान में हैं

झामुमो के मथुरा महतो इस सीट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं. वह पार्टी के कद्दावर नेताओं में गिने जाते हैं. इसी लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली टुंडी सीट के विधायक हैं. इस सीट से वह कुल तीन बार विधानसभा पहुंच चुके हैं. राज्य सरकार में दो बार मंत्री भी रहे हैं.

जयराम महतो की युवा फायर ब्रांड नेता की छवि

जयराम महतो ने पिछले तीन-चार सालों से झारखंड की भाषा और स्थानीयता के मुद्दे पर संघर्ष करने वाले फायरब्रांड युवा नेता के रूप में अच्छी पहचान बनाई है. राज्य भर में उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटती रही है. इस चुनाव में उनकी सियासी हैसियत की पहली परीक्षा होनी है.

पिछली बार चंद्रप्रकाश चौधरी को मिली थी जीत

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में आजसू पार्टी के प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी को भाजपा का भरपूर समर्थन मिला था. इस बार उन्हें एनडीए गठबंधन के तहत पुन: मौका दिया गया है. लेकिन, भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं में चंद्रप्रकाश चौधरी की उम्मीदवारी पर खासा उत्साह नहीं दिख रहा है. इसकी वजह यह है कि पिछले पांच वर्षों में चंद्र प्रकाश चौधरी ने भाजपा के स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं से ज्यादा संपर्क नहीं रखा. चौधरी अपने क्षेत्र में किये गये विकास कार्यों और मोदी की गारंटी को लेकर जनता के बीच पहुंच रहे हैं.

कोई कुर्मी नेता दूसरी बार नहीं जीता चुनाव

गिरिडीह लोकसभा से तीन कुर्मी नेता विनोद बिहारी महतो, राजकिशोर महतो और टेकलाल महतो जीत दर्ज कर चुके हैं. इन तीनों में से कोई दूसरी बार लोकसभा नहीं पहुंच पाए. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चंद्रप्रकाश दूसरी बार यहां से संसद तक की राह नाप पाते हैं या नहीं. बहरहाल, तीनों कद्दावर प्रत्याशी चुनावी परीक्षा में लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं. तीनों में कौन लोकतंत्र का इम्तिहान पास करेगा, यह जनता तय करेगी. बता दें कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में आगामी 25 मई को मतदान होना है.

मामले की जांच हो: कांग्रेस

कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने ढुल्लू महतो द्वारा बिना जिला प्रशासन की अनुमति के कार्यक्रम करने पर कहा कि किसी भी चुनाव के दौरान बिना अनुमति राजनीतिक कार्यक्रम करना आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है. ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा एफआईआर करने का नियम है. ऐसे कार्यक्रम कर कोई भी प्रत्याशी अपने चुनावी खर्च में भी हेरफेर कर सकता है, जो संगीन मामला है. आगे कहा कि धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो द्वारा पिछले तीन सप्ताह से लगातार कार्यक्रम किया जा रहा रहा है. पतराकुल्ही में भी बिना अनुमति लिए कार्यक्रम करने का मामला संज्ञान में आया है.

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे: झामुमो

झामुमो व कांग्रेस का ढुल्लू पर गंभीर आरोप

संवाददाता। धनबाद

धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो द्वारा बिना जिला प्रशासन की अनुमति के जनसभा करने के मामले पर झामुमो जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा के प्रत्याशी द्वारा आदर्श आचार संहिता कि धज्जियां उड़ाई जा रही है. आम जनता के साथ-साथ अब भाजपा के लोग कानून और चुनाव आयोग के साथ भी दबंगई कर रहें हैं. धनबाद की जनता को यह भी समझना होगा कि कानून को नहीं माननेवाला व्यक्ति धनबाद और यहां की जनता के भविष्य केलिए कितना सही है. झामुमो जिला प्रशासन एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी से मांग करती है कि भाजपा प्रत्याशी पर आचार संहिता उलंघन के मामले में प्राथमिकी दर्ज करें. साथ ही प्रत्याशी बनने के बाद इनके द्वारा अभी तक किये गये सभी कार्यक्रमों की अनुमति ली गई थी या नहीं, इसकी जांच करें.

दो वर्षों से फरार वारंटी को जीआरपी ने दबोचा

मैथन। धनबाद जीआरपी की टीम ने रविवार की सुबह शिवली बाड़ी मुंडाधौड़ा में छापेमारी कर फरार वारंटी बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया. वह दो साल से फरार चल रहा था. बिट्टू ने साथी सूरज के साथ वर्ष 2022 में ट्रेन में यात्रियों से मोबाइल छिनतई की थी, जिसमें दोनों को धनबाद जेल जाना पड़ा था. जमानत के बाद दोनों फरार चल रहे थे. सूरज अब भी फरार है. वहीं, शनिवार की देर रात चोरों ने रेलवे लाइन का गार्ड वाल से लौह सामग्री चोरी करने का प्रयास किया. लोगों के शोर मचाने चोर फरार हो गया.

एनएच 33 पर हाइवा चालक की गोली मार कर हत्या

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के उलीडीह ओपी अंतर्गत एनएच 33 स्थित वसुंधरा इस्टेट के पास सड़क किनारे रविवार दोपहर अपराधियों ने बारीडीह निवासी सन्नी यादव की गोली मार कर हत्या कर दी. बाइक से आए दो अपराधियों ने सन्नी के सिर पर कुल छह गोलियां मारीं. स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी.

इधर, सूचना पाकर सिटी एसपी मुकेश लुणायत, डीएसपी पटमदा बचनदेव कुजूर, डीएसपी मुख्यालय वन भोला प्रसाद सिंह और उलीडीह थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की. मौके से पुलिस ने छह खोखा बरामद किया है. वहीं पुलिस ने हाइवा के मालिक प्रज्जवल से भी पूछताछ शुरू की. प्रज्जवल ने पुलिस को बताया कि सन्नी ने बीते छह अप्रैल को ही उनके यहां काम करना शुरू किया था.

हाइवा का काम करवाने गया था सन्नी : प्रज्जवल ने बताया कि घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर ही उनका घर है. हाइवा में कुछ गड़बड़ी थी, इसलिए सन्नी उसे बनवाने के लिए पास ही के गैरेज में गया था. इसी बीच खबर मिली कि उसे किसी ने गोली मार दी. उसने बताया कि सन्नी को किसने गोली मारी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है. इधर, पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच शुरू कर दी है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक पर दो युवक मुंह बांध कर पहुंचे और सन्नी पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी.

सन्नी यादव की फाइल फोटो

पुलिस पर गोलीबारी मामले में गया था जेल

सन्नी यादव पूर्व में मानगो के बैकुंठनगर में रहता था. वह साल 2019 में मानगो के बैकुंठनगर में पुलिस पर गोलीबारी करने का भी आरोपी रहा है. जेल से जमानत पर आने के बाद वह परिवार के साथ बारीडीह के मोहरदा में रह रहा था. उसने कुछ दिनों पूर्व ही प्रज्जवल के पास काम शुरू किया था.

वर्चस्व को लेकर हत्या की आशंका, जांच जारी

सूत्रों की मानें, तो भुइंयाडीह में हुए प्रदीप हत्याकांड में शामिल मुन्ना सिंह उर्फ राहुल और सन्नी यादव जिगरी दोस्त थे. सन्नी यादव सोशल मीडिया पर राहुल के साथ कई फोटो शेयर कर रहा था. प्रदीप का बदला लेने के लिए मानगो में राजा की हत्या की गई थी. अब सन्नी को टारगेट बनाया गया है. हालांकि, पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है.

झपट्टामार अपराधियों का गिरोह सक्रिय

धनबाद में 12 घंटे के भीतर चेन छिनतई की चार वारदातें

- अलग-अलग जगहों पर चार महिलाओं को बनाया शिकार

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में एक बार फिर झपट्टामार बाइक सवार अपराधियों का गिरोह सक्रिय हो गया है. महज 12 घंटों के अंतराल में इस गिरोह के अपराधियों ने दो अलग-अलग स्थानों पर दो

महिलाओं को अपना शिकार बनाया. दोनों के गले से सोने की चेन छीन कर पलक झपकते ही अपराधी गायब हो गए. एक मामले की शिकायत बैंक मोड़ थाने में की गई है. बताते चलें कि पुराना बाजार टिकिया पाड़ा की रहने वाली शकुंतला देवी रविवार की सुबह साई मंदिर पूजा करने गई थी. पूजा करने के बाद घर लौटने के क्रम में बाइक पर सवार दो लोग तेजी से आए और गले से चेन झपट लिया. जब तक महिला शोर मचाती, तब तक दोनों अपराधी मनईटांड की तरफ भाग निकले. बाद में शकुंतला देवी ने घर वालों को खबर दी और फिर स्थानीय पुलिस को सूचना दी.

इवनिंग वॉक पर निकले थे दंपती, झपट ली चेन

ठीक इसी तरह शनिवार की शाम कुसुम विहार में दयानंद राम अपनी पत्नी के साथ इवनिंग वॉक पर निकले थे. दोनों पति-पत्नी टहल रहे थे कि तभी पीछे से बाइक पर सवार दो अपराधियों ने महिला के गले से चेन झपट लिया. चेन झपटने के कारण उनकी पत्नी का गला भी छिल गया. वारदात को अंजाम देकर दोनों बाइक सवार भाग निकले. इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात रिकार्ड हुई है.

10 मिनट के अंतराल में दो घटनाएं : इसके अलावा धनबाद थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी में सुमित सवांरिया की पत्नी के गले से चेन छीन लिया गया, जबकि ज्योत्सना सिंह के गले से सर्किट हाउस के पास चेन छिनतई कर ली गयी. दोनों अलग-अलग वारदातों में महज 10 मिनट का अंतराल बताया जा रहा है. सभी वारदात काले रंग की पल्सर बाइक से अंजाम दी गई है.

विश्लेषण सिर्फ तीन प्रमोटी आईएएस के पास है जिलों की कमान, एसडीओ व डीडीसी पदों पर भी युवा अफसर

झारखंड सरकार को युवा आईएएस अफसरों पर काफी भरोसा

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार ने युवा अफसरों पर भरोसा जताया है. इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है

कि 21 जिलों की कमान 33 से 45 साल के आइएएस अफसरों के पास है. गुमला के डीसी करण सत्यार्थी की उम्र महज 33 साल है. वहीं तीन प्रमोटी आइएएस के पास जिले की कमान है. इसमें गढ़वा डीसी शेखर जमुआर और जामताड़ा डीसी कुमुद सहाय की उम्र 58 साल है. जबकि, सिमडेगा डीसी अजय कुमार सिंह 57 साल के हैं.

27 से 34 साल के अफसरों पर डीडीसी और एसडीओ की कमान : जिलों में डीडीसी और एसडीओ की कमान 27 से 34 साल के आइएएस अफसरों पर है. झारखंड कैडर में खूंटी के एसडीओ अनिकेत संचन सबसे कम उम्र के हैं. इनकी उम्र सिर्फ 27 साल है. इसके बाद रांची के एसडीओ उत्कर्ष कुमार की उम्र 29 साल है.

27 साल के सबसे युवा आइएएस हैं अनिकेत संचन

33 से 45 साल के आइएएस अफसरों के पास 21 जिलों की कमान

33 साल के हैं गुमला डीसी करण सत्यार्थी

इन जिलों की कमान युवा अफसरों पर

- राहुल कुमार सिन्हा, रांची डीसी, उम्र- 41 साल
- जिशान कमर,गोड्डा डीसी, उम्र- 44 साल
- मृत्युंजय कुमार वर्णवाल, डीसी पाकुड़, उम्र-40 साल
- नैंसी सहाय, डीसी हजारीबाग, उम्र-35 साल
- कुलदीप चौधरी, डीसी पश्चिमी सिंहभूम, उम्र- 34 साल
- शशि रंजन, डीसी पलामू, उम्र- 35 साल
- माधवी मिश्रा-डीसी धनबाद, उम्र-37 साल
- अनन्य मित्तल-डीसी पूर्वी सिंहभूम, उम्र-34 साल
- जाधव विजया नारायण राव, डीसी बोकारो, उम्र- 45 साल
- नमन प्रियेश लकड़ा, डीसी गिरिडीह, उम्र-36 साल
- बाघमारे प्रसाद कृष्णा- डीसी लोहरदगा, उम्र-36 साल
- घोलप रमेश गोरख- डीसी चतरा, उम्र- 34 साल
- करण सत्यार्थी, डीसी गुमला, उम्र, 33 साल
- मेधा भारद्वाज, डीसी कोडरमा-उम्र- 38
- गरिमा सिंह- डीसी लातेहार, उम्र-37 साल
- चंदन कुमार, डीसी रामगढ़, उम्र- 34
- विशाल सागर, डीसी देवघर, उम्र-40 साल
- हेमंत सती, डीसी साहेबगंज, उम्र-34 साल

किस जिले के डीडीसी और एसडीओ हैं युवा

- उत्कर्ष कुमार, एसडीओ रांची सदर, उम्र- 29 साल
- आशीष गंगवार, एसडीओ, रामगढ़, उम्र- 31 साल
- ओम प्रकाश गुप्ता, एसडीओ चास, उम्र- 33 साल
- सन्नी राज, एसडीओ सिमरिया, उम्र- 32 साल
- अनिमेश रंजन, एसडीओ चाईबासा, उम्र- 33 साल
- रीना हांसदक, एसडीओ चक्रधरपुर, उम्र 33 साल
- पीयूष सिन्हा, एसडीओ हुसैनाबाद, उम्र-31 साल
- अनिकेत संचन, एसडीओ, खूंटी, उम्र- 27 साल
- आशीष अग्रवाल, एसडीओ मधुपुर, उम्र- 32 साल
- संदीप मीणा, डीडीसी चाईबासा, उम्र- 32 साल
- दिलीप शेखावत, डीडीसी, लोहरदगा, उम्र- 32 साल
- दिनेश यादव डीडीसी रांची, उम्र- 32 साल
- रवि आनंद डीडीसी पलामू, उम्र- 33 साल
- रितू राज, डीडीसी कोडरमा, उम्र-33 साल
- अभिजीत सिन्हा, डीडीसी दुमका, उम्र- 31 साल
- मनीष कुमार, डीडीसी पूर्वी सिंहभूम, उम्र- 31 साल
- प्रेरणा दीक्षित, डीडीसी, हजारीबाग, उम्र- 33 साल

ब्रीफ खबरें

गढ़वा में झारखंड कुर्मी महासभा की बैठक संपन्न

गढ़वा। शहर के दीपुवा मुहल्ला पटेल नगर स्थित जेपीएस सेंट्रल पब्लिक स्कूल में रविवार को झारखंड कुर्मी महासभा के गढ़वा जिलाध्यक्ष डॉ ज्वाला प्रसाद के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई. इसके पश्चात जिले में कुर्मी समाज को एकजुट कर जोड़ने के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाने को लेकर चर्चा किया. जिला महासचिव गोरख नाथ चौधरी ने कहा कि आज हमारा समाज आर्थिकतथा राजनीतिक रूप से काफी कमजोर है. हम सब को आज के राजनीतिक हालत पर भी ध्यान देना जरूरी है.

आजसू नेताओं ने बाबा साहेब की जयंती पर किया नमन

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के तत्वावधान में स्थानीय अम्बेडकर छात्रावास में बाबा साहब अम्बेडकर की 133 वीं जयंती मनाई गई. सर्वप्रथम आजसू पार्टी द्वारा स्थापित बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई. इम्तेयाज अहमद नजमी ने कहा कि आज अगर अम्बेडकर की विचारधारा नहीं होती तो आम जनता का जितना मुहाल हो जाता. बबलू गुप्ता . लौकेश सिह कार्यकारी अध्यक्ष संतन मेहता, केन्द्रीय सदस्य तुलसी शुक्ला, समीर तिवारी, मिन्टु तिवारी, प्रशांत मिश्रा, जितेन्द्र उपाध्याय, बिशाल सिंह, अभिशेख राज, सन्नु कुमार आदि मौजूद थे.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बाल संसद का गठन

भवनाथपुर। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भवनाथपुर नगरी में प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में एक सभा आयोजित की गई. विद्यालय के विशाल वंदना कक्ष में प्रधानाचार्य शिव बालक प्रसाद सिंह द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. प्रधानाचार्य ने संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की चर्चा करते हुए संवैधानिक तरीके से बाल संसद का गठन की घोषणा की. इस बाल संसद में भैया-बहनों ने बड़े उत्साह के साथ वोटिंग के द्वारा लोकतांत्रिक विधि से मतदान कर पहले कक्षा से दो-दो प्रतिनिधि सदस्य को चुनाव किया पुनः वह प्रतिनिधि के द्वारा प्रधानमंत्री का चुनाव किया गया.

पंचमुखी हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को ले नगर भ्रमण किया

मेदिनीनगर। पंचमुखी हनुमान मंदिर बारालोटा वार्ड नंबर 6 से नगर भ्रमण मंदिर परिसर से निकलकर देवी मंडप,बाबा नागेशवर शिव मंदिर, बुढ़वा शिव मंदिर, पांकी रोड, बाबा हरिहर नाथ शिव मंदिर पांकी रोड, नीलाम्बर पिताम्बर के निकट शिव मंदिर ,राम जानकी मंदिर एवं हनुमान मंदिर परती पर सेमरहट शिव मंदिर, काली मंदिर रेड़मा चौक, प्राचीन शिव मंदिर रेड़मा चौक, पांकी रोड,राम जानकी मंदिर,जनकपुरी,पांकी रोड, तत्पश्चात पुनः वापसी पंचमुखी हनुमान मंदिर बारालोटा वार्ड नंबर 6 में चलकर वापसी हुई .

एससीएसटी कर्मचारी संघ ने किया कार्यक्रम आयोजित

मेदिनीनगर । भारत के संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया. बाइपास रोड रेड़मा स्थित अंबेडकर छात्रावास परिसर में संविधान निर्माता के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद विद्यार्थियों ने शोभायात्रा निकाली. रेड़मा चौक, शहीद चौक, छहमुहान होते हुए शोभायात्रा अंबेडकर पार्क पहुंचा. बाजेगाजे के साथ निकली शोभायात्रा का नेतृत्व छात्रावास अधीक्षक प्रोफेसर अजय राम, अनुराग सहित अन्य कर रहे थे. शोभायात्रा में शामिल विद्यार्थी बाबा साहब का जयघोष करते हुए चल रहे थे.

चापाकलों, जलमीनारों एवं पेयजल के अन्य स्त्रोतों की व्यवस्था दुरुस्त करने का दिये निर्देश

मतदान केंद्रों पर एमएफ सुविधाएं सुनिश्चित करायें: डीसी

संवाददाता। गढ़वा

गर्मी मौसम के मद्देनज़र संभावित पेयजल संकट से निपटने एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत मतदान केंद्रों पर एमएफ सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर रविवार को समाहरणालय गढ़वा के कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी शेखर जमुआर ने समीक्षात्मक बैठक की. बैठक में सर्वप्रथम पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता, सोशल मोबलाइजर तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को जिले के सभी प्रखंडों में गर्मी के मौसम को देखते हुए चापाकलों, जलमीनारों एवं पेयजल के अन्य स्त्रोतों की समुचित व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर निर्देशित किया गया. साथ ही लोकसभा आम चुनाव के तहत जिले में बनाए गए मतदान केन्द्रों पर एएमएफ की सुविधा को लेकर भी समीक्षा की गई. इस दौरान उपस्थित सभी अभियंताओं ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर एएमएफ के तहत बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था कर दी गई है. कुछ मतदान केंद्रों पर रनिंग वाटर में समस्याएं आ रही है, जिन्हें ससमय पूर्ण कर लिया जाएगा. डीसी ने प्राथमिकता के आधार पर ऐसे क्षेत्रों में पानी टैंकर समेत अन्य वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया.

डीसी ने कहा कि वैसे क्षेत्र जहां पर जलस्तर नीचे चला गया है, उन क्षेत्रों में भी पानी टैंकर से व्यवस्था करने का निर्देश दिया. विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के हेसातु में विद्युत आपूर्ति बहाल करने को लेकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. साथ ही बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में रह रहे लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराने को लेकर कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया गया. मौके पर डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, विशेष कार्य पदाधिकारी संजय प्रसाद, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमण्डल, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सोशल मोबलाइजर आदि उपस्थित थे.

खास बातें

- कई मतदान केंद्रों पर रनिंग वाटर में समस्या है,ठीक करें
- बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था का दिया निर्देश

अंबेडकर जयंती पर बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष झामुमो ने दिया धरना

संविधान को समाप्त करने पर तूली है भाजपा : झामुमो

संवाददाता। गढ़वा

रविवार को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा जिला कमिटी गढ़वा के तत्वावधान भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के मौके पर सहिजना मोड़ पर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया. मौके पर वक्ताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है. संविधान के रचयिता की देश में आज प्रतिमा भी सुरक्षित नहीं है. कई राज्यों में इनकी प्रतिमा को खंडित किया गया है.

वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब ही लोकतंत्र में आम आवाम को संविधान के द्वारा अधिकार दिलाये थे. उसको आज नष्ट करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है. लोकतंत्र में पांच साल के बाद जनादेश प्राप्त करने का प्रावधान है, उसे भी भाजपा द्वारा समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है. भाजपा सत्ता के लिए विपक्षी पार्टियों को बगैर कसूर जेल में डाल रही है. सत्ता पाने के लिए ईडी, सीबीआई आदि का इस्तेमाल कर उन्हें अपने हाथों की कठपुतली बनाकर लोकतंत्र की हत्या कर रही है. जनता सब देख और समझ रही है. लोकसभा के चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाने का मन बना चुकी है. मौके पर मुख्य रू से जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, ताहिर अंसारी, अहमद अली, रेखा चौबे, रीता देवी, पूनम देवी, सपना देवी, किरण देवी, सोनी देवी शंभू चन्द्रवंशी, दीपमाला देवी, अशर्फी राम, सफीक अंसारी, चंदन पासवान, मुखराम भारती, संजय सिंह छोटू, सुरेन्द्र यादव, संजय मिश्रा, श्यामनारायण उपाध्याय, फुजैल अहमद, सोनी देवी, अमित सिंह, रंथा नायक, अहमद अली, सलीम जाफर, इद्रीश अंसारी, अनिल भारती सहित काफी संख्य में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- केंद्र सरकार के पर झामुमो ने जमकर किया प्रहार
- झारखंड में भाजपा को इस चुनाव में जनता देगी जबाव

पलामू में झामुमो ने संविधान बचाने के लिए दिया धरना

मेदिनीनगर। झामुमो केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार छः मुहान चौक पर झामुमो पलामू जिला समिति द्वारा संविधान बचाओ देश बचाओ के तहत एक दिवसीय धरना दिया गया . जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा व संचालन सचिव सन्नू सिद्दीकी ने किया गया . शुरु बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया . श्री सिन्हा ने कहा कि धरना का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के द्वारा जो संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है उसे रोकना है . कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के सदस्य संजीव तिवारी,सुनील तिवारी, कमाल खान, रंजन चंद्रवंशी, राकेश सिन्हा, असफ़र रब्बानी,बालकिसुन उरांव, वरिष्ठ नेता- शाहनवाज बबलू, मुन्नवर जमां, अविनाश देव, प्रदीप सिंह, इकबाल एहमद आदि थे .

कई स्थानों में मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती

लातेहार/बालूमाथ। लातेहार के अंबेडकर चौक में डा भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी. इस मौके पर नवयुवक संघ के द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. मौके पर अध्यक्ष शंकर राम के अलावा पिंटू राम, नरेंद्र राम, अजय राम, उदित राम, गोविंद राम, गिरधारी राम, शंकर राम, नंदू, दीपक, सुनील, अजय राम व रामचंद्र राम आदि मौजूद थे. बालुमाथ प्रखंड क्षेत्र के कई जगहों में रविवार को संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव की 133 वां जन्म जयंती मनायी गयी. हरिजन टोला में बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाया गया. उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर केक काटा गया. सुरेश राम ने कहा कि आज हम सभी को बाबा साहेब के बताए हुए रास्ते में चलने की आवश्यकता है.

बरवाडीह में मनायी गयी डॉ अबेडकर की जयंती

बरवाडीह (लातेहार)। रविवार को बरवाडीह प्रखंड में धूमधाम से विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक के द्वारा बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की जंयती समारोह मनायी गई. प्रखंड मुख्यालय के बाबा साहब की प्रतिमा स्थल पर अंबेडकर विचार मंच के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह व जिप सदस्य संतोषी शेखर समेत अन्य अतिथियों ने शिरकत किया. बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह, विजय बहादुर सिंह, मनोज जयसवाल समेत अन्य अतिथियों के द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया. मौके पर मंच के रविंद्र राम, अवधेश मेहरा, श्री राम, दीपक राम, रवींद्र पासवान, सुमन कुमारी, अजय दास समेत अन्य के द्वारा अतिथियों क़ो सम्मानित किया गया.

देसी कट्टा व गोली के साथ चार अपराधी गिरफ्तार, गये जेल

संवाददाता। गुमला

गुमला में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे चार हथियार बंद अपराधियों को गुमला पुलिस ने शनिवार की रात पटेल चौक के समीप से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने तीन देशी कट्टा और अलग-अलग प्रकार के नौ जिंदा गोली बरामद किया है. जिन अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है उनमें घाघरा थाना क्षेत्र के चपका निवासी मुन्ना साहु 25 वर्ष, सूरज कुमार सिंह 20 वर्ष, शुभम कुमार 25 वर्ष और बड़काडीह निवासी बबलू साहू 25 वर्ष के नाम शामिल है. एसपी शंभु कुमार सिंह के अनुसार शनिवार की देर रात पटेल चौक में चार संदिग्ध लोगों की बैठने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली. एसपी के निर्देश पर गुमला थाना प्रभारी सुरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी की गई और तलाशी ली गई. तलाशा के दौरान उनके पास से देशी कट्टा और पिस्टल बरामद किया. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार चार में से तीन का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. आर्म्स एक्ट, लूट-पाट, चोरी एवं अन्य अपराधों में जेल जा चुके हैं. चारों मिलकर शहर में किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे.

बालूमाथ रामनवमी पूजा समिति का हुआ गठन

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ के भामा शाह नगर स्थित देवी मंडप परिसर में बैठक की गयी. बैठक में रामनवमी पूजा के मंडल अध्यक्ष दिवंगत राजेंद्र प्रसाद साहू की स्मृति में इस वर्ष रामनवमी पूजा विधि विधान के साथ बिना जुलूस के सादगी से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में सर्वसम्मति से रामनवमी पूजा का कार्यकारी मंडल अध्यक्ष रंजीत गुप्ता को चुना गया एवं पूर्व कमेटी यथावत रखने का निर्णय लिया. पूजा कमेटी के संरक्षक प्रेम प्रसाद गुप्ता एवं अरुण साव,मनोहर गुप्ता,तपेश्वर साव,प्रदीप साव,रौशन कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि स्वर्गीय राजेंद्र साहू का इस दुनिया में नहीं रहना बालूमाथ के पूरे सनातनियों के लिए अपार क्षति है. इस मौके पर कुलेश्वर साहू, अर्जुन गुप्ता, हरि साव, सुकुल साव, अमित कुमार गुप्ता, गोलू कुमार, जितेंद्र प्रजापति, दिवाकर साव, सनोज कुमार,पिंटू कुमार, जितेंद्र रजक सहित कई राम भक्त मौजूद थे.

श्री महावीर नवयुवक दल ने पंचमी का गोल निकाला

संवाददाता। मेदिनीनगर

श्री महावीर नवयुवक दल (जेनरल) अध्यक्ष पंकज जयसवाल के नेतृत्व में पंचमी का गोल निकला गया . जिसमे काफी संख्या में रामभक्त एवं झंडाप्रेमी शामिल हुए . पंचमी का गोल शिवाला घाट से शुरू होकर जोरावर राम गली से होते हुए तेली पट्टी फिर लाल कोठा से कन्नी राम चौक उसके बाद सतार शेठ चौक से विष्णु मंदिर होते हुए महावीर मंदिर पंहुचा जहां आरती करने के बाद वापस शिवाला घाट जाकर गोल समाप्त हुआ .

इस दौरान गोल कई मुख्य चौराहो पर जमाया गया जहाँ लोगो ने लाठी डंडा गदका खेला . गोल जब मुस्लिम मोहल्ला पंहुचा तो वहा मुहर्रम इंतजामिया कमिटी के लोगो द्वारा गोल की कमान लेते हुए गोल को वहां से अच्छे से पार कराया गया . इस दौरान दोनों कमिटी के लोगो के बीच लाठी - डंडा खेल कर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया मौके पर श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल के पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर , प्रभात उदयपुरी ,अरविन्द अग्रवाल, श्यामजी चौधरी , पप्पू लाठ , उत्तम सिंह , अमृत अग्रवाल, धीरज कुमार, राजू कुमार अंकित प्रताप देव आदि हजारो राम भक्त गोल में उपस्थित थे .

आस्था

रामनवमी पर झंडा, बैनर, एलईडी लाइट से जगमग होगा गढ़वा, तैयारी युद्धस्तर पर जारी

श्री महावीर मंडल भव्य तरीके से मनायेगा रामनवमी पूजा : राकेश

संवाददाता। गढ़वा

श्री महावीर मंडल गढ़वा रामनवमी पूजा काफी आकर्षक एवं भव्य तरीके से मनायेगा. पूरे शहर को झंडा, बैनर, एलइडी लाईट, एलइडी तोरण द्वार से सजाया जाएगा. साथ ही मझिआंव मोड़ झंडा चौक पर समारोह आयोजित कर रामनवमी पूजा में भाग लेने वाले सभी रथ, अखाड़ा एवं कलाकारां आदि को सम्मानित किया जाएगा. रविवार को शहर के होटल एसएनसी में आयोजित इस बैठक में यह निर्णय लिया गया.

मौके पर बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री महावीर मंडल के संरक्षक राकेश पाल ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री महावीर मंडल भव्य तरीके से रामनवमी पूजा मनायेगा. रामनवमी पूजा आयोजन को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए महावीर मंडल के सभी पदाधिकारी व सदस्य दिन रात मेहनत कर रहे हैं. अध्यक्ष कंचन साहू ने कहा कि वर्ष 2018 में श्री महावीर मंडल का गठन किया गया था. वर्तमान में 70 संरक्षक व 52 सदस्य हैं. अध्यक्ष ने कहा कि मंगला जुलूस में पांच हजार से अधिक महिलाएं शामिल होंगी. इस वर्ष राजस्थान से कलाकारों को बुलाया गया है. वे एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे. यह बहुत की खुशी की बात है. अध्यक्ष ने कहा कि श्री महावीर मंडल द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा. उक्त मंदिर में बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी. मौके पर मुख्य रूप से संरक्षक राजू चौबे, दीपक तिवारी, जगजीवन बघेल, सुनील केशरी, उपेंद्र कुमार, विमल शर्मा, अरविंद केशरी, जय प्रकाश पटवा, नंद कुमार गुप्ता, पुनमचंद्र कांस्यकार, अंशु कांस्यकार, विश्वजीत सोनी, संतोष कश्यप, अनिल सोनी, राहुल साहू, रवि केशरी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे.

रामनवमी पूजा

- सभी अखाड़ा व रथ को करेगा सम्मानित
- राजस्थान के कलाकार करेंगे कार्यक्रम की प्रस्तुति

श्रीरामनवमी पूजा महासमिति ने चलाया जनसंपर्क अभियान

लातेहार। श्रीरामनवमी पूजा समिति ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है . रविवार को महासमिति के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने समिति के अन्य पदधारियों व सदस्यों के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न अखाड़ों में जनसंपर्क चलाया . इस दौरान उन्होंने रामनवमी तिथि को अपराह्न तीन बजे से निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में भाग लेने न्यौता दिया . शुभम संदेश से बातचीत करते हुए अध्यक्ष कुमार ने बताया कि रामनवमी पूजा के मौके पर अष्टमी तिथि को संध्या छह बजे से मुख्य अखाड़ा से समाहरणालय गेट तक जुलूस निकाली जायेगी . जबकि नवमी तिथि को अपराह्न तीन बजे से मुख्य अखाड़ा से प्रखंड कार्यालय परिसर तक नवमी जुलूस निकाली जायेगी . इसके बाद रात्रि आठ बजे से बाजारटांड़ मैदान में मुख्य समारोह आयोजित किया जायेगा . यहां पुरस्कार वितरण एवं रावन दहन कार्यक्रम किया जायेगा .

न्यूज अपडेट

डीवीसी में मनायी गयी अंबेडकर की जयंती

लातेहार । शहर के जुबली रोड में अवस्थित डीवीसी के तुबेद कोल माइन कार्यालय में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम का शुभारंभ डीवीसी के ईडी (माइनिंग) जगेश कुमार मांडिय, जीएम (माइनिंग) अरबिंद कुमार ठाकुर और प्रबंधक शैलेंद्र कुमार ने बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवलित कर किया. मौके पर ईडी जगेश मांडिय ने वहां उपस्थित लोगों को बाबा साहब के बताये मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित किया. मंच का संचालन निदेशक (मानव संसाधन) रवि प्रकाश तिवारी ने किया. मौके पर डीवीसी के अमित चक्रपाणि व बिटोपन मौजूद थे.

बहुजन चेतना मंच ने मनायी अंबेडकर जयंती

चंदवा,लातेहार। स्थानीय कृषि फार्म परिसर में बहुजन चेतना मंच के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती शिक्षक बिगन राम की अध्यक्षता में मनायी गयी. संचालन शिक्षक सतेन्द्र राम ने किया. कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण व केक काट किया गया. बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अंचलाधिकारी लाल गंगाथर भगत ने कहा कि देश के सभी नागरिक को उनके विचार और सिद्धांत को मानना चाहिए.मौके पर असर खान, सत्येन्द्र यादव, श्रीराम शर्मा, संजय यादव, पूर्व मुखिया पुष्पा देवी व विकास कुमार भगत, रूपेश उरांव, बीरेन्द्र राम, सरिता बेक व हरिकुमार भगत समेत कई लोग मौजूद थे.

बाबा साहेब के योगदान को देश भूल नहीं सकता : पंकज

लातेहार। भाजपा जिला कार्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी. इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के तस्वीर पर माल्यापर्ण और पुष्पाजंलि अर्पित कर श्रद्धासुमन व्यक्त किया. मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि देश बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के योगदानों को कभी नहीं भूल सकता है. अंबेडकर जयंती समारोह में उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, विधानसभा प्रभारी रामदेव सिंह, कल्याणी पांडेय, महामंत्री बंसी यादव, सीतामणी तिर्की, महताब आलम, विष्णु गुप्ता, आनंद सिंह, पिंटू रजक, मनोज प्रसाद, नागमणि, सुरेंद्र राम आदि थे.

रामनवमी पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

गारू (लातेहार)। बारेसांढ़ थाना परिसर में थान प्रभारी अजीत कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. इस बैठक में रामनवमी के दौरान निकलने वाले जुलूस व शोभा यात्रा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गयी. अजीत कुमार ने कहा कि शौर्य प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के साथ पेयजल, सफाई और प्रकाश व्यवस्था करना आवश्यक है. उन्होंने जुलूस व शोभा यात्रा में किसी भी प्रकार का भड़काऊ व विवादित गीत ना बजाने और सोशल मीडिया पर भ्रामक व आपित्तजनक पोस्ट ना करने की हिदायत दी है. ऐसा करने पर संबंधित अखाड़ा व समिति पर कार्रवाई की भी बात कही है.

बीडीओ ने रिलोकेटेड मतदान केंद्रों को लेकर की बैठक

बरवाडीह (लातेहार)। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ रेशमा रेखा मिंज ने आज शनिवार को राजनितिक दलों के साथ बैठक की. इस दौरान रिलोकेटेड मतदान केंद्रों को लेकर चर्चा की गयी. बीडीओ ने बताया कि सुरक्षा कारणों की वजह से मतदान केंद्रों का रिलोकेशन किया गया है. उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से जागरुकता अभियान में भी नियम संगत सहयोग करने अपील की है, ताकि अधिक से अधिक मतदान हो.रेशमा मिंज ने बताया कि अब तक प्रखंड के कुल नौ मतदान केंद्रों को रिलोकेट किया गया है.

विहिप-बजरंग दल ने सेवा बस्ती में मनाया अंबेडकर जयंती

मेदिनीनगर। विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता आयाम के नेतृत्व में बाबा साहेब की जयंती पर सेवा बस्ती में कार्यक्रम का आयोजन किया. इससे पूर्व विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल कार्यकर्ता स्थानीय अंबेडकर पार्क पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. . समारोह में जिला समरसता प्रमुख पप्पू लाठ, जिला समरसता सह प्रमुख रवि तिवारी, जिला सह मंत्री अमित तिवारी, जिला सेवा प्रमुख गोपाल तिवारी, जिला बजरंग दल बलो पासना प्रमुख विकास कश्यप, ज़िला विहिप गौरक्षा प्रमुख भोला अग्रवाल, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश वर्मा, प्रिंस कुमार, सेवाबस्ती निवासी करण कुमार, छोटू, संजय, पुष्पा देवी, गुड्डू, रेशमा देवी, पूजा देवी, सोनी देवी, मान मति देवी, शांति देवी, बेबी देवी, रवि राम, कृष्ण राम, सुनील राम, कपिल राम, तन्नू देवी, रिंकू राम आदि उपस्थित थे.

कलशयात्रा के साथ महावीर मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा शुरू

गुमला । गुमला के टैंसेरा गांव में महावीर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान रविवार को श्रद्धा भक्ति आस्था और उल्लास के साथ आरंभ हो गया. आचार्य संजय पाठक, विवेक कुमार पाठक और रामानुज पांडेय के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यजमान राजेश साहु पत्नी अनीता देवी और एतो गोप पत्नी तारा देवी ने तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठान का संकल्प कराया. लोसय नदी में गंगा पूजन के बाद कलश में जल ग्रहण किया गया और नदी से मंदिर तक कलश यात्रा निकाली गई. युवाओं का दल भगवा ध्वज लहरा रहे थे. जय श्री राम, जय हनुमान के नारे लगा रहे थे. शंख घंट, ढोल-नगाड़ा और भजन से वातावरण भक्तिमय हो चला था. संरक्षक रविन्द्र गोप ने कहा कि इस गांव में हिंदू सनातन धर्मावलंबियों की बहुलता है. मंदिर निर्माण के लिए ग्रामीणों का सामूहिक सपना था जो पूरा हुआ है. टैंसेरा सहित आस पास के गांवों के लोगों का सहयोग मिल रहा है.

लातेहार में अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

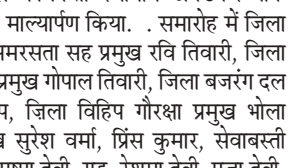

लातेहार । जिला मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्रों में रविवार को चैत्र छठ महापर्व के दौरान अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया. शहर के चटनाही स्थित औरंगा नदी मुख्य छठ घाट में काफी संख्या में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घिय दे कर अपने घर व परिवार की सुख शांति की कामना की. सूर्यनारायण पूजा समिति, चाणक्यनगरी ने छठ व्रतियों के लिए कई प्रकार की सुविधाये उपलब्ध करायी है. रेलवे स्टेशन रोड से छठ घाट तक प्रकाश व ध्वनि की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा छठ घाट पर अस्थायी स्नानागार बनाये गये हैं. अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि समिति के द्वारा हर वर्ष छठ व्रतियों को सुविधायें देने का प्रयास किया जाता है. इसके अलावा गिजनियाटांड़ व रेलवे स्टेशन के छठ घाटों में भी छठ पूजा के मौके पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया. सोमवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय आस्था का महापर्व चैत्र छठ संपन्न हो जायेगा. छठ पूजा के मौके पर शहर के हर गली चौराहों में छठ पूजा के गीत बज रहे हैं.

रामनवमी पर असमाजिक तत्वों पर रहेगी नजर

गारू(लातेहार)। रामनवमी पर्व को लेकर रविववार को गारू थाना परिसर में शांति-समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में कहा गया कि रामनवमी में सामाजिक सोहार्द बिगाड़ने वाले समाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जायेगी. रामनवमी को लेकर पुलिस पुरी तरह से अलर्ट है. थाना प्रभारी सोनू कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी नजर रहेगी. उन्होने सभी समितियों ने अपना जुलूस रुट का परमिट ले लेने की अपील की. जुलूस के दौरान डीजे बजाने को लेकर आवश्यक निर्देश जारी किया गया.

चैत्र नवरात्र के छठे दिन मंदिरों में उमड़ी भीड़, भक्तों ने मां कात्यायिनी की पूजा अर्चना की

बेलवरण के साथ शुरू हुआ बासंती दुर्गोत्सव, तैयारी पूरी

संवाददाता। चांडिल

चैत्र नवरात्रि के छठे दिन महाषष्ठी पर बेलवरण आमंत्रण अधिवास के साथ बासंती दुर्गोत्सव शुरू हो गया .रविवार की संध्या बेला में ढाक ,शंख और उलूक ध्वनी के बीच बेल वृक्ष के नीचे देवी का आमंत्रण अधिवास किया गया. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में चैत्र नवरात्र पर बासंती दुर्गा पूजा का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया जाता है. इस अवसर पर ईचागढ़, सोडो, तिल्ला, आदरडीह, डोबो, खूंटी समेत कई स्थानों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गयी है.वहीं

बासंती पूजा के आयोजन को लेकर पूजा समितियों ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की है. मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया-संवारा गया है. क्षेत्र में चारों ओर पूजा को लेकर उल्लास का माहौल है.

सप्तमी पर खुलेंगे मंदिरों के पट

सोमवार को महासप्तमी पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों के पट खोल दिए जाएंगे. महसप्तमी के दिन पूजा समितियों की ओर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी. महसप्तमी के दिन नवपत्रिका स्नान प्रवेश अनुष्ठान और बोधन पूजा के बाद महासप्तमी विहित पूजा होगी. मंदिरों में महासप्तमी से महानवमी तक देवी की पूजा-अर्चना की जाएगी. इसके साथ ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा. श्रीश्री बासंती पूजा समिति खूंटी की ओर से चैत्र नवरात्रि पर आयोजित बासंती पूजा के महानवमी के दिन रक्तदान शिवर सह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर लोगों का निःशल्क स्वास्थ्य जांच किया जाएगा. वहीं रक्तदान कर लोगों का सहयोग करने का प्रयास किया जाएगा. इसकी जानकारी समिति के अमिया प्रसाद सिंह ने दी. बसंती पूजा के दौरान, देवी दुर्गा की सुंदर रूप से सजाई गई है. लोग व्रत रखते हैं, प्रार्थना करते हैं और देवी को प्रसाद चढ़ाते हैं और जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं.

नोवामुंडी कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का अयोजन

चाईबासा। नोवामुंडी कॉलेज के आईक्यूएसी सेल एवं टुकेन रिसर्च एंड डेवलपमेंट बेंगलुरु, कर्नाटक के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का कॉलेज परिसर में स्थित सेमिनार हॉल में रविवार को आयोजित हुई. सेमिनार का विषय अनुसंधान पद्धति के विभिन्न दृष्टिकोणो की पहचान और विश्लेषण के प्रभाव पर आधारित था. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ राजेंद्र भारती के द्वारा संविधान के जनक बाबा भीमराव अंबेडकर के 133वीं जयंती के पावन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर किया. इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोजित विश्वास ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए सभी अतिथियों और वक्ताओं के प्रति आभार प्रकट कर अतिथियों का सम्मान बुके देकर और शॉल ओढ़ाकर कर किया.

न्यूज अपडेट

बंगभाषियों के नए साल का स्वागत किया

घाटशिला। घाटशिला के दाहीगोड़ा स्थित गौरीकुंज के मंच पर बांग्ला के नए साल के आगमन तथा पुराने साल के विदायी के मौके पर रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया. इसके पश्चात समिति के दिवंगत सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया. इस मौके पर गौरीकुंज में बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया. इससे पूर्व डॉ भवानी चक्रवर्ती की दीवार पत्रिका दुंदुभि का लोकार्पण हुआ. जिसमें कोलकाता, भागलपुर, धनबाद समेत घाटशिला के लोगों ने अपनी रचनाएं दी हैं.

सतुआन पर लोगों ने सत्तू व कच्चा आम का किया सेवन

किरीबुरु । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में रहने वाले उत्तर भारत के लोगों ने मेष संक्रांति के दिन सतुआन पर्व हर्षोउल्लास के साथ मनाया. लोगों ने रविवार को भगवान को भोग के रूप में सत्तू एवं कच्चा आम अर्पित कर प्रसाद के रुप में दोनों का सेवन किया. यह पर्व गर्मी के मौसम का स्वागत करता है. इस पर्व में प्रसाद के रूप में सत्तू खाया जाता है, इसलिए इसका नाम सतुआन है. गर्मी के मौसम में सत्तू और कच्चा आम हमारे शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है. सत्तू पेट को भरा-पूरा रखता है और लू से बचाता है. इसी वजह से लोग सतुआन पर्व मनाते हैं.

रामनवमी जुलूस में बाहरी लोगों का प्रवेश निषेध : सीओ

नोवामुंडी। हाटगम्हारिया प्रखण्ड सभागार में अंचल अधिकारी नवीन कुमार झा की अध्यक्षता में रामनवमी को लेकर विशेष शांति समिति की बैठक हुई. गौरतलब है कि विशेष शांति समिति की बैठक हो समुदाय के द्वारा एक आवेदन दिया गया था कि रामनवमी के दिन शस्त्र पूजन व करतब दिखाने के बहाने हिन्दु समुदाय द्वारा हो समुदाय के घरों, जायरा व अन्य धर्मस्थलों में रामनवमी का झंडा गाड़ दिया जाता है. बैठक में दोनों समुदाय के लोगों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने पर सहमत हुएबैठक में ज्योतीन बिरुवा, राजेश सिंकु, गोपाल हेम्ब्रम, कृष्णा गागराई आदि उपस्थित थे.

अरवाईन एडवेटीस्ट स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर लगा

घाटशिला। अरवाईन एडवेंटीस्ट स्कूल गोपालपुर, घाटशिला के प्रागंण में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन करते हुए अरवाईन एडवेटीस्ट एडुकेशनल एड वेलफेयर ट्रस्ट के निर्देशक सामुएल जोगेन्द्र हेम्ब्रम ने कहा कि आज-कल लोगों की जीवन शैली एवं खानपान की वजह से कई सारी बीमारियां गम्भीर हो रही है.शिविर में लोगों का ब्लड प्रेशर. ब्लड शुगर, शिविर में कुल 50 लोगों ने अपना जांच कराया. शिविर में स्प्रिंग ऑफ लाइफ ट्रस्ट के कोरसेन किस्कू, धनंजय नाग, कांती देवी, जोसेफ किस्कू, सहित अवाईन एडेवेटिस्ट स्कूल के प्राचार्य जार्ज रंजित हेम्ब्रम सचिव दीना मेरी हेम्ब्रम, प्रशासक सुरेश सिंह चौहान आदि उपस्थित थे.

श्रद्धालुओं ने दी अस्पतालगामी सूर्य को अर्घ्य

घाटशिला। गोपालपुर सूर्य मंदिर परिसर स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट एवं मऊभंडार नदी घाट पर रविवार को लोक आस्था का महापर्व चैती छठ व्रत पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने अस्पतालगामी सूर्य अर्घ्य देकर सुख शांति की कामना की.चैती छठ करने वालों की संख्या कम थी पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं की घाट पर पहुंचे थे. छठ पर्व को लेकर छठ समिति द्वारा घाटों की सफाई पिछले दो दिनों से की जा रही थी. सोमवार को उदयिमान सूर्य अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया जाएगा.

विद्यालय में पानी नहीं, बच्चों को हो रही परेशानी

मझगांव। मझगांव प्रखंड के अधिकारी पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बेजोसाई में पानी नहीं मिलने के कारण विद्यालय में पढ़ने वाले 95 छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. विद्यालय के कुछ दूरी पर स्थित 14 वित्त योजना से सोलर आधारित जल मीनार का निर्माण कराया गया था. लेकिन बीते कई महीनों से सोलर आधारित चारमीनार खराब पड़ा हुआ है. बस्ती में एकमात्र चापानल होने के कारण बस्ती वासी बच्चों को पानी नहीं लेने देते हैं. जिसके कारण बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. विद्यालय प्रबंधन समिति कई बार विभाग में पानी की समस्या से अवगत करा चुके हैं .

बांग्ला नव वर्ष पर चना, गुड़ का वितरण किया गया

घाटशिला। शिक्षक मित्र मंडली दहीगोडा ने बांग्ला नव वर्ष पर राहगीरों के लिए चना, गुड़ और शीतल पेयजल का वितरण दाहीगोड़ा में रविवार को किया. इस मौके पर क्षेत्र में बढ़ रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए प्याऊ का शुभारंभ किया. प्याऊ का उद्घाटन रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी नटराजन महाराज एवं स्वामी अरूपानंद महाराज से फीता काटकर किया. शिक्षक मित्र मंडली दाहीगोड़ा के संयोजक सह संरक्षक अरुण कुमार चंद ने बताया कि हर साल के भांति इस साल भी चिलचिलाती धूप में राहगीरों के लिए चना, गुड़ सहित शीतल पानी पिलाने का सेवा पूरे वैशाख महीने तक चलेगी. उन्होंने कहा क्षेत्र मे प्रचंड गर्मी पड़ रही है, तापमान काफी अधिक हो रहा है. मऊभंडार से लेकर घाटशिला तक कही भी सड़क किनारे पानी की कोई व्यवस्था नही है, इसी को देखते हुए शिक्षक मित्र मंडली मे प्याऊ लगवाया है.

काशीदा में शुरू हुआ 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन

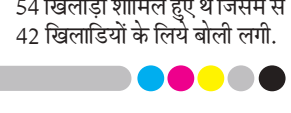

घाटशिला। काशीदा अशोक कुंज सार्वजनिन युगल नाम संकीर्तन समिति की ओर से रविवार को 24 प्रहर अंखड हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ किया गया. यह संकीर्तन काशीदा में पिछले 49 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही है. संकीर्तन बुधवार को दधी महोत्सव के साथ समाप्त होगा. तीन दिन तक लगातार रात्री के समय हजारों भक्तों के बिच महाप्रसाद का वितरण होगा. इस बार संकिर्तन के दौरान राधा कृष्ण समेत अन्य देवी देवताओं की भव्य प्रतिमा बनाया गया है. इसमें छः सम्प्रदाय के कीर्तन मंडली शामिल है जो दिन रात हरिनाम संकीर्तन करेगी.

ब्रीफ खबरें

श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ के लिए निकली कलश यात्रा

चांडिल। नीमडीह प्रखंड के पुरियारा गांव में भाग्य कलश यात्रा के साथ रविवार को सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ सह प्रवचन का शुभारंभ हुआ. महायज्ञ के लिए बड़ी संख्या में महिला व बालिकाओं ने कलश यात्रा निकाली. स्थानीय तालाब से कलश में जल उठाकर व्रतियों ने गांव का भ्रमण करते हुए श्रीश्री सार्वजनिक लक्ष्मी नारायण वरदायिनी मंदिर प्रांगण पहुंचे, जहां वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश स्थापना किया गया. लक्ष्मी नारायण वरदायिनी मंदिर प्रांगण में 21 अप्रैल तक प्रतिदिन संध्या में श्रीमद्भागवत कथा प्रवचन सुनाई जाएगी.

जिला प्रशासन ने वोटरों को किया जागरूक

चक्रधरपुर। प्रखंड के नकटी जलाशय के समीप स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन की ओर से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया.इस मौके पर मुख्य रूप से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा,पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना , हांसदा, स्वीप नोडल पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल, जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की उपस्थित हुए. जहां ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताया गया.

व्यापारियों पर हुई कार्रवाई की जांच हो : राजकुमार ओझा

चाईबासा। जेएनएसी के पदाधिकारी के द्वारा जमशेदपुर के बिष्टुपुर में व्यापारियों के साथ बर्बरता पूर्वक कार्रवाई की गई है. जिसका पश्चिमी सिंहभूम चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज घोर निंदा करता है. विगत दिनों हुई घटना की वीडियो को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि यह लोग पहले से ही मन बनाकर इस घटना को अंजाम देने आए थे. यदि बात अतिक्रमण की थी, तो उसके लिए लीगल प्रोसीजर होता है. उस प्रोसीजर का पदाधिकारी के द्वारा पालन करना पड़ता है, लेकिन लगता है कि यह बर्बरता पूर्वक कार्रवाई की गई है.

नदी में महिला का शव मिला टोंटो थाना पुलिस जांच में जुटी

किरीबुरु । टोंटो थाना अन्तर्गत घोर नक्सल प्रभावित अगरवां गांव के समीप नदी में एक महिला का शव मिला है. ग्रामीण सूत्रों के अनुसार उक्त महिला का शव पिछले एक सप्ताह से नदी में पड़ा है. शव सड़ गया है. यह महिला कौन है, महिला की मौत कैसे हुई है, इसकी जानकारी नहीं है. घटना की सूचना के बाद टोंटो थाना पुलिस व रोवाम स्थित सीआरपीएफ कैंप से जवान घटनास्थल पहुंच गए हैं.

डॉ. भीम राव रामजी अंबेडकर को पूर्व मंत्री जोबा माझी ने दी श्रद्धांजलि

बाबा साहेब ने छुआछूत मिटाया :जोबा

संवाददाता। चक्रधरपुर

संविधान रचियता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती रविवार को चक्रधरपुर में मनायी गई. इस अवसर पर विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया.चक्रधरपुर के रेलवे हाई स्कूल मैदान में स्थापित डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों के अलावे समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि दी.यहां झारखंड की पूर्व मंत्री सह मनोहरपुर विधायक जोबा माझी ने उपस्थित होकर डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर ने छुआछूत जातिवाद को मिटाने के लिये आंदोलन किया था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता.उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीम राव अंबेडकर हम सभी के प्रेरणास्त्रोत है. इस मौके पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड, झारखंड आंदोलनकारी सुखदेव हेम्ब्रम, अनुप सिंहदेव, बुधराम उरांव,पप्पु प्रसाद, निर्मल राम, चमरु जामुदा, भरत सिंह गागराई, गोविंद दास, जयद्रत दोंगो,जहांगिर हुसैन, जेम्स कच्छप, स्वरुप चक्रवर्ती, बुधदेव महतो,योगेन्द्र मुंडरी समेत अन्य लोगों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

शिक्षित होकर अंबेडकर के सपनों को साकार करें : सीजीएम

किरीबुरु। सेवा स्तम्भ एवं सेल किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में डा भीमराव अंबेडकर का 133 वां जयंती मनाया गया. इस दौरान मेघाहातुबुरु के सीजीएम आर पी सेलबम, किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय, महाप्रबंधक सुदीप दास, महाप्रबंधक योगेश प्रसाद राम, प्रवीण कुमार, आलोक वर्मा, मुखिया पार्वती किडो. आदि ने डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

मुख्य अतिथि सीजीएम आर पी सेलबम ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने हीं सभी वर्ग के लोगों को वोट देने का अधिकार दिलाया. सेल प्रबंधन भी सारंडा के बच्चों को शिक्षा का विकास व लोगों को उपर उठाने हेतु निरंतर कार्य कर रही है. सीजीएम कमलेश राय ने कहा कि दलित व अधिकार विहिन वर्ग के उत्थान हेतु डॉ अंबेडकर ने बेहतर कार्य किया. कमजोर वर्गों को उपर उठाने में बेहतर कार्य किये एवं संविधान में विशेष नीति बनाये. हमें देश व समाज को आगे बढाने हेतु जात-पात, भेदभाव को खत्म करना होगा. महाप्रबंधक योगेश प्रसाद राम ने कहा कि आजादी के पहले एवं आज का भारत में काफी बदलाव हुआ है.

कांग्रेसियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

घाटशिला। संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर रविवार को झारखंड कांग्रेस प्रदेश सचिव सनत कालटू चक्रवर्ती के नेतृत्व में मऊभंडार अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया . मौके पर श्री चक्रवर्ती ने कहा की बाबा साहेब का कहना था की कागज और कलम की ताकत दुनिया की हर ताकत से बड़ी है, एक रोटी कम खाओ बच्चों को जरूर पढ़ाओ . इस मौके पर घाटशिला कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सत्यजीत सीट, मंडल अध्यक्ष कन्हैया शर्मा, मोईनुद्दीन, शेख आजाद, उदय शर्मा, मुखिया कल्पना सोरेन, मुखिया पार्वती मुर्मु, निधि दास, सीता मुखी, गोपाल शर्मा आदि लोग शामिल थे .

झारखंड चेतना मंच ने बाबा साहेब को किया नमन

आदित्यपुर। आदित्यपुर स्थित रेलवे कॉलोनी शिव दुर्गा मंदिर परिसर में झारखंड चेतना मंच के द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती मनाई गई . मौके पर करीब 50 गरीब व मेधावी छात्रों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया . समारोह का संचालन समरेन्द्र नाथ तिवारी ने किया जबकि अध्यक्षता सुरेश धारी ने किया . मौके पर वक्ताओं ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके चरित्र को आत्मसात करने की अपील की मौके पर मंच के अध्यक्ष सुरेश धारी, लोजपा प्रदेश सचिव मनोज पासवान, कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अम्बुज कुमार, कांग्रेस नगर अध्यक्ष राहुल यादव, समरेंद्र नाथ तिवारी, आदि लोग शामिल थे .

कांग्रेसजनों ने अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आदित्यपुर। संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की 133वीं जयंती अंबेडकर चौक आदित्यपुर 2 में कॉग्रेस एवं प्रबुद्ध जनों द्वारा मनाई गई . कार्यक्रम में आचार संहिता का अनुपालन करते हुए सादगी पूर्वक मनाई गई . सर्वप्रथम उपस्थित जनों ने एक एक कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया . कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिवाकर झा, राजकमल ठाकुर, लाल बाबू सरदार, रिजवान खान, खिरोद सरदार,कमल नयन, वैद्य संजय कुमार, सपन प्रधान, बैजनती बारी, संगीता प्रधान, मिसर बनसारिया, झरना मन्ना, सविता साव, रामेश बलमुचू, अजित प्रधान, नटवर लाल करुवा, विमल कुमार मौजूद थे .

सीपीआई एम कार्यालय में मनायी गयी अंबेडकर जयंती

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा सीपीआई (एम) पार्टी कार्यालय में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की 133वीं जन्म जयंती मनाई गई .मौके पर सीपीआई (एम) पार्टी के झारखंड राज्य सदस्य स्वपन कुमार महतो, अंचल सचिव चितरंजन महतो, जिला सदस्य अभिजीत जाना तथा अन्य सदस्यों ने बाबा साहेब की फोटो चित्र पर मल्लार्पण तथा पुष्प अर्पित करके श्रद्धा सुमन अर्पित किये . वहीं स्वपन कुमार महतो ने बाबासाहेब की जीवनी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाले . इस मौके पर भानु मूण्डा, शंकर साहू,शक्ति बेहरा, अमित ओझा, सिद्धेश्वर माइति,चन्दन दास आदि उपस्थित थे .

जादूगोड़ा में मनाया गया बाबा साहब की जयंती

घाटशिला। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती रविवार को मुखी समाज विकास समिति के जिला उपाध्यक्ष एवं जिला बीस सूत्री सदस्य टिकी मुखी के द्वारा बाबा भीमराव अंबेडकर की फोटो पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया . इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए टिकी मुखी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने इस देश को संविधान के रूप पर एक सामाजिक संरचना दी है . मौके पर पवन सिंह, राजू मुखी, तेतूलडंगा कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष सुकलाल हेंब्रम, मुकेश समाज, विकास समिति के अध्यक्ष अजय मुखी, लोलिन मुखी, उमेश मुखी आदि और भी कोई लोग यहां और थे .

जमशेदपुर में सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान समारोह-2024

साहित्य भूषण से सम्मानित हुए हो साहित्यकार व कवि डोबरो बुड़ीउली

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान में हो भाषा व साहित्य को नयी गरिमा देनेवाले हो भाषा के साहित्यकार डोबरो बुड़ीउली (50) को साहित्य भूषण सम्मान से नवाजा गया है. यह सम्मान उनको 14 अप्रैल को जमशेदपुर स्थित तुलसी भवन में अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा आयोजित सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान समारोह-2024 में 'हो' साहित्य में विशेष योगदान के लिये दिया गया. इसके लिये उनको शॉल ओढ़ाकर मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया. तत्पश्चात उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े साहित्यिक संगठन अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा सम्मानित होना गर्व की बात है. हो भाषा व साहित्य के विकास व संवर्द्धन की दिशा में मेरा प्रयास जारी रहेगा.

850 कविताएं लिख चुके हैं डोबरो बुड़ीउली: सदर प्रखंड के बरकुंडिया निवासी डोबरो बुड़ीउली कोल्हान के सुप्रसिद्ध हो भाषा साहित्यकार हैं. साथ ही इसकी लिपि वारंग क्षिति के विद्वान व शिक्षक भी हैं. करीब 30 वर्षों से वे हो साहित्य के विकास में जुटे हैं. इस दौरान वे करीब 850 हो कविताएं गढ़ चुके हैं. जिनको वे जल्द ही कविता संग्रह का रूप देंगे. उनका साहित्यिक सफर 1992 में शुरू हुआ था.

घटिया निर्माण के साथ एजेंसी करवा रही है बाल मजदूरी

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी जल नल योजना

संवाददाता। मझगांव

मझगांव प्रखंड प्रधानमंत्री जल नल योजना में भ्रष्टाचार के चलते घटिया निर्माण हुआ है. जिससे पूरी योजना ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. इससे क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. ग्रामीणों ने इसकी शिकायत स्थानीय जन प्रतिनिधियों से की . ग्रामीणों ने बताया कि मझगांव प्रखंड के घोडाबंधा पंचायत के ग्राम हेपरबुरु प्रवि पूर्तिसाईं समीप प्रधानमंत्री हर घर जल नल योजना से पांच हजार लीटर का सोलर आधारित जल मीनार के लिए स्ट्रक्चर का निर्माण कार्यकारी एजेंसी साकेत सुमन करवा रहे है. ग्रामीणों ने बताया कि साकेत सुमन एजेंसी के सभी कार्य में भारी अनियमितता के साथ लापरवाही बरत रही है. क्योंकि सभी कार्य बिना अभियंता के देखरेख में कराया जा रहा है. एजेंसी ने पांच फीट गड्ढे की जगह मात्र ढाई फीट गड्ढा खोदा है. बिना पीएससी के ही आरसीसी ढलाई की जा रही है. पीलर में 12 एमएम सरिया के जगह आठ एमएम का सरिया लगाया जा रहा है.सीमेंट में भी घटतौली की जा रही है. इतना ही नहीं एजेंसी द्वारा क्षेत्र के स्कूली बच्चों को भी कार्य में लगाकर बाल मजदूरी करवाई जा रही है. कंपनी अपना कैंप खडपोस पंचायत के तिलोकुटी गांव में बनाया है वहीं आसपास के स्कूली बच्चों को कार्यक्षेत्र में ले जाकर बाल मजदूरी करवा रही है. बेसिक स्कूल जानूम्पी के आठवीं कक्षा के छात्र कंदन बिरुली को 200 मजदूरी देकर दिनभर बाल मजदूरी करवाई जा रही है. इस तरह और भी कई बच्चे हैं जो अलग-अलग क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं.

- **विवेकानंद पूर्ति**, घोडाबंधा पंचायत मुखिया– ने कहा कि कई बार एजेंसी के लोगों को गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए कहा गया है . बाल मजदूरी का भी मामला निकाल कर आया है इसकी जांच होनी चाहिए और एजेंसी पर कार्रवाई भी होनी चाहिए
- **पूनम जेराई**, जिप सदस्य मझगांव ने कहा कि पीएचडी विभाग के लापरवाही के कारण जल नल योजना में लूट मची हुई है . एजेंसी अत्यंत घटिया निर्माण कर रही है विभाग इसकी उच्च स्तरीय जांच करें .
- **रस्वती चातार**, प्रखंड प्रमुख मझगांव ने कहा कि घटिया निर्माण के साथ बाल श्रम करवाना कानून अपराध है विभाग उच्च स्तरीय जांच करें . प्रखंड क्षेत्र में किसी भी हाल पर बाल श्रम नहीं करने दिया जाएगा .
- **अभय कुमार**, कनीय अभियंता पीएचडी विभाग ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है, अभी हम इलेक्शन ड्यूटी के प्रशिक्षण में है .

आस्था

कांटों पर लेटकर व अंगारों पर चलकर दिखायी मां केरा व पाउड़ी मंदिर के प्रति आस्था

चक्रधरपुर के केरा व पाउड़ी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के राजमहल के समीप संजय नदी के किनारे मां पाउड़ी की पूजा-अर्चना के साथ लोगों ने रविवार को श्रद्धालुओं की भक्ति देख अचंभित रहे. यहीं हाल मां भवानी के दरबार केरा मंदिर में देखने को मिला. पांच दिवसीय केरा व पाउड़ी माता की पूजा-अर्चना के अंतिम दिन कालिकाघट निकाल कर मां केरा व मां पाउड़ी को चढ़ाया गया. इसके बाद लगभग एक घंटे तक चली विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात भक्तों ने कांटों पर लेटकर और जलते अंगारों पर चलकर अपनी भक्ति जाहिर की. शनिवार रातभर चली छऊ नृत्य कार्यक्रम के पश्चात रविवार सुबह से भक्तों की भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी थी. रविवार को बड़ी संख्या में भक्तों ने मां पाउड़ी व केरा की पूजा-अर्चना की और मेले का लुत्फ उठाया. इसके लिए केरा व पाउड़ी मेला समिति ने सुव्यवस्थित तरीके से मेले की तैयारी की थी. केरा गांव स्थित माता भगवति मंदिर व पाउड़ी मंदिर में शुक्रवार सुबह विधिवत पूजा-अर्चना कर दोनों जगह अलग-अलग कालिका घट निकाली गयी. दोनों जगह पूरे रास्ते कालिका घट लेकर चल रहे भक्त की पूजा-अर्चना का दौर चल रहा था.दोपहर में महिला-पुरूष भक्तों ने सर्वप्रथम कांटों पर लेटकर अपनी भक्ति जाहिर की. उसके ठीक बगल में 11 फुट लंबे गड्ढे में जलते अंगारों पर चलकर भक्तों ने मां पाउड़ी की आराधना की. भक्तों को कांटे पर लेटते व अंगारों पर चलते हुये देख हजारों लोग अचंभित हो उठे. मेले के समापन के अवसर पर केरा व पाउड़ी मंदिर में चक्रधरपुर के अलावा सोनुवा, गोइलकेरा, मनोहरपुर, राजखरसांवा, सरायकेला, रांची, चाईबासा, महालीमुरूम, सीनी के साथ-साथ ओड़िसा के भक्त मां पाउड़ी की पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे.

केरा पहुंची जोबा माझी, समिति ने किया सम्मानित

चक्रधरपुर की केरा मेला में रविवार को झारखंड की पूर्व मंत्री सह झामुमो की लोकसभा प्रत्याशी जोबा माझी पहुंची . जहां मंदि के समीप बनाये गये मंच पर मंदिर व मेला समिति की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया . मौके पर उन्होंने आयोजनकर्ताओं की सराहना की .उन्होंने कहा कि केरा मेला में झारखंड के दूर दराज से लोग पहुंचते हैं . समिति द्वारा बेहतर संचालन किया जा रहा है . वहीं आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा,केरा पंचायत के पूर्व मुखिया संजय सामड, सुरबुडा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सामड समेत अन्य प्रवीण राजनीतिक दल के नेता, सामाजिक संगठन से जुड़े लोग केरा मेला पहुंचे थे .

केरा व पाउड़ी में श्रद्धालुओं के बीच बांटे गए शरबत

चक्रधरपुर की केरा व पाउड़ी मेला में स्थानीय समिति द्वारा लोगों के बीच शरबत, आइसक्रीम,पानी, चना गुड़ इत्यादि बांटे गए .साथ ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद कभी वितरण किया गया .

मेघाहातुबुरु प्रो वॉलीबॉल लीग का दूसरा दिन

सेमीफानल में पहुंची चार टीमें

संवाददाता। किरीबुरु

दूसरा मेघाहातुबुरु प्रो वॉलीबॉल लीग (एमपीएल) मुकाबले के दूसरे दिन के मैचों में सारंडा एलिफेंट ने मास्टर किंग्स को 16-9, 16-12 से, माइनिंग लायन्स ने मेकेनिकल योद्धा को 15-10, 15-12 से, मास्टर किंग्स ने रौयल चैलेंजर को 15-9, 12-16, 16-11 से, सारंडा एलिफेंट ने सारंडा टाइगर्स को 9-15, 17-15, 15-7 से, रौयल चैलेंजर ने मेकैनिकल योद्धा को 15-13, 15-8 से, माइनिंग लायन्स ने सारंडा टाइगर्स को 15-7, 12-15, 15-11 से, मास्टर किंग्स ने मेकैनिकल योद्धा को 15-17, 15-13, 15-11 से, सारंडा एलिफेंट ने माइनिंग लायन्स को 21-19, 15-11 से, सारंडा टाइगर्स ने रौयल चैलेंजर्स को 17-15, 8-16, 15-4 से पराजित किया. आज रात सेमीफाईनल मुकाबला सारंडा एलिफेंट एवं सारंडा टाइगर्स तथा माइनिंग लायन्स व मास्टर किंग्स के बीच खेला जायेगा. दोनों के विजेताओं के बीच फाईनल मुकाबला देर रात होगा.

यह प्रतियोगिता मेघाहातुबुरु मैदान में सेल मेघाहातुबुरु एवं मेघाहातुबुरु प्रो वॉलीबॉल कमिटी के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है. इस एमपीएल हेतु छः टीमों के फ्रेंचाइजी द्वारा खिलाड़ियों की बोली लगाई गई है. इस ऑक्शन में कुल 54 खिलाड़ी शामिल हुए थे जिसमें से 42 खिलाडियों के लिये बोली लगी.

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती आयोजन समिति ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया

जागरूक होना ही सही अर्थों में शिक्षित होना है : अनीता शर्मा

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्वर्ण जयंती आयोजन समिति ने डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के साथ महिला आयाम और विधि आयाम की संयुक्त विचार गोष्ठी का आयोजन किया. इसमें संविधान प्रदत्त ग्राहक के अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम और ग्राहक आयोग की भूमिका के संदर्भ में इस विषय को समझा गया.

गोष्ठी का आयोजन केबल क्लब में हुआ. अतिथि वक्ता के तौर पर अधिवक्ता कंचन मिश्रा और सूरज प्रकाश थे. गोष्ठी का आरंभ मां भारती, स्वामी विवेकानंद और

संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर किया गया. तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्प और प्रतीक चिह्न देकर किया गया. संगठन मंत्र का वाचन प्रचार -प्रसार टोली के अंकेश भुइंया ने किया. स्वागत वक्तव्य देते हुए डॉ अनीता शर्मा ने कहा कि जागरूक होना ही सही अर्थों में शिक्षित होना है. इसलिए हम सब को अपने अधिकारों के प्रति सजग होना होगा. भीमराव अंबेडकर ने भी हमें यही संदेश दिया था.

विचार गोष्ठी

- वक्ताओं ने उपभोक्ता संबंधी कानून की जानकारी दी
- अतिथि वक्ता के रूप में अधिवक्ता कंचन मिश्रा थे

झारखंड प्रदेश की महिला आयाम प्रमुख रूबी लाल ने कहा कि अपने अधिकारों को जानने के लिए जरूरी है कि हम उपभोक्ता संबंधी कानून के बारे में भी जानकारी रखें. इसी विषय पर बात करने के लिए आज इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है. सूरज प्रकाश ने कहा कि आए दिन इस तरह के मामले कोर्ट में आते हैं. कई बार यह देखा गया है कि शिकायत करने वाला ही पीछे हट जाता है या जानकारी के अभाव में अपनी बात पर दृढ नहीं रहता है. जरूरी है कि हम इस कानून को जानें, समझें और इसका उपयोग करें.

अतिथि वक्ता अधिवक्ता कंचन मिश्रा ने कहा कि ऑनलाइन खरीदारी में भी आपको 48 घंटे के अंदर ही शिकायत दर्ज करना जरूरी होता है. मेल करने के बाद एक महीने के अंदर ही आपकी शिकायत का निपटारा हो जाता है. जरूरी यह है कि हम इस सारी प्रक्रिया से अवगत रहें. तभी हम अपने अधिकारों की सुरक्षा कर सकते हैं. झारखंड के संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने हमेशा जागरूक नागरिक बनने पर बल दिया था. अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की बात कही थी. अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के मूल सिद्धांत में भी यही तथ्य है. इसी बात को ध्यान में रखते हुए उनकी जयंती के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पूर्वी सिंहभूम जिला के अध्यक्ष पप्पू सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया. तत्पश्चात शांति मंत्र का वाचन सभी ने सामूहिक रूप से किया. इसके साथ आयोजित विचार गोष्ठी का समापन हो गया.

छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य देवता को दिया अर्घ्य

संवाददाता। हजारीबाग

चैती छठ के तीसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया. शहर के झील छठ तालाब, खजांची तालाब, प्रखंड क्षेत्र पेटो, कराली, जोरदाग केरेडारी, बरियातू, कंडाबेर, गर्री कला, पचड़ा, बुंडू, पताल, बेगवारी सहित अलग अलग जगहों पर छठव्रतियों ने भगवान भास्कर की आराधना की. अर्घ्य देने के दौरान विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गयी. इस दौरान समूचा क्षेत्र छठ गीतों की मधुर धुन से भक्तिमय हो गया. सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जायेगा. मान्यता है कि छठ करने पर सभी मनोकामनाएं पूरी होती है.

ब्रीफ खबरें

डीसी ने किया खोरठा गीत का लोकार्पण

रामगढ़ । लोकसभा चुनाव के तहत मतदान की तिथि 20 मई निर्धारित है. इसे लेकर प्रशासन गंभीर है. जिले में शत प्रतिशत मतदान हो व मतदाता किसी लोभ में न फंसे और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसे लेकर डीसी चंदन कुमार ने खोरठा गीत का लोकार्पण किया. खोरठा गीत का लोकार्पण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी रामगढ़ चंदन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में किया. मौके पर डीसी ने सभी से लोकतंत्र के पर्व में भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने एवं अन्य मतदाताओं को भी उनके मतदान के महत्व के प्रति जागरुक करने की अपील की. इस अवसर पर निर्वाची पदाधिकारी रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार मौजूद थे.

कृषि से जुड़ा है लोक आस्था का पर्व छठ

चतरा । लोक आस्था का पर्व छठ कृषि से जुड़ा है. कार्तिक व चैत मास में यह पर्व तब मनाया जाता है. जब नई फसलें कट कर किसानों के घर आ जाती है. अनाज से घर भरने को किसान सूर्य देव की कृपा मानते हैं. अन्न-धन से जब घर भर जाते हैं तो किसान परिवार सूर्य भगवान व उनकी बहन छठी मैया का आभार प्रकट करने को छठ पर्व मनाते हैं. छठी मैया ब्रह्मा की मानस पुत्री और षष्ठी तिथि की स्वामिनी हैं. भगवान सूर्य की बहन होने के नाते षष्ठी तिथि को छठी मैया के साथ सूर्य देव की भी पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि श्रीराम भी छठ का व्रत रखा करते थे. श्रीराम माता सीता के साथ अस्त होते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर यह व्रत किया करते थे.

प्रतिमाओं का कराया गया नगर भ्रमण

पत्थलगडा । बेलहर में भगवान भास्कर व हनुमान जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर नौ दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया है. इसी क्रम में उतरवाहिनी बुद्ध नदी के तट पर जैजलाधाम में आयोजित श्री नारायण महायज्ञ सह भगवान भास्कर एवं हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पांचवें दिन प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया गया. यज्ञाचार्य श्री मधुसूदनाचार्य, शालिग्राम शास्त्री, भेरौ शास्त्री, आचार्य आशीष पंडित, विनोद शास्त्री सहित अन्य कर्मकांडियों के वैदिक मंत्रोच्चारण व महिलाओं के मंगल गायन के साथ यहां स्थापित होने वाली प्रतिमामाओं का गाजे-बाजे के साथ नगर परिभ्रमण कराया गया.

विष्णुगढ़ प्रखंड के 13 पंचायतों में मनीष जायसवाल ने चलाया जनसंपर्क अभियान

पारंपरिक तरीके से हुआ स्वागत

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार मनीष जायसवाल का चुनावी अभियान जारी है. हर दिन वे क्षेत्र का दौरा कर लोगों से संवाद कर रहे हैं. इसी क्रम में रविवार को मनीष जायसवाल मांडू विधानसभा क्षेत्र के विष्णुगढ़ प्रखंड के 13 पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाये. उनके साथ आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह मांडू विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी तिवारी महतो भी थे. मनीष ने अभियान की शुरुआत अंबेडकर चौक से की. वहां पर संविधान निर्माता बोधित्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. मनीष ने कहा कि बाबा साहेब के आदर्श और उनके बताए गए सामाजिक, समानता एवं समरसता जैसे विशेष विषयों को आज हमें अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है.

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने अंबेडकर को "विश्व का प्रणेता" कहकर उनका और हम भारतीयों का गौरव बढ़ाया है. वहीं विष्णुगढ़ पहुंचे स्थानीय भाजपा और आजसू कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय समर्थकों ने सैकड़ों बाइक जत्थे के साथ उनका अभिनंदन किया. इस दौरान मनीष ने विष्णुगढ़ में पदयात्रा कर भाजपा और अपने पक्ष में समर्थन मांगा. मनीष चुनावी जनसंपर्क अभियान के दौरान विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत भेलवारा पहुंचे. जिसके बाद भेलवारा आठ माइल, विष्णुगढ़ सात माइल, बेड़ा हरियारा, खरना, महादेव बर, भंडेरी, बारा, चलकरीखुर्द, चलकरीकला, चकचको, गैड़ा, बुकना, उपरैली

मांगा समर्थन

- डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण
- मनीष ने अंबेडकर चौक से की अभियान की शुरुआत
- लोगों से बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने की बात कही

बोदरा, गुंडरो, बकसपुरा, तेतरिया गढ़ा, चरनखिया, नवादा, बनासो, नावाटांड़, बनासो चौक, कुसुंभा, उपरैली मुरगांव, भूताही मुरगांव, चलंगा, विष्णुगढ़ हॉस्पिटल चौक और विष्णुगढ़ अखाड़ा चौक का दौरा किये. इस दौरान मनीष ने लोगों से भाजपा के समर्थन में कमल निशान पर बटन दबाकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने की अपील की. साथ ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा को प्रचंड मतों से जिताने की अपील की. इस दौरान मनीष खरना पंचायत के ग्राम भंडेरी पहुंचे. आदिवासी समाज के लोगों ने मनीष का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया. लोगों ने मांदर की थाप पर अपनी संस्कृति को जीवंत करते हुए भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल फूल भेंटकर मनीष का स्वागत किया. साथ ही इस क्षेत्र के आदिवासी समाज की ओर से पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया. क्षेत्र दौरे के दौरान कई प्राचीन मंदिरों में भी मनीष ने माथा टेका. क्षेत्र की सुख, शांति और खुशहाली की कामना की. क्षेत्र के चलकरी खूर्द गांव में इस क्षेत्र के आंदोलनकारी रहे शहीद बबूनी प्रसाद महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया.

मनीष जायसवाल ने विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र के दौरे के दौरान लोगों से कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में गरीबी हटाओ का नारा देकर जनता को सिर्फ ठगने का काम किया गया. लेकिन देश का विकास और गरीबों का उत्थान पिछले दस साल के कार्यकाल में मोदी सरकार ने कर दिखाया. अब देश को 62 सालों तक ठगने वाले पार्टी कांग्रेस के उम्मीदवार बनकर वोट मांगने आपके बीच आयेंगे तो अपने क्षेत्र और अपने विकास से संबंधित सवाल जरूर कीजिएगा. तिवारी ने कहा कि जिसने आपको ठगा है उन्हें एहसास कराने का सही समय यही है. उन्होंने प्रचंड मतों से एक कमल हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से खिलाकर भाजपा के 400 पार के नारे को सफलीभूत बनाने का लोगों से अपील किया. साथ ही मनीष को अपना सांसद बनाने का आग्रह किया.

मौके पर आजसू नेता सह मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष किशोर मंडल, आजसू प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार मंडल, आजसू केंद्रीय सदस्य रंजीत गुप्ता, आजसू जिला उपाध्यक्ष लिलो महतो, रूपेन्द्र महतो, दिपु अकेला ,निर्मल कुमार (मुखिया चेडरा), भाजपा कार्यकर्ता टेकलाल यादव, राजेश सोनी, सन्तोष कुमार महतो, मधुसूदन प्रसाद, जीवन सोनी, गायत्री देवी, अंजू देवी, सीमा देवी, धनेश्वर यादव, राकेश यादव, कन्हाय यादव, सोनू कुमार, अशोक कुमार, जयनाथ साव, सुखदेव मंडल, आजसू नेता गौतम वर्मा, दामोदर महतो, हेमंत आर्य, महादेव देहाती, जयनाथ साव, दिनेश साव, प्रवीन मंडल, गोविंद महतो, बिनोद बिहारी महतो, हेमलाल महतो, डोमन गुप्ता, राज कुमार सिंह, सतीश राम, अभी कुमार, संतोष महतो, प्रदीप पाठक, रंजन चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे.

गरीबों के संपूर्ण उत्थान एवं कल्याण के लिए भाजपा का साथ दें

राष्ट्र के विकास और गरीबों के संपूर्ण उत्थान एवं कल्याण के लिए फिर एक बार भाजपा का साथ दें. तीसरी बार मोदी सरकार बनाएं. मनीष मजूदरों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका आशीर्वाद रहा तो देश के विभिन्न महानगरों और सात समंदर पार काम करने वाले इस क्षेत्र के प्रवासी मजदूर की आवाज बनूंगा. स्थानीय स्तर पर उनके रोजगार सृजन की दिशा में सकारात्मक प्रयास करूंगा. वहीं आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह मांडू विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी तिवारी महतो ने कहा कि मांडू विधानसभा क्षेत्र की जनता ने, जिन्हें 40 साल तक वोट दिया उसने इस क्षेत्र की जनता को ठगने का काम किया.

न्यूज अपडेट

संविधान के सूत्रधार थे बाबा साहेब : डीसी

हजारीबाग । डीसी नैंसी सहाय ने जिलेवासियों को अंबेडकर जयंती की बधाई दी. डीसी ने डिस्ट्रिक बोर्ड चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्मान प्रकट किया. मौके पर डीसी ने कहा कि संविधान के सूत्रधार बाबा की जयंती की बधाई देती हूं. संविधान के रचयिता, ज्ञान और विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ. अंबेडकर ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी शिक्षाविद, कानूनी विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक के रूप में काम किया. डॉ साहेब की सामाजिक न्याय की अवधारणा अतुलनीय थी जो सामाजिक समरसता का संदेश देती है. उनका मूल मंत्र है- शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो', हमेशा प्रासंगिक रहेगा. बाबा साहेब का पूरा जीवन प्रेरणास्त्रोत है. उनके विचारों, आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है.

पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ होते हैं : अहमद

चतरा । जिला मुख्यालय के गंदौरी मंदिर स्थित जलछाजन परिसर में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिला ताइक्वांडो संघ, टेबल टेनिस, खेल संघ, टेबल सोकर संघ, पतंजलि योगपीठ, क्रीड़ा भारती चतरा इकाई और तलवारबाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में समारोह आयोजित हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एजाज अहमद व संचालन ताइक्वांडो संघ के विकास केसरी ने की. चतरा प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को संघ की ओर से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित डीएवी स्कूल के प्राचार्य एजाज अहमद ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ होते हैं. विपरीत परिस्थिति में भी ये समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं. सशक्त लोकतंत्र पत्रकारों के बिना अधूरा है. उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित कमेटी चतरा को एक नई दिशा देने का कार्य करेगी. तायक्वांडो संघ के सचिव विकास केसरी ने कहा कि चतरा का गौरवमयी इतिहास रहा है.

बेरोजगारी है चुनाव का मुख्य मुद्दा : डॉ. आरसी मेहता

हजारीबाग । नेशनल पार्क स्थित लोटवा गांव में कांग्रेस नेता डॉ. आरसी मेहता ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि चुनाव में मुख्य मुद्दा महंगाई और बेरोजगारी का है. शोषितों और संपन्नों के बीच यह लड़ाई है. एनडीए गैस सिलेंडर 400 रुपये का 200 में करने का वादा करके सरकार में आयी थी. उसका दाम आज 1200 रुपया कर दिया है. पांच गुनी महंगाई बढ़ी है. 15 लाख रुपये देने का वादा और दो करोड़ रोजगार की बातें जुमला साबित हुईं. कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकारी संस्थानों को बेचा जा रहा है. गरीबों के शिक्षण सामग्री पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है. जबकि अमीरों के हीरे पर मात्र तीन प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है. डॉ मेहता ने बाबा साहेब की महानता का बखान करते हुए कहा कि शोषित, दलित और शूद्रों को शैक्षणिक एवं आर्थिक आजादी दिलाने में उनकी अहम भूमिका है.

आज बुढ़वा महादेव से निकाली जाएगी रामनवमी शोभायात्रा

संवाददाता। हजारीबाग

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी को लेकर हर तरफ भक्ति भाव का माहौल देखने को मिल रहा है. विभिन्न संगठनों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इस बीच हजारीबाग शहर के समाजसेवी सह भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद एवं रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष जीतू यादव ने शोभायात्रा की जानकारी दी. कहा कि सोमवार को बुढ़वा महादेव से अपराह्न तीन बजे भव्य रामनवमी शोभायात्रा निकाली जाएगी. यह शहर का भ्रमण करते हुए निर्धारित स्थल पर पहुंचकर समाप्त होगी. शोभायात्रा में विशेष प्रस्तुति राष्ट्रीय स्तर के कलाकार उज्जैन सहित अन्य राज्यों से हजारीबाग की पावन धरा पर पहुंचेंगे. वहीं स्थानीय कलाकारों के द्वारा भव्य शोभायात्रा में

भक्त तैयार

- बुढ़वा महादेव से संध्या तीन बजे शोभायात्रा निकलेगी
- राम भक्तों को शोभायात्रा में आमंत्रित किया गया है

झांकी प्रस्तुत की जाएगी. शोभायात्रा अलौकिक, अद्भुत और सुंदरता से परिपूर्ण होगा. बताया जाता है कि प्रदीप के द्वारा ऐसी शोभायात्रा पहली बार आयोजित की जा रही है. शहर के समस्त राम भक्तों को इस शोभायात्रा में आमंत्रित किया गया है. बता दें कि प्रदीप राजनीतिक क्षेत्र के साथ धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भी काफी सक्रिय रहते हैं. उनकी टीम के द्वारा हर जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराया जाता है.

अंबेडकर के आदर्शों पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी : पटेल

जेपी पटेल का चुनावी दौरा तेज

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार का जोश हाई है. जब से उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है, तब से लोगों के बीच वे सक्रिय हैं. जनसमर्थन पाने को लेकर जेपी पटेल ने चुनावी दौरा तेज कर दिया है. वे क्षेत्र में भ्रमण कर जनसंपर्क कर रहे हैं. साथ ही समाज के सभी वर्गों के लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं.

गठबंधन के सभी समर्थित दल के प्रतिनिधि उनके लिए जनता को रिझाने में भी लगे हैं. इसी क्रम में उनसे उनके आवास पर कुर्मी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर गांधी, युवा जिला अध्यक्ष राहुल राज एवं कामेश्वर महतो ने मुलाकात कर समर्थन देने की बात कही. बातचीत में चुनावी प्रबंधन एवं रणनीति पर

दी श्रद्धांजलि

- कुर्मी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं ब्रजकिशोर गांधी
- बातचीत में चुनावी प्रबंधन और रणनीति पर चर्चा हुई

चर्चा हुई. वहीं संगठन विस्तार को लेकर आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक देव चौहान के साथ भी आवास पर चर्चा की गई. मौके पर राम कुमार राम, युवा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, जिला प्रवक्ता विकास कुमार महतो, जिला सोशल मीडिया उपाध्यक्ष त्रिवकांत, जिला युवा प्रवक्ता अरविंद कुमार, जिला युवा सचिव राजदेव यादव, विश्वास पासवान मौजूद थे. उसके बाद प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने मांडू प्रखंड के मंझला चुम्बा पंचायत लुकैया एवं हज़ारीबाग सदर प्रखंड अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक पर भारतरत्न बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती समारोह में शामिल हुए.

उन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित किया. साथ ही जनसमूह को संबोधित किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलना आज समय की मांग है. उनके आदर्शों पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी. आइए नफरत मुक्त समाज बनाने का संकल्प लें. वहीं जनसम्पर्क के दौरान उन्होंने रामगढ़ के सदर प्रखंड स्थित मरार गांव में आयोजित सरहुल मिलन समारोह सह शोभायात्रा में भी शामिल हुए.जहां रंजीत कुमार दास, सचिव विरण दास की अगुवाई में सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

बड़ा अखाड़ा प्रांगण में होगी अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता

संवाददाता। हजारीबाग

रामनवमी के आयोजन को लेकर रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष जीतू यादव ने रविवार को प्रेस वार्ता किया. प्रेस वार्ता में रामनवमी महासमिति 2024 के अध्यक्ष के अलावा सम्मानित सदस्य अखाड़ाधारी के लोग भी थे. रामनवमी महासमिति अध्यक्ष जीतू यादव ने कहा कि श्री श्री चैत्र रामनवमी महासमिति के द्वारा सप्तमी को बड़ा अखाड़ा प्रांगण में अस्त्र शस्त्र परिचालन का प्रतियोगिता रखा जाएगा. इस प्रतियोगिता में कई अखाड़ों के लोग शामिल होंगे. प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कृत भी किया जाएगा. साथ ही रामनवमी जुलूस के मार्ग के साथ पूरे शहर को महावीर पताखा से भगवामय कर सुसज्जित किया जाएगा. वहीं सभी जिलावासियों रामभक्तों से अपील किया कि सभी लोग नशामुक्त होकर रामनवमी को सफलतापूर्वक संपन्न कराएं. सभी सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल कायम करते हुए रामनवमी को सफल बनाने में बढ़ चढ़ कर भाग लें.

जयंती विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय में याद किये गए डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर

विद्यार्थियों के लिए अंबेडकर बड़ी प्रेरणा: सान्याल

संवाददाता। हजारीबाग

स्वतंत्र भारत में संविधान के साथ-साथ विधि को नया स्वरूप प्रदान करने में अग्रणी भूमिका बाबासाहेब डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की रही. उन्होंने समरसता के आधार पर एक समावेशी भारतीय समाज के निर्माण का नींव डाला. उक्त बातें विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर जयदीप सान्याल ने कही. प्रोफेसर सान्याल एनएसएस यूनिट कोड वन द्वारा आयोजित अंबेडकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे.

संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान को रेखांकित करते हुए बतौर विशिष्ट वक्ता अधिवक्ता भैया मुकेश

ने कहा कि एक तरफ भारत के प्रत्येक व्यक्ति की आकांक्षाओं को और वहीं दूसरी तरफ प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों को संविधान में प्रमुखता से स्थान दिया गया है. यदि डॉ अंबेडकर ना होते तो यह कभी संभव नहीं होता. प्राचार्य के प्रभार के पद से अपने संबोधन में डॉ लक्ष्मी सिंह ने बाबासाहेब के जीवन के प्रेरक तत्वों पर प्रकाश डाला. सामाजिक न्याय में बाबासाहेब के योगदानों की चर्चा करते हुए डॉ लक्ष्मी सिंह ने बाबासाहेब के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया. कार्यक्रम को कई सारे विद्यार्थी वक्ताओं ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम का शुभारंभ बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ किया गया. इस अवसर पर विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी अच्छी संख्या में उपस्थित थे.

बाबा साहेब ने मजदूरों के लिए बहुत कुछ किया: सीटू

हजारीबाग । अंबेडकर जयंती के अवसर पर सीपीएम कार्यालय में, 1947 के पहले के अंबेडकर, विषय पर गोष्ठी की गई. गोष्ठी की अध्यक्षता इश्वर महतो ने किया. संचालन तपेस्वर राम ने किया. सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने कहा कि आजाद होने के पहले ही अंबेडकर साहेब ने देश के मजदूर कर्मचारियों के लिए बहुत कुछ किया. उस समय मजदूर कर्मचारियों से 12-14 घंटा काम लिया जाता था. इससे बाबा साहेब बहुत चिंतित रहते थे. 1942 में सम्पन्न सातवीं लेबर कॉन्फ्रेंस में अंबेडकर साहेब भाग लिए और मजदूर, कर्मचारियों के काम के घंटे आठ घंटे तय करवाये. माइंस में कार्यरत महिलाओं के लिए माइंस मैटरनिटी बेनीपिट, कर्मचारी राज्य बीमा (इएसआई) कानून, महिला एवं बाल श्रमिक संरक्षण कानून, फैक्ट्री एक्ट, पीएफ एक्ट, ट्रेड यूनियन एक्ट 1926 को 1946 में सख्ती से लागू करवाये. इतना ही नहीं संविधान बनने के पहले ही अंबेडकर साहेब ने मजदूर कर्मचारियों के लिए नौ कानून बनवाए. जिससे आजादी के पहले ही देश के मजदूर कर्मचारियों को बहुत सारे संवैधानिक अधिकार मिले. जिसका लाभ मिल रहा है.

छावनी परिषद के विलय के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत हुई

नागरिक सुविधा चरमरा जाएगी: पुटूस

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ छावनी परिषद को राज्य संचालित नगर निकाय में विलय करने की प्रक्रिया जारी है. रामगढ़ के पूर्व विधायक प्रत्याशी व रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस रामगढ़ के आम नागरिकों, व्यापारियों व आरबीएसएस के सदस्यों को साथ लेकर रामगढ़ छावनी परिषद के विलय को लेकर आपत्ति दर्ज करवाने में लगे हैं.

उन्होंने रविवार को विलय के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की. इसमें रामगढ़ कैंट वासियों व व्यापारियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है. इस अभियान को लीड कर रहे धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि छावनी परिषद का अगर

रामगढ़ छावनी

- रामगढ़ कैंट वासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है
- अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं धनंजय कुमार पुटूस

नगर निकाय में विलय कर दिया जाता है तो यहां के आम नागरिकों व व्यापारियों पर टैक्स का बोझ बढ़ने की पूरी संभावना है. कहा कि नागरिक सुविधा चरमरा जाएगी. जिससे यहां के लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. रामगढ़ की इस स्थिति के जिम्मेदार यहां के पूर्व के सांसद, विधायक व वार्ड सदस्य हैं. क्योकि जब इस विषय पर छावनी परिषद के बोर्ड मीटिंग में प्रस्ताव भेजा जा रहा था तब इन लोगों ने इसका विरोध नहीं किया. इन जनप्रतिनिधियों ने जनता की भलाई पर ध्यान नहीं दिया. पुटूस ने कहा कि रामगढ़ की जनता व व्यापारियों परेशानी में हैं. ऐसे में उन्हें अकेला नहीं छोडा जा सकता है. इसलिए हमलोगों ने रामगढ़ छावनी परिषद को बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाकर जीओसी इन चीफ मध्य कमान लखनऊ को लिखित में आपत्ति दर्ज कराई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. आत्मबल में वृद्धि होगी. भाई-बहन के सहयोग का समय है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृषभ कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साह-वर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन मानसिक सुख मिलेगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क व्यय वृद्धि से तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या पिता से लाभ होगा. कार्य सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छे लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु समय उत्तम है. अपनो के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर मौसमी रोग से कुछ परेशानी हो सकती है. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

कुंभ संतान के कार्य पर ध्यान दें. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

मीन किसी से बेकार की बहस हो सकती है. माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी

पेज एक का शेष

इजराइल पर 150 मिसाइल, 300 ड्रोन ....

अमेरिका संयुक्त राष्ट्र व मित्र देशों ने की निंदा

अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, फ्रांस, ब्रिटेन आदि देशों ने इजराइल पर ईरान के हमले की निंदा की है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में कहा कि अमेरिकी सेना ने लगभग सभी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने में इजराइल की मदद की. साथ ही उन्होंने समन्वित कार्रवाई के लिए सहयोगियों की बैठक बुलाई है. इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगारी ने कहा कि ईरान ने बड़ी संख्या में ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलेस्टिक मिसाइल दागीं, जिनमें से अधिकतर को इजराइल की सीमाओं के बाहर नष्ट कर दिया गया. उन्होंने कहा कि युद्धक विमानों ने इजराइली हवाई क्षेत्र के बाहर 10 से अधिक क्रूज मिसाइलों को तबाह कर दिया, लेकिन कुछ मिसाइल इजराइल में गिरीं. इस बीच, सेना के होम फ्रंट कमांड ने स्कूलों बंद करने के आदेश दिए हैं और सार्वजनिक समारोहों में 1,000 से अधिक लोगों के शामिल होने पर पाबंदी लगा दी है. हमले के कारण इजराइल और क्षेत्र के कुछ अन्य देशों ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं.

इजराइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धः बाइडन

हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने रविवार तड़के बात की. बाइडन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने इजराइल की सुरक्षा के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहराई है. बाइडन ने कहा कि इजराइल की मदद करने के उनके निर्देश पर अमेरिकी सेना ने पिछले सप्ताह क्षेत्र में विमान और बैलेस्टिक मिसाइल रक्षा विध्वंसक भेजे थे. मैंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की और इजराइल को अमेरिका का मजबूत समर्थन को दोहराया.

मददगारों पर करेंगे निर्णायक कार्रवाईः ईरान

ईरान की सरकारी समाचार समिति आईआरएनए की ओर से जारी बयान में देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने स्वीकार किया कि यहूदी शासन के कब्जे वाले क्षेत्रों और ठिकानों की ओर दर्जनों ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं. एक अन्य बयान में रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका को सीधी चेतावनी जारी करते हुए कहा, आतंकवादी अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी जाती है कि यदि वह ऐसी कोई भी मदद या भागीदारी में शामिल होती है.

कोल्हान यूनिवर्सिटी : 68 लाख 71 हजार रुपये जीएसटी घोटाला का मामला

यूनिवर्सिटी में वर्क ऑर्डर के विपरीत किया गया जीएसटी का भुगतान

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

कोल्हान यूनिवर्सिटी में जीएसटी घोटाले में राजभवन के आदेश पर यूनिवर्सिटी की ओर से एफआईआर दर्ज कराये जाने के बाद आरोपी अधिकारियों के भी पक्ष आने लगे हैं. हालांकि यह मामला विश्वविद्यालय को कर्मचारियों की आपूर्ति करने वाली एजेंसी के साथ किये गये एकरारनामे के विपरीत जीएसटी का भुगतान किये जाने का है. एजेंसी के बजाय विश्वविद्यालय की ओर से जीएसटी का भुगतान किया गया है, जो 68 लाख 71 हजार रुपये है.

क्या है मामला

आपूर्तिकर्ता सुपर स्टार एजेंसी के साथ

एकरारनामे में यह तय हुआ था कि जीएसटी का भुगतान एजेंसी की ओर से किया जायेगा. इसके विपरीत विश्वविद्यालय की ओर से जीएसटी का भुगतान किया गया है. एजेंसी की ओर से विश्वविद्यालय समेत 10 कॉलेजों के लिए कर्मचारियों की आपूर्ति की जा रही है. इन कर्मचारियों के तीन वर्ष 2019 से 2022 तक के पारिश्रमिक के एवज में विश्वविद्यालय की ओर से 68 लाख 71 हजार रुपये जीएसटी का भुगतान किया गया है.

कुलपति ने ही दिया था एफआईआर का निर्देश

यह मामला प्रकाश में आने के बाद तत्कालीन प्रभारी कुलपति सह प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार के निर्देश पर एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया था. मामले की जांच के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर करने का निर्देश दिया था. बावजूद कार्रवाई नहीं की गयी. अंततः राजभवन की ओर से इस मामले में संज्ञान लेते हुए आदेश दिया गया, तब पिछले दिनों विश्वविद्यालय की ओर से एफआईआर दर्ज कराया गया है.

कुल छह लोगों के खिलाफ एफआईआर

इस मामले में विश्वविद्यालय की ओर से चार अधिकारियों समेत कुल छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गयी है. इनमें पूर्व व पदमुक्त किये जा चुके वित्त सलाहकार रमेश वर्मा, पूर्व वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पानी, पूर्व कुलसचिव डॉ जयंत शेखर, मौजूदा सीसीडीसी डॉ मनोज महापात्रा, कर्मचारी पार्थ चक्रवर्ती एवं एक सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हैं.

कौन है जिम्मेदार

इस मामले में आरोपी बनाये गये विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पानी ने बताया कि वे हों या वित्त सलाहकार उन्हें अंधेरे में रख कर यह वित्तीय गड़बड़ी की गयी है. चूंकि एजेंसी के साथ किया विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच क्या समझौता हुआ था, इसकी जानकारी उन्हें न थी और न अब है. क्योंकि समझौते के क्रम में वित्त सलाहकार या वित्त अधिकारी की की भूमिका नहीं होती है.

विभागीय स्तर से भी होगी कार्रवाई

विश्वविद्यालय के मौजूदा कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कराया गया है. राजभवन के आदेश पर यह कार्रवाई की गयी है. इसके साथ ही मामले में आरोपी छह लोगों के खिलाफ विभागीय स्तर से भी कार्रवाई की जायेगी.

लोकसभा चुनाव : 2019 में यूपीए गठबंधन के साथ थे, अब भाजपा का राग आलाप रहे

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी... बदले-बदले से नजर आ रहे सरकार

कौशल आनंद । रांची

- पिछली बार जिन्हें जिताने के लिए बहाया था पसीना, इस बार उन्हें हराने के लिए हाथ-पैर मार रहे हैं मरांडी
- सीता और गीता की जोड़ी है खास, पहले तीर-धनुष व पंजा में उलझी थीं, अब कमल फूल का साथ

झारखंड के एक दिग्गज नेता हैं बाबूलाल मरांडी. अभी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं. झारखंड का पहला मुख्यमंत्री होने का सौभाग्य मिल चुका है. भाजपा से रुष्ट हुए, तो पार्टी को लात मार दी थी. झारखंड विकास मोरचा का गठन कर राजनीति करने लगे. भाजपा को कोसने, भला-बुरा कहने का जोरदार अभियान चला. पिछले विस चुनाव (2019) में जीते उनके दल के विधायकों को भाजपा ने अपने पाले में कर लिया. फिर क्या था, बाबूलाल जी ने खूब मुंह फुलाया, हाथ-पैर पटका, भाजपा पर आरोपों की झड़ी लगा दी. रह-रह कर भाजपा को अंड-बंड बोलते रहे, कोसते रहे.धीरे-धीरे झाविमो के उनके साथी साथ छोड़ भाजपा में शामिल होते गए. ले-देकर बाबूलाल जी अकेले ही झाविमो में गाल बजाते रहे. आखिरकार थक गये. देखा, आंका, सोचा-समझा...कहा-अब न सकेंगे, तो धीरे से भाजपा का दामन थाम लिया. झाविमो का भाजपा में विलय कर दिया. अब उसी भाजपा का गुणगान करते नहीं अघा रहे. झाविमो, यूपीए का हिस्सा था. सो बाबूलाल जी झारखंड से लेकर देश स्तर पर भाजपा पर अपनी तीखी वाणी के गोले बरसाते रहे. पिछली बार, यानि 2019 को लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जिन्हें जिताने के लिए पसीना बहाया था, इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्हें हराने के लिए हाथ-पैर मार रहे हैं. सुबह से शाम तक कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को पानी पी-पी कर कोस रहे हैं.

और अब बदल गयी है बाबूलाल की भूमिका : 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद इस लोकसभा चुनाव 2024 में बाबूलाल मरांडी की भूमिका बदल चुकी है. गत चुनाव में बाबूलाल यूपीए खेमा में थे. इस बार वे एनडीए खेमा में हैं. पिछले चुनाव में बाबूलाल जी ने जिन्हें जिताने के लिए पसीना बहाया था, इस बार के चुनाव में उन्हें हराने के लिए एड़ी-चोटी एक किए हुए हैं. पूरी ताकत लगा रहे हैं.कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को पानी पी-पीकर भला-बुरा बोल रहे हैं. पिछले चुनाव में मरांडी झाविमो प्रमुख के रूप में बतौर यूपीए के स्टार प्रचारक के रूप में मैदान में थे, वहीं इस बार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए एनडीए के स्टार प्रचारकों में शुमार हैं. गत चुनाव में यूपीए खेमा मात्र दो सीट राजमहल और चाईबासा जीतने में सफल रहा था, जबकि 12 सीटों पर एनडीए प्रत्याशी की जीत हुई थी. इन 12 में से 11 भाजपा के थे, जबकि एक गिरिडीह से आजसू के चंद्रप्रकाश चौधरी जीते थे. इस बार मरांडी के लिए पुरानी 12 सीटों का बचाये रखने के साथ-साथ बची दो सीटें भी विपक्ष से झटकने की चुनौती है.

2019 में भाजपा के खिलाफ गरज रहे थे

अब भाजपा का खूब गुणगान कर रहे हैं

पिछले चुनाव में यूपीए फोल्डर में झाविमो को मिली थी दो सीट

लोकसभा चुनाव 2019 में यूपीए फोल्डर में रहने के कारण झाविमो को सीटों के बंटवारे के तहत कोडरमा और गोड्डा सीट मिली थी. वहीं कांग्रेस को रांची, खूंटी, लोहरदगा, सिंहभूम, हजारीबाग, धनबाद और चतरा कीसीटें मिली थीं. झामुमो को दुमका, राजमहल, गिरिडीह और जमशेदपुर सीटें मिली थीं. जबकि राजद को केवल पलामू सीट मिला था, मगर राजद ने गठबंधन धर्म का पालन नहीं करते हुए चतरा से भी अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया था.

कोडरमा में अन्नपूर्णा के आगे औंधे मुंह गिरे थे बाबूलाल

कोडरमा से भाजपा ने राजद से ऐन चुनाव के वक्त भाजपा में शामिल हुईं अन्नपूर्णा देवी को अपना प्रत्याशी बनाया था. उनके खिलाफ बाबूलाल ने कंघी लहराते हुए यूपीए फोल्डर से मोरचा संभाला था. गोड्डा से बाबूलाल के प्रमुख सिपह सलाहकार प्रदीप यादव मैदान में थे. दोनों सीट जीतने के लिए मरांडी खूब हांफे. लेकिन बाबूलाल खुद भाजपा की अन्नपूर्णा देवी के सामने औंधे मुंह गिर पड़े. अन्नपूर्णा ने उन्हें भारी मतों के अंतर से पराजित किया था. अब मरांडी उन्हीं अन्नपूर्णा देवी के लिए पसीना बहा रहे हैं, वोट मांग रहे हैं.

गोड्डा में निशिकांत के शॉट से आउट हो गए थे प्रदीप यादव

बाबूलाल ने प्रदीप यादव के लिए गोड्डा में खूब पसीना बहाया. खूब हाथ-पैर मारा. भाजपा और उसके प्रत्याशी निशिकांत दुबे पर निशाना साधा, लेकिन निशिकांत ने ऐसा शॉट लगाया कि मतदान से पहले ही प्रदीप यादव बुरी तरह से पटका गये. निशिकांत ने ऐसा शॉट जड़ा कि विपक्षी गेंद (विपक्ष के प्रत्याशी) बाउंड्री से बाहर डा गिरे. फिर वे चुनावी दौड़ में शामिल न हो सके. आज स्थितियां बदल गई हैं. बाबूलाल जी आज के दिन निशिकांत दुबे के पसंदीदा हो गए हैं और उनके साथ गलबहिया कर राजनीति चमका रहे हैं.

जिन सीटों पर यूपीए के लिए वोट मांगा था, अब उनकी खिलाफत करेंगे

वर्ष 2019 के चुनाव में बाबूलाल की पार्टी (जेवीएम) यूपीए फोल्डर में थी. बाबूलाल ने दो अपनी पार्टी की सीटों के लिए तो कैंपेन चलाया ही था, यूपीए खेमे के अन्य 12 उम्मीदवारों के लिए भी खूब पसीना बहाया था. यूपीए के स्टार प्रचारक होने के नाते झामुमो-कांग्रेस व राजद प्रत्याशियों को लिए वोट मांगा था. ये अलग बात है कि पिछवे चुनाव में मोदी लहर की वजह से यूपीए चारों काने चित्त हो गया था. राजमहल से झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा व सिंहभूम से कांग्रेस प्रत्याशी गीता कोड़ा विजयी हुईं थीं.

सीता और गीता की जोड़ी के लिए फिर से लगाएंगे जोर

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान यूपीए फोल्डर में होने के कारण सिंहभूम से कांग्रेस प्रत्याशी गीता कोड़ा चुनाव मैदान में थीं. तब भी बाबूलाल ने उनका समर्थन किया था, उनके लिए वोट मांगा था. इस बार गीता तो उनकी ही प्रत्याशी हैं, तो उन्हें विजयी बनाने के लिए फिर से ताकत झोंकेंगे ही. पिछली दफा विधानसभा चुनाव के दौरान यूपीए फोल्डर की झामुमो प्रत्याशी सीता सोरेन का जामा में समर्थन किया था, इस बार उन्हें बतौर भाजपा प्रत्याशी दुमका में उतारा गया है. ऐसे बाबूलाल को फिर से उनके लिए पसीना बहाना ही होगा.

मूलवासी सदानों के समर्थन के बिना बहुमत की सरकार नहीं बन सकती : राजेंद्र

रांची। झामुमो के द्वारा 21 अप्रैल को ध्रुवा के प्रभात तारा मैदान में होने वाली उलगुलान महारैली को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड आंदोलनकारी, समाज सेवी व मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने बड़ा बयान दिया है.

कहा महारैली में नेताओं के द्वारा पांच लाख भीड़ आने की बात कही जा रही है, उन्होंने कहा कि रैली में भले भीड़ आ जाएगी, लेकिन महारैली में सभी वर्गों का समर्थन और भागीदारी मिलना संभव नहीं है. प्रसाद ने कहा कि झारखंड में जितने भी क्षेत्रीय दल है, यह तो वह एक जाति की राजनीति करते हैं या एक वर्ग विशेष की. ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल झारखंड में बहुमत की सरकार अपने बल पर नहीं बना सकती है. प्रसाद ने कहा कि जब तक 65 प्रतिशत मूलवासी सदानों का राजनीतिक दलों को समर्थन प्राप्त नहीं होगा तब तक बहुमत की सरकार बनना नामुमकिन है.प्रसाद ने इसका मूल कारण बताया है कि जेएमएम एक विशेष वर्ग का राजनीतिक करती है और दूसरा अन्य क्षेत्रीय दल सिर्फ एक जाति की राजनीति करती है . जिसके कारण इन क्षेत्रीय दलों को सभी वर्गों का जन समर्थन कभी नहीं मिला. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा मूलवासी सदानों में विभिन्न जातियां हैं,उस पर क्षेत्रीय दल कभी भरोसा नहीं जताया . जिसका फायदा राष्ट्रीय दल उठाते रहे हैं. प्रसाद ने कहा कि जेएमएम को हर वर्ग का जन समर्थन चाहिए, तो झारखंड में जिस समाज की बहुतायत आबादी है उन समाज के लोगों को पार्टी में शामिल करना होगा. मोर्चा अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि झारखंड में मूलवासी सदानों की 65% आबादी है इसको देखते हुए निकट भविष्य में राजनीति पार्टी बनाकर झारखंड की एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति बनने पर झारखंड के आनंदाकारी और मूलवासी सदान के प्रबुद्ध लोगों के द्वारा विचार किया जा रहा है.

अंबेडकर के संविधान को ही बदलने की तैयारी चल रही है : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर झामुमो ने केंद्र सरकार तथा भाजपा के संविधान विरोधी नीतियों के खिलाफ धरना दिया. रविवार को रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष संविधान बचाओ, देश बचाओ कार्यक्रम के तहत यह आयोजित हुआ. पार्टी महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर को हम लोग याद करते हैं. क्योंकि भारत का जो अपना संविधान है,

नियम है, कानून है और उसी के तहत लोकतंत्र है. मगर आज संविधान में दिए गए जो अधिकार हैं, जैसे बोलने का अधिकार, जीने का अधिकार, उनके साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है. आज देश के जो सत्ता पक्ष है, वह इस संविधान को खत्म करना चाहता है.

10 साल में तानाशाही से हुई लोकतंत्र की हत्या : जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि आज भीमराव अंबेडकर की जयंती है जो भारतीय संविधान के जनक माने जाते हैं. दुर्भाग्यवश, भाजपा की केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्ष में तानाशाही तरीके से लोकतंत्र की हत्या की है और संविधान को तार तार करने की कोशिश की है. आप उनके लोकसभा प्रत्याशियों को सुन रहे होंगे, जो खुले मंच पर साफ तौर पर कह रहे हैं कि 2024 में जब भाजपा की केंद्र में सरकार बनेगी तो संविधान को बदल दिया जाएगा. इससे पहले भी भाजपा की सरकार ने कई कार्य किए हैं. इस मौके पर समनूर मंसूरी, कुदूस अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद थे.

जेएमएम ने गांडेय के जनादेश का अपमान किया है

जेएमएम के शब्दकोश में नहीं है विकासः आजसू

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सालों तक गांडेय में ''राज'' किया है. क्षेत्र का विकास नहीं खुद का विकास करना झामुमो की प्राथमिकता रही है. विकास झारखंड मुक्ति मोर्चा के शब्दकोश में नहीं है. अब यहां से राजा परिवार चुनाव लड़ने की तैयारी में है. राजा परिवार जहां हाथ रख दे, उस सीट को खाली करना पड़ता है. अब जनता को तय करना है कि उसे चेहरा चाहिए या काम. वे बेंगाबाद, गिरिडीह में आयोजित ग्राम प्रभारी एवं चूल्हा प्रमुख सम्मेलन में बोल रहे थे, उन्होंने कहा कि जनता को बिना बताये यहां के विधायक का इस्तीफा जनादेश का अपमान है. एक परिवार के निजी स्वार्थ और सत्ता की महत्वाकांक्षा का परिणाम है यहां का उपचुनाव. उन्होंने जनता को छलने का काम किया है, इसका जवाब जनता अपने वोट के चोट से देगी. सांगठनिक मजबूती के आधार पर हम सभी मिलकर गांडेय में राजनीतिक बदलाव करेंगे. इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव लम्बोदर महतो, उपाध्यक्ष उमाकांत रजक, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव अर्जुन बैठा, नजरूल हसन हासमी एवं तरूण गुप्ता, सचिव वीर विजय प्रधान, देवघर जिलाध्यक्ष आदर्श लक्ष्य, गिरिडीह महिला जिलाध्यक्ष प्रियंका शर्मा, कम्पू यादव, संजय साहू सहित अन्य मौजूद थे.

आजसू के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राज्य को कुशल नेतृत्व देना हमारा लक्ष्य है. इस संकल्प को पूरा करने के लिए हमारे सभी कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है.

सुदेश बोले

- जनता तय करेगी काम या चेहरा चाहिए
- राजा परिवार जहां हाथ रख दे, सीट खाली करनी पड़ती है

मिली राहत मतदाता अब अपने मूल मतदान केंद्र पर ही अपना जनप्रतिनिधि चुनने के लिए करेंगे मतदान

अब मतदाताओं को वोट देने के लिए 15 किमी पैदल नहीं चलना होगा

संवाददाता। चांडिल

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के मतदाताओं को अब मतदान करने के लिए पैदल चलकर नहीं जाना पड़ेगा . मतदाता अब अपने मूल मतदान केंद्र में ही अपना जनप्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान करेंगे. जी हां, आसन्न लोकसभा चुनाव के लिए ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में किसी भी मतदान केंद्र को बदला स्थानांतरित नहीं किया गया है. सभी मतदान केंद्र अपने मूल स्थान पर ही रहेंगे. इसकी जानकारी एआरओ सह चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने दी. उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए अबतक

किसी भी मतदान केंद्र का स्थान परिवर्तन नहीं किया गया है. विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र अपने पूर्ववत स्थान पर रहेंगे, जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. सरकार के इस निर्णय के बाद उन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद लगाई जा रही है. वहीं मतदाताओं में भी खुशी देखी जा रही है.

दुरुस्त की जा रही बुनियादी सुविधाएं

पूर्व में स्थानांतरित किए गए मतदान केंद्र में मतदाता और मतदानकर्मियों के लिए सारी सुविधाओं को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है . सभी मतदान केंद्रों में शौचालय, पेयजल, बिजली आदि की व्यवस्था की जा रही है . वहीं दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों में रैंप का निर्माण करवाया गया है . जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला इनमें से कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान केंद्रों में सुविधाओं का जायजा ले चुके हैं.

मतदान केंद्रों को किया गया था स्थानांतरित

मतदान केंद उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में होने, दुर्गम छोर पहाड़ी क्षेत्र से घिरे होने और संवेदनशीलता के कारण बीते विधानसभा चुनाव में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में छह बूथों का स्थान परिवर्तन किया गया था . बदले गए सभी छह बूथ चांडिल प्रखंड के थे . बदले गए बूथों में मतदान केंद्र संख्या 219 उमवि रांका, 220 प्रावि टुरु, 222 मवि हेंसाकोचा पूर्वी भाग व बूथ संख्या 223 मवि हेंसाकोचा पश्चिमी भाग, बूथ संख्या 224 उमवि रेयाड़दा व 225 उमवि बारसिड़ा शामिल थे.

15 किमी दूर बनाए गए थे मतदान केंद्र

बीते विधानसभा चुनाव के दौरान बदले गए मतदान केंद्रों के मतदाताओं को मतदान करने के लिए 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ा था . पहाड़ की चोटी पर बसा चांडिल प्रखंड के मुटूदा गांव में करीब 350 मतदाता हैं . सभी मतदाता उत्क्रमित मध्य विद्यालय हेंसाकोचा में बनने वाले बूथ पर मतदान करते है . मतदान केंद्र बदलने के कारण मुटूदा के मतदाताओं को मतदान करने के लिए 15 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ा था.

विरोधाभासी विकास कथा

एक तरफ विकास की तेज रफ्तार की चर्चा, दूसरी ओर उजागर होने वाले आंकड़ों के बीच का अंतर हकीकत की कथाओं का सार प्रस्तुत करता है. आमतौर पर दुनिया में अनेक अर्थशास्त्री भारतीय आंकड़ों को ले कर संशय व्यक्त करते रहे हैं, जिसे नए भारत की विकास कथा के प्रति विदेशी नजरिया बता कर खारिज किया जाता रहा है. ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में घरेलू कर्ज जीडीपी के 40 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है. यह नया रिकॉर्ड है. साथ ही यह अनुमान लगाया गया है कि आम घरों की बचत का स्तर जीडीपी के पांच प्रतिशत से भी नीचे चला गया है. भारत के भी कुछ अर्थशास्त्री दबे जुबान से ही सही, इन सवालों को उठाने लगे हैं. चुनाव के माहौल में ऐसे तथ्यों का अपना राजनीतिक संदेश होता है. भारत के शेयर बाजार का मूल्य इसी सप्ताह चार लाख करोड़ रुपए को पार कर गया. यह नया रिकॉर्ड है. यह खबर अखबारों में प्रमुखता से छपी और यह खबर भी छपी कि भारत में घरेलू कर्ज जीडीपी के 40 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है. साथ ही यह अनुमान लगाया गया है कि आम घरों की बचत का स्तर जीडीपी के पांच प्रतिशत से भी नीचे चला गया है. इसे आम घरों की बढ़ती वित्तीय बदहाली का सूचक माना गया है. इसके पहले पिछले सितंबर में भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया था कि 2022-23 में घरेलू बचत 5.1 प्रतिशत तक गिर गई है, 47 साल का सबसे निचला स्तर है. नए आंकड़े और अनुमान वित्तीय सेवा देने वाली प्रमुख कंपनी मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट से सामने आए हैं. साफ तौर पर यह देश में लगातार चौड़ी हो रही गैर-बराबरी की खाई का एक नया सबूत है. दरअसल, शेयर बाजार के रुझान का भी बारीक विश्लेषण करें, तो वहां कुछ असहज करने वाले तथ्य देखने को मिलेंगे. वहां दिख रही खुशहाली मोटे तौर पर 30 बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव में तेज उछाल का परिणाम है. हालांकि अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ते वित्तीयकरण का कुछ लाभ मझौली कंपनियों को भी मिला है, लेकिन बड़ी कंपनियों के मूल्य में हुई वृद्धि की तुलना में यह लाभ बहुत छोटा है. यह भी अवश्य ध्यान में रखा जाना चाहिए कि वित्तीय बाजारों में दिख रही चमक का कोई लाभ उत्पादन एवं वितरण से जुड़ी जमीनी अर्थव्यवस्था को नहीं मिल रहा है. नतीजतन आम तौर पर सामान्य लोगों की वास्तविक आमदनी और उपभोग में गिरावट आई है. अब विचारणीय है कि क्या यह उचित दिशा है? नरेंद्र मोदी सरकार ने अपनी आर्थिक नीतियों और बजट के जरिए इस आर्थिक स्वरूप को बल प्रदान किया है. इसका नतीजा यह है कि देश के सबसे धनी तबकों और कॉरपोरेट सेक्टर का उसे पूरा समर्थन हासिल है, जो 'भारत उदय' का नैरेटिव बनाने में सहायक बना है. जबकि इस चमक के नीचे गहराते अंधकार के सच पर परदा पड़ा हुआ है. इसी तरह भारत के कार्यबल वर्कफोर्स के समक्ष संकट भी सवाल खड़ा करता है. सीएमइआइ ने हाल ही में इस पर जो तथ्य उजागर किए हैं वह बेहद खतरनाक संकेत है.

> दरअसल, शेयर बाजार के रुझान का भी बारीक विश्लेषण करें, तो वहां कुछ असहज करने वाले तथ्य देखने को मिलेंगे. वहां दिख रही खुशहाली मोटे तौर पर 30 बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव में तेज उछाल का परिणाम है.

सुभाषित

धारणाद्धर्ममित्याहुः धर्मो धारयत प्रजाः।
यस्याद्धारणसंयुक्तं स धर्म इति निश्चयः॥

'धर्म' शब्द की उत्पत्ति 'धारण' शब्द से हुई है.अर्थात् जिसे धारण किया जा सके वही धर्म है. यह धर्म ही है, जिसने समाज को धारण किया हुआ है. अतः यदि किसी वस्तु में धारण करने की क्षमता है तो निस्सन्देह वह धर्म है.

मटन-मछली और मुगल... 'मसालेदार' चुनाव

भारत एक हिंदू बहुसंख्यक देश है और यहां शाकाहार के मुकाबले नॉनवेज खाने वाले भी बहुसंख्यक हैं यानी नॉनवेज खाने वालों की संख्या ज्यादा है. 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 57 प्रतिशत पुरुष और 45 फीसदी महिलाएं नॉनवेज खाते हैं. ऐसे में सवाल उठाते हैं कि क्या किसी का मछली–मटन खाना राजनीतिक मुद्दा हो सकता है? क्या खाने की आदत से धर्म और इंसान पहचाना जाएगा? क्या हिंदू सिर्फ शाकाहारी होते हैं और जो नॉनवेज खा लेते हैं वे विधर्मी?

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

आपने खाने के कई प्रकार सुने होंगे. भारतीय, मैक्सिकन, थाई, इटैलियन और भी कई सारे. लेकिन देश में इस बार चुनाव भी मसालेदार मुगलई हो चुका है. कारण, राहुल गांधी सावन में मटन बनाते नजर आए थे, तो इसके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे. वहीं अब नवरात्र के पहले दिन तेजस्वी यादव मछली खाने का वीडियो डालते हैं. ऐसे चुनाव मुगलई तब हो गया, पीएम मोदी ने जम्मू के ऊधमपुर से सावन और नवरात्र में मटन-मछली के वीडियो से मुगल सोच के तहत चिढ़ाने का आरोप बिना नाम लिए लालू परिवार और राहुल गांधी पर लगाया है. अब क्या खाने की आदत से धर्म और इंसान पहचाना जाएगा? क्या सावन या नवरात्र में नॉनवेज खाकर वीडियो बनाने या पोस्ट करने से दूसरों की भावना को चोट पहुंचती है और क्या सावन-नवरात्र में किसी के नॉनवेज खाने का वीडियो डालने से अल्पसंख्यक वोटर वोट दे देते हैं? दरअसल, 2019 से 2021 के बीच हुआ राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यह बताता है कि देश के 57.3 प्रतिशत पुरुष और 45.1 प्रतिशत महिलाएं हफ्ते में कम से कम एक बार चिकन, मछली, मीट जैसी नॉनवेज डिश खाते हैं. अब चूंकि प्रधानमंत्री ने बात नवरात्र या सावन में मटन-मछली की उठाई है तो धर्म के आधार पर नॉनवेज का आंकड़ा देखने की भी जरूरत है. ईसाई धर्म में 79 प्रतिशत, मुस्लिम धर्म के 75 फीसदी, 68 प्रतिशत बौद्ध, हिंदू 47 प्रतिशत नॉनवेज खाते हैं.

इन सारे सवालों की शुरुआत सात महीने पहले होती है. देश में श्रावण मास यानी सावन का महीना चल रहा था. लालू यादव के घर पर मटन बना तो राहुल गांधी सीखते नजर आए. राहुल गांधी के मटन बनाना सीखने वाले वीडियो के बाद अब सात महीने बाद जब चैत्र मास की नवरात्र का पहला दिन शुरू हुआ तो तेजस्वी यादव द्वारा एक दिन पहले खाई गई मछली का वीडियो पोस्ट किया जाता है. अब ऐसे में यह चुनावी मुद्दा बन चुका है और इन वीडियो के जरिए चुनाव में मुगल मानसिकता का जिक्र किया जा रहा है. कारण, सावन में मटन बनाने का वीडियो डालने के सात महीने बाद और नवरात्र के दिन मछली का वीडियो पोस्ट करने के चार दिनों बाद बिहार की राजधानी से 1000 किमी दूर ऊधमपुर में मोदी इस मुद्दे पर वोट मांगते नजर आए.

पीएम मोदी ने नॉनवेज बनाने और खाने वाले इन वीडियो पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्हें लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करने में मजा आता है. पीएम मोदी ने कहा कि जब मुगल आक्रमण करते थे, सत्ता राजा को पराजित करने से संतोष नहीं होता था. जब तक मंदिर तोड़ते नहीं थे, उनको संतोष नहीं होता था. उनको मजा आता था. सावन के महीने में वीडियो दिखाकर मुगल के जमाने की मानसिकता है ना, उसके द्वारा वे चिढ़ाना चाहते हैं. अपना वोट बैंक पक्का करना चाहते हैं. आप किसे चिढ़ाना चाहते हैं? नवरात्र के दिनों में आपका नॉनवेज खाना, इस मंशा से वीडियो दिखाकर लोगों को भावनाओं को चोट पहुंचाकर किसको खुश करने का खेल कर रहे हो?

बता दें कि सियासत में तुष्टीकरण होता आया है. हिंदुओं के वोट के लिए भाजपा और मोदी हमेशा ऐसे मुद्दों की तलाश में रहते हैं. ये लोग कपड़ा देख कर हिंदू-मुसलमान पहचान लेने का दावा पहले से करते नजर आये हैं. लेकिन वाजिब सवाल यह है कि जब देश में इतने सारे बड़े-बड़े मुद्दे हैं, तो मोदी ने उन पर बात न करके नॉनवेज का मुद्दा उठा कर ध्रुवीकरण का पांसा फेंका है. अब यह देश की जनता को तय करना है कि उसे हिंदू-मुसलमान से आगे देखना है या भावनाओं के वश में आकर इसी पर वोट कर देना है. अब अगर भारत के नक्शे पर देखें तो गोवा, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में 75 फीसदी से 90 प्रतिशत तक लोग हफ्ते में कम से कम एक बार मछली, चिकन या मीट खाते हैं. उत्तर की बात करें तो उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड में 25 से 50 फीसदी तक लोग हफ्ते में एक बार जरूर नॉनवेज खाते हैं. राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश वे राज्य हैं, जहां 13 से 20 फीसदी लोग ही नॉनवेज खा रहे हैं. ये आंकड़े इस बात को साफ करते हैं कि देश में नॉनवेज खाने वालों की तादाद कोई कम नहीं है. ऐसे में पीएम मोदी का सावन या नवरात्र में नॉनवेज खाने पर सवाल उठाना यह दिखाता है कि वह आम चुनाव देश के ज्वलंत मुद्दों से भटका कर हिंदू-मुसलमान की तरफ लाने के लिए बेचैन है. क्योंकि उनके पास पिछले 10 सालों की उलब्धियां बताने के नाम पर बहुत कुछ है नहीं. सियासी पंडितों का यह भी कहना है कि मोदी वोट ध्रुवीकरण जैसे आसान फार्मूले को अपना कर चुनाव में जीत हासिल करने को बेताब हैं. अब यह देश की जनता को तय करना है कि जहां बेरोजगारी और महंगाई विकराल रूप धारण कर चुकी है, वहां इन पर बात न करके पीएम मोदी जनता का भावनात्मक दोहन करने पर उतर आये हैं.

अब सियासत की इस मछली फ्राई पर वोट का स्वाद किसको किसको कैसे मिला या मिलेगा, समझिए. कहा जा रहा है कि तेजस्वी ने वीडियो डाल कर मल्लाह वोटरों को संदेश दिया है. लेकिन पीएम मोदी ने मछली और मटन को मुगल सोच से जोड़ने पर बहुसंख्यक वोट भाजपा की तरफ जुड़ेगा. बात चाहे जो भी हो, वोट के लिए पीएम मोदी का इस स्तर तक उतर आना यह साबित करता है कि चुनाव नजदीक आते-आते उनकी बेचैनी बढ़ती जा रही है. उन्हें डर लगने लगा है कि इंडिया गठबंधन कि मजबूती उनकी हैट्रिक कहीं रोक न दे. नॉनवेज को मुद्दा बनाने में मेनस्ट्रीम मीडिया में जुट गया है. लेकिन इन सबके बीच एक जनता भी है, जिसके हाथ सिर्फ बयानबाजी का कांटा लगा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

विनम्रता

दिलों को जीतने के लिए सबसे बड़ा हथियार है विनम्रता. विनम्रता के बल पर बड़ी से बड़ी ताकत को झुकाया जा सकता. जिसे आप संघर्ष कर के भी झुका नहीं सकते, उसके आगे स्वयं झुक कर उसे झुकाया जा सकता है. विनम्रता में बड़ी शक्ति है.विनम्रता आपके आंतरिक प्रेम की शक्ति से आती है. दूसरों को सहयोग व सहायता का भाव ही आपको विनम्र बनाता है. यह कहना गलत है कि यदि आप विनम्र बनेंगे तो दूसरे आपका अनुचित लाभ उठाएंगे. जबकि यथार्थ स्वरूप में विनम्रता आपमें गज़ब का धैर्य पैदा करती है. आपमें सोचने समझने की क्षमता का विकास करती है. विनम्र व्यक्तित्व का एक प्रचंड आभामंडल होता है. धूर्तों के मनोबल उस आभा से स्वयं परास्त हो जाते हैं. उल्टे जो विमम्र नहीं होते वे आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, क्योंकि धूर्त को तो मात्र मीठी बातों से उसका अहं सहलाना भर होता है. अहंकार यहां परास्त हो जाता है. किन्तु जहां विनम्रता होती है, वहां तो सत्य की अथाह शक्ति भी होती है, जो मनोबल प्रदान करती है. विनम्रता के प्रति समर्पित आस्था जरूरी है. मात्र दिखावे की विनम्रता असफ़ल ही होती है. 'पहले विन्रमता से निवेदन करूंगा यदि काम न हुआ तो भृकुटि टेढ़ी करूंगा' यह चतुरता विनम्रता के प्रति अनास्था है, छिपा हुआ अहं भी है. कार्य पूर्व ही अविश्वास और अहं का मिश्रण असफलता ही न्योतता है. सम्यक् विनम्र व्यक्ति, विनम्रता को झुकने के भावार्थ में नहीं लेता. सच्चाई उसका पथप्रदर्शन करती है. निश्छलता उसे दृढ़ व्यक्तित्व प्रदान करती है. अहंकार आपसे दूसरों की आलोचना करवाता है. वह आपको आलोचना-प्रतिआलोचना के एक प्रतिशोध जाल में फंसाता है. अहंकार आपकी बुद्धि को कुंठित कर देता है. आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को संदेहयुक्त बना देता है. अहंकारी दूसरों की मुश्किलों के लिए उन्हें ही जिम्मेवार कहता है और उनकी गलतियों पर हंसता है. अपनी मुश्किलों के लिए सदैव दूसरों को जवाबदार ठहराता है और लोगों से द्वेष रखता है. विनम्रता हृदय को विशाल, स्वच्छ और ईमानदार बनाती है. यह आपको सहज सम्बंध स्थापित करने के योग्य बनाती है. विनम्रता न केवल दूसरों का दिल जीतने में कामयाब होती है अपितु आपको अपना ही दिल जीतने के योग्य बना देती है. आपके आत्म-गौरव और आत्म-बल में उर्ज़ा का अनवरत संचार करती है. आपकी भावनाओं के द्वन्द समाप्त हो जाते हैं, साथ ही व्याकुलता और कठिनाइयां स्वतः दूर होती चली जाती है. एक मात्र विनम्रता से सन्तुष्टि, प्रेम, और साकारात्मकता आपके व्यक्तित्व के स्थायी गुण बन जाते है.

भारत में धनतंत्र के बोझ से बेहाल लोकतंत्र

• सामयिकी

विश्वनाथ सचदेव

शायद आपने भी देखा हो फेसबुक पर चक्कर लगाते उस संदेश को, जिसमें आगाह किया गया है कि 4 जून तक यानी आम-चुनाव के परिणाम आने तक, पचास हजार की नकदी लेकर घूमने से बचें अन्यथा सरकारी एजेंसियों द्वारा परेशान किये जाने की आशंका बनी रहेगी. इस चेतावनी का मतलब समझना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं होना चाहिए– हर चुनाव के मौके पर इस आशय के समाचार मिलते रहे हैं कि फलां जगह इतना बेहिसाबी पैसा पकड़ा गया, फलां जगह उम्मीदवार मतदाता को पैसा बांटते देखा गया.चुनाव जनतंत्र का उत्सव ही नहीं होता, एक तरह से प्राण भी होता है. जनता की सार्थकता का एक पैमाना यह भी है कि मतदाता कितनी स्वतंत्रता और समझदारी से मतदान के द्वारा अपना प्रतिनिधि चुनता है. चुनाव लड़ने के लिए पैसे की आवश्यकता होती है, यह निर्विवाद है. मतदाता तक पहुंचने के लिए, उस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए ज़रूरी साधन बिना पैसे के नहीं जुट सकते. सवाल यहां कितने पैसे खर्च करने का है. चुनाव आयोग द्वारा लगाए गये अनुमान के आधार पर यह सीमा तय की गयी है कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार क्रमशः 75 लाख और 40 लाख रुपये खर्च कर सकता है. व्यवस्था यह भी की गयी है कि मतदान के बाद एक निश्चित अवधि में उम्मीदवारों द्वारा चुनाव में किये गये खर्च का पूरा ब्योरा देना होता है, और यदि यह खर्च तय सीमा से अधिक पाया जाता है तो चुनाव- परिणाम रद्द घोषित हो सकता है. तो क्या हमारे यहां 75 अथवा 40 लाख रुपये में चुनाव लड़ा जा सकता है? इस प्रश्न का एक उत्तर तो यह है कि चुनाव खर्च की सीमा सिर्फ उम्मीदवार द्वारा खर्च की गयी राशि के लिए ही निर्धारित है, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के लिए कितना भी खर्च करने के लिए स्वतंत्र हैं! इसीलिए सभी राजनीतिक दल अपने 'स्टार प्रचारकों'की सूची घोषित करते हैं और उनके द्वारा किया गया खर्च चुनाव-आयोग की जांच के अंतर्गत नहीं आता. यह स्टार प्रचारक चार्टर्ड विमान द्वारा यात्रा करते हैं, लंबे-चौड़े 'रोड शो' करते हैं, लाखों समर्थकों वाली रैलियां करते हैं. यह सारा खर्च राजनीतिक दल करते हैं. इसीलिए इन दलों द्वारा की गई 'उगाही' को लेकर सवाल उठते हैं. पूछा जाता है कि अक्सर सत्तारूढ़ दलों को अधिक चंदा मिलता है, इस बात की जांच क्यों नहीं होती कि सत्तारूढ़ दल या बाकी दल भी, इस चंदे के बदले में चंदा देने वालों को अनुचित लाभ तो नहीं देते? स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी किए गए 'चुनावी बॉण्ड' इसलिए विवाद का विषय बने हैं कि इन बॉण्डों की अधिकतर राशि सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा के हिस्से में क्यों आयी है? लगातार घाटे में रहने वाले व्यावसायिक संस्थानों ने भी बढ़-चढ़कर ये चुनावी बॉण्ड क्यों खरीदे हैं और किस राजनीतिक दल के खाते में यह राशि पहुंची है? उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉण्डों की इस योजना को गैरकानूनी करार दिया जाना भी कुल मिलाकर चुनावी खर्चे से ही जुड़ा है! ज्ञातव्य है कि आज देश की लगभग आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे का जीवन जी रही है. सरकारी पक्ष भले ही बीस करोड़ से अधिक लोगों को इस रेखा से ऊपर ले आने का दावा कर रहा हो, पर यह हकीकत अपने आप में भयावह है कि आज देश की अस्सी करोड़ जनता को सरकार द्वारा मुफ्त भोजन दिये जाने की ज़रूरत पड़ रही है. स्पष्ट है, अस्सी करोड़ लोग अपना पेट भरने लायक कमाई नहीं कर पा रहे हैं. विडंबना यह भी है कि मुफ्त खाद्यान्न दिये जाने की इस व्यवस्था को सत्तारूढ़ पक्ष अपनी उपलब्धि के रूप में भुना रहा है! सबको विकास का समान अवसर देने का दावा करता है जनतंत्र. चुनाव लड़ने के लिए भी समान अवसर जैसी कोई बात होनी चाहिए थी, पर विडंबना है कि हमारी व्यवस्था में ऐसी कोई बात नहीं है, जो यह आश्वासन देती हो कि दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र होने का दावा करने वाले हमारे देश में हर नागरिक चुनाव लड़ सकता है. यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी चुनावी-व्यवस्था पर बाहुबली और धनबली हावी हैं. हमारी संसद के दोनों सदनों में करोड़पतियों का बड़ी संख्या में होना भी यही संकेत देता है कि देश का आम आदमी वोट भले ही दे सकता हो, और उसके वोट की कीमत भले ही उतनी ही हो जितनी 'खास आदमी' के वोट की होती है, पर यह आम आदमी चुनाव लड़कर आसानी से संसद में नहीं पहुंच सकता.

> मतदाता तक पहुंचने के लिए, उस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए ज़रूरी साधन बिना पैसे के नहीं जुट सकते. सवाल यहां कितने पैसे खर्च करने का है. चुनाव आयोग द्वारा लगाए गये अनुमान के आधार पर यह सीमा तय की गयी है कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार क्रमशः 75 लाख और 40 लाख रुपये खर्च कर सकता है.

टारगेट किलिंग' बनाम 'घर में घुसकर मारा'

• सियासत

प्रमोद जोशी

पिछले हफ्ते ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' ने अपनी एक पड़ताल में दावा किया कि 2019 के पुलवामा प्रकरण के बाद से भारत ने 2020 से अब तक भारत की ख़ुफ़िया एजेंसी रॉ ने पाकिस्तान में 20 व्यक्तियों की हत्या की है. इस खबर पर भारत सरकार ने दो प्रकार की प्रतिक्रियाएं दी हैं. विदेश मंत्रालय ने इस खबर को गलत बताया और विदेशमंत्री एस जयशंकर के एक पुराने वक्तव्य का हवाला दिया कि 'टारगेट किलिंग भारत की पॉलिसी नहीं है. आधिकारिक रूप से भारत सरकार ने इस तरह की बातों को सिरे से खारिज ही किया है. दूसरी तरफ चुनाव सभाओं में भारतीय जनता पार्टी कह रही है 'घर में घुसकर मारेंगे.' इन दोनों बातों का मतलब समझने की जरूरत है. इससे भारत और पश्चिमी देशों के रिश्तों में खटास आएगी भी, तो इसका पता आगामी जनवरी से पहले नहीं लगेगा, जब अमेरिका के नए राष्ट्रपति पदारूढ़ होंगे. गार्डियन की रिपोर्ट पहली नज़र में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित है. इसकी काफी सामग्री रिपोर्ट के तीन लेखकों में से पाकिस्तानी मूल के पत्रकार शाह मीर बलोच ने उपलब्ध कराई है. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब पश्चिमी मीडिया ने पाकिस्तान सरकार के सूत्रों के आधार पर खबर बनाई हों. गार्डियन, घोषित रूप से भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ है, वैसे ही जैसे अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉशिंगटन पोस्ट हैं. ऐसे अखबारों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्लांट खबर प्रकाशित हो, तो आश्चर्य नहीं होता. पाकिस्तान की दिलचस्पी पश्चिमी खेमे में अपने लिए हमदर्दी पैदा करने की है. उसकी दिलचस्पी कश्मीर में है, जिसके लिए खालिस्तानी आंदोलन की रणनीति उसने अपनाई है. इसकी बुनियाद सत्तर के दशक में पाकिस्तान में ही पड़ी थी.आंदोलन के पीछे अमेरिका और पाकिस्तान की भूमिका होने का इशारा 2007 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'काओबॉयज़ ऑफ रॉ' में बी रामन ने किया था, जो कैबिनेट सचिवालय में एडीशनल सेक्रेटरी के पद से रिटायर हुए थे. पृष्ठभूमि 1971तक जाती है, जब बांग्लादेश का जन्म हुआ नहीं था. बी रामन के अनुसार रिचर्ड निक्सन और याह्या खान ने भारत के पंजाब को तोड़कर नया देश बनाने की योजना तैयार की थी. सिख नेता जगजीत सिंह चौहान को ब्रिटेन भेजा गया, जिसने पुराने सिख होम रूल आंदोलन को खालिस्तान नाम से पुनर्जीवित किया. याह्या खान ने चौहान को पाकिस्तान बुलाया. वे ज़ुल्फिकार अली भुट्टो से मिले. अक्टूबर 1971 में वे अमेरिका गए. उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स में स्वतंत्र सिख राज्य की घोषणा करते हुए एक विज्ञापन दिया.अमेरिकी पत्रकारों और संरा अधिकारियों से भी उनकी मुलाकात हुई. इन बैठकों की व्यवस्था अमेरिकी रक्षा परिषद के तत्कालीन प्रमुख हेनरी किसिंजर ने की थी.पिछले साल सितंबर में कनाडा ने और फिर अमेरिका ने नवंबर के महीने में आरोप लगाया था कि भारतीय एजेंटों ने उनके नागरिकों की हत्या की या हत्या का प्रयास किया. अमेरिका ने भारतीय मूल के एक कारोबारी निखिल गुप्ता के खिलाफ एक अदालत में मुकदमा भी दायर किया है, जो इस वक्त चेकोस्लोवाकिया सरकार की हिरासत में है. उसपर आरोप है कि उन्होंने भारत के सरकारी अधिकारी के साथ मिलकर अमेरिका में रह रहे खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश की थी. कनाडा का आरोप था कि उनके एक नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ था. फरवरी के अंत में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग शृंखला के तहत बैठक हुई थी. इसके तहत खुफिया जानकारियों के लेन-देन के प्रश्न पर भी विचार हुआ था. सवाल है कि एक तरफ दोनों देश वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ा रहे हैं, वहीं ऐसे मसले भी उठ रहे हैं, जो एक-दूसरे के प्रति अविश्वास पैदा करते हैं. अमेरिका में हुई 11 सितंबर और भारत में हुई 26 नवंबर जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपसी अविश्वास के परिणाम घातक होंगे. एक तरफ अमेरिका पन्नू जैसे मसले उठा रहा है, वहीं मुंबई हमले से जुड़े तहव्वुर राना के प्रत्यर्पण में देरी हो रही है. भारत में बड़े तबके की राय बन रही है कि अमेरिका, कनाडा और ब्रिटिश सरकारों ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने वालों को प्रश्रय और संरक्षण दिया है. इस सिलसिले में टाइगर हनीफ का ज़िक्र किया जाता है, जिसका प्रत्यर्पण नहीं हो पाया.

> फरवरी के अंत में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग शृंखला के तहत बैठक हुई थी. इसके तहत खुफिया जानकारियों के लेन–देन के प्रश्न पर भी विचार हुआ था. सवाल है कि एक तरफ दोनों देश वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ा रहे हैं, वहीं ऐसे मसले भी उठ रहे हैं, जो एक–दूसरे के प्रति अविश्वास पैदा करते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

चुनावी बांड की गहन जांच जरूरी

पिछले महीने या उसके आसपास, जब से भारतीय स्टेट बैंक को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राजनीतिक दलों को चुनावी बांड के माध्यम से दान पर जानकारी जारी करने के लिए मजबूर किया गया था , उभरते विवरणों ने विनियामक और नीति-निर्माण में विरोधियों के सबसे बुरे डर की पुष्टि की है. 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए जाने से पहले इस योजना के बारे में संस्थान, एक संयुक्त जांच जिसमें द हिंदू भी शामिल थी, ने पाया कि कम से कम 33 कंपनियों को 2016-17 से लेकर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल घाटा हुआ था. 2022-23 में करीब ₹582 करोड़ का दान दिया गया था , जिसमें से 75% सत्तारूढ़ भाजपा को गया. घाटे में चल रही कंपनियां पर्याप्त धनराशि दान कर रही थीं; लाभ कमाने वाली कंपनियां अपने कुल लाभ से अधिक दान दे रही थीं; कुछ दाता कंपनियां शुद्ध लाभ या प्रत्यक्ष करों पर डेटा रिपोर्ट नहीं कर रही थीं; कुछ नई निगमित कंपनियां निर्धारित तीन साल की अवधि (गठन के बाद) से पहले दान कर रही थीं - नियम तोड़ने वाले और फंडिंग के संदिग्ध स्रोतों की सूची काफी बड़ी है. इन दान की प्रकृति कई प्रश्न उठाती है. क्या घाटे में चल रही ये कंपनियां धन शोधन का काम कर रही थीं? क्या वे कंपनियां जिन्होंने लाभ/हानि की सूचना नहीं दी, वे शेल कंपनियां थीं? क्या दाता कंपनियां जिन्होंने महत्वपूर्ण लाभ कमाया - लेकिन काफी लंबी अवधि के लिए कुल प्रत्यक्ष करों का भुगतान नहीं किया - कर चोरी में लगी हुई थीं? ये पहले उठाए गए अन्य प्रश्नों के पूरक हैं - तथ्य यह है कि प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों द्वारा जांच के तहत कई कंपनियां सत्तारूढ़ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण दानकर्ता थीं. यह एक संकेत है कि इन एजेंसियों का उपयोग एक के रूप में किया जा रहा था. प्रतिदान सुनिश्चित करने का क्या मतलब है? भारतीय रिज़र्व बैंक और भारतीय चुनाव आयोग के अधिकारी अपनी आशंकाओं पर ज़ोर दे रहे थे कि बॉण्ड योजना का उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी में किया जा सकता है. फिर भी, केंद्रीय वित्त मंत्रालय इस योजना को आगे बढ़ाता रहा. इसके संचालन के साढ़े पांच वर्षों में, चुनावी बॉण्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों द्वारा हजारों करोड़ रुपये भुनाए गए, जिसमें भाजपा को बड़ा हिस्सा मिला. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पीठ/पीठा

अभी तक जिसकी पीठ ठोंकी जाती रही है, वही पीठ दिखा कर चला गया. युद्ध के मैदान में अक्सर पीठ दिखा ही देते हैं-शूर वीर तो लड़ैं खेत में कायर भागैं पीठ दिखाय. इन वाक्यों में पीठ से बने मुहावरों का प्रयोग किया गया है. पीठ हिंदी में बहुप्रचलित तत्सम शब्द है. स्त्रीलिंग और पुल्लिंग के रूप में इसके दो रूप हैं और दोनों रूपों के अर्थ भी अलग-अलग हैं. पुल्लिंग के रूप में पीठ के अनेक अर्थ है. जैसे लकड़ी, पत्थर या धातु का बना हुआ बैठने का आधार या आसन, पीढ़ा, किसी सभा, संस्था के अध्यक्ष या देवता का आसन, केंद्र जैसे विद्यापीठ, पद, न्यायाधीशों का वर्ग, बेंच, योग या पूजा में बैठने की विशेष मुद्रा, वेदी, राजसिंहासन, वे तीर्थस्थल जहां माता सती के अंग कट-कट कर गिरे, शक्तिपीठ, स्थान, राज्य, प्रदेश, एक राक्षस, कंस का एक मंत्री. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में पीठ का मतलब है गरदन या कमर तक मानव शरीर का पिछला भाग जिसके बीचोबीच रीढ़ रहती है, किसी वस्तु या वस्त्र के पीछे का भाग, कुरसी आदि में पीठ के सहारे के लिए निर्मित भाग. इस शब्द से बने मुहावरों का प्रयोग खूब होता है. जैसे पीठ देना यानी मुंह मोड़ लेना, विमुख होना, भाग जाना, पीठ पर हाथ फेरना यानी अच्छा कार्य करने पर किसी की प्रशंसा करना आदि. पीठ के अंत में आकार लग जाये तो शब्द बनता है पीठा. यहां यह समझ लेना आवश्यक है कि अर्थ के मामले में पीठा का पीठ से दूर-दूर का भी रिश्ता नहीं है, हालांकि यह शब्द भी संस्कृत तत्सम पुल्लिंग है. पीठा एक प्रकार का पाकवान है, जो आटे की लोई में पीठी भरकर बनाया जाता है. अब आप कहेंगे कि यह पीठी क्या है? तो बता दूं कि पीठी भीगी हुई दाल के पिसे हुए रूप को कहा जाता है. झारखंड में पीठा खाने का प्रचलन है. वैसे यह पाकवान भारत के विभिन्न प्रदेशों के साथ ही बांग्लादेश में भी लोकप्रिय है.

भारतीय राजनीति का कॉस्टयूम काल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

भारतीय राजनीति में वर्तमान काल 'कॉस्टयूम-काल' कहा जा सकता है. राजनैतिक दल एक दूसरे के कपड़ों पर राजनीति कर रहे हैं. राहुल गांधी ने एक नारा उछाल दिया है. 'सूट-बूट की सरकार'. वे मोदी सरकार को सूट-बूट की सरकार ही कहते हैं कि जो गरीबों की पक्षधर नहीं है और जिसका प्रधान-मंत्री दो करोड़ का सूट पहनता है. ऐसा लगता है, राहुल गांधी ने 30-35 साल पुरानी एक फिल्म (किशन कन्हैया) के गाने में नई जान डाल दी है. गाने का मुखड़ा कुछ इस प्रकार है–सूट-बूट में आया कन्हैया बैंड बजाने को, नए गीत पर नाच नचाने नए ज़माने को. जहां क्रिया है, वहां प्रतिक्रिया हो कर रहती है. सो मोदी सरकार को सूट-बूट की सरकार बताना बताने वाले को भारी पड़ गया. किसी ने कहा 'लूट-पाट की सरकार' से तो सूट-बूट की सरकार ही बेहतर है. कोई बोला, मोदी सरकार भले ही सूट-बूट की सरकार हो पर 'सूट-केस की सरकार' नहीं है. किसी ने राय दी कि मोदी सरकार वस्तुतः सूट-बूट की नहीं, 'सूझ बूझ की सरकार' है. एक ने तो यहां तक कह दिया कि मोदी सरकार 'बूटेड' भले हो कांग्रेस की तरह 'बूटेड-आउट' नहीं है. कांग्रेस प्रेसीडेंट ने मेघालय में किसी सभा में एक कीमती जाकेट पहनी हुई थी. लोगों ने अंदाज़ लगाया कि वह लगभग 10 हज़ार की रही होगी. लोगों ने पूछा, 10 हज़ार की जैकेट पहनने वाले को आखिर सूट-बूट पर इतना एतराज़ क्योंकर होना चाहिए? कोई जवाब नहीं बन पड़ा. सफाई दी गई कि वह जैकेट खरीदी नहीं गई थी, उधार की थी! क्या आपने कभी किसी किसान को सूट-बूट पहन कर खेती करते देखा है ? शायद नहीं, क्योंकि भारत में किसान अधिकतर धोती कुर्ता पहन कर ही खेती करता है. जापान में भी किसान सादा कपड़ों में ही रहते हैं. लेकिन अभी कुछ महीने पहले ही खबर मिली है कि वहां कैंगो में रहने वाले कियोटो साइटो नामक एक व्यक्ति ऐसे किसान हैं जो सूट-बूट पहन कर खेती करते हैं. अपने इस अंदाज़ से वे दुनिया भर में मशहूर हो गए हैं. उनका कहना है कि वे किसानों के प्रति लोगों की सोच और उनका नज़रिया बदलना चाहते हैं. मोदी जी भी तो यही चाहते हैं. मोदी जी के सफाई अभियान का भी कोई कम असर नहीं हुआ है. आलम यह है कि एक 79 वर्षीय सूटेड-बूटेड बुज़ुर्ग अपना जन्म दिन मनाने जब इंडिया गेट पहुंचे तो वहां उन्होंने गंदगी का अम्बार देखा. मन ही मन बहुत दुखी हुए. जुट गए सफाई करने में. आजकल वे रोज़ हस्ब-मामूल सूट-बूट धारण किए सुबह इंडिया गेट तक टहलते आते हैं. उनकी कमर भले ही थोड़ी झुक गई हो, लेकिन अपनी कमर पर हाथ रखे वे वहां रोजाना कचरा बीनते देखे जा सकते हैं. अन्य टहलार्थी इसके गवाह हैं.

सुकून

मोटिवेशन

लॉन्ग लास्टिंग फ्रेंडशिप

आज लगभग हर इंसान अंदर से अकेला है. बीमारी और तनाव बढ़ने की मुख्य वजह है, उसके पास अपना कहने को कोई नहीं है, ऐसे दोस्त नहीं जो उसकी आंखों में झांक कर कहें - मैं हूं ना, चिंता मत करो. खुशनसीब हैं वे लोग जिनके पास अच्छे और सच्चे दोस्त होते हैं. दोस्ती मजबूत होने में सालों लग जाते हैं, दोस्ती टूटने में क्षण भर भी नहीं लगता. ऐसा क्यों है कि वर्षों की यारी एक तिनके की तरह टूट जाती है. दोस्ती लॉन्ग लास्टिंग हो, आज इसी पहलू पर गौर फरमाते हैं.

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. उधारी : दोस्तों को न उधार देना चाहिए, न उनसे उधार लेना चाहिए. दोस्ती कितनी भी पक्की क्यों न हो, जहां उधारी वाली बात आई, रिश्ते में खटास आनी ही है. भले आपको लगता है कि आप समय पर पैसा लौटा देंगे, तब भी दोस्त से पैसा उधार नहीं लेना चाहिए. आप पैसा न लौटा पाए, तो आप मुंह छुपाने लगते हैं. दोस्त अगर तकादा करता है, तो बुरा लगता है. समय पर पैसा नहीं देते, तो उसका विश्वास आपसे उठ जाता है. और फिर ऐसी दूरी आती है कि कभी वह खाई पट नहीं पाती. बेहतर होगा, दोस्ती में किसी तरह का, खासकर पैसे का लेनदेन न किया जाए.

2. पार्टनरशिप : कुछ अपवादों को छोड़कर पार्टनरशिप वाला बिजनेस कभी न कभी टूटता जरूर है और वह भी बुरे नोट पर. ज्यादातर समय पार्टनरशिप दोस्तों की वजह से नहीं, परिवार वालों की वजह से टूटता है. परिवार के सदस्य इस बात को दिमाग में भरना शुरू कर देते हैं कि आपका दोस्त आपको मूर्ख बना रहा है. सारा काम आप करते हैं, सारा प्रॉफिट वह ले जा रहा है. पार्टनरशिप में एक दोस्त के अंदर खोट आ जाने पर भी दोस्ती टूट जाती है. अगर पार्टनरशिप वाला बिजनेस करना ही है, तो लिखित रूप से सारे टर्म क्लियर रखें, और निश्चित समय के लिए ही पार्टनरशिप करें.

3. लड़का या लड़की : साधारण तौर पर अनमैरिड युवाओं में यह समस्या आती है. किसी लड़की की जिंदगी में कोई लड़का आया नहीं कि वह अपने अन्य दोस्तों से किनारा कर लेती है. यही बात लड़कों के साथ भी लागू होती है. भले ही उसके साथ आप अपनी दोस्ती बढ़ाएं, लेकिन उसके चलते अपने पुराने भरोसेमंद दोस्तों को अनदेखा करना सरासर बेवकूफी है.

4. सफलता : किसी दोस्त को थोड़ी बड़ी सफलता क्या मिल जाती है, उसमें अजीब सा घमंड या अहम आ जाता है. कोई थोड़ा ज्यादा पैसा क्या कमाने लगता है, अपने दोस्तों पर रौब झाड़ने लगता है. अच्छी नौकरी पाना, अच्छा पैसा कमाना तो खुशी की बात है. अपनी खुशी में दोस्तों को भी शामिल करें. सफलता को अपने सिर पर न चढ़ने दें, पुराने दोस्तों को संभाल कर रखें.

5. फेंकना : दिखावा दोस्ती को ले डूबता है. यह गाड़ी इतने में ली है, अभी-अभी मैंने आईफोन खरीदा है, मैं तो ब्रांडेड प्रोडक्ट ही यूज करता हूं, अगले महीने हम लोग यूरोप की यात्रा पर जा रहे हैं. आपको लगता है कि इस तरह की बातें बोलकर आप दूसरों पर बड़ा अच्छा इंप्रेशन डालते हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं. लोग आपकी पीठ पीछे हंसते हैं. आपको फेंकू उपनाम देते हैं. दोस्ती बरकरार रखनी है तो फेंकना बंद करें .

6. गिव एंड टेक : इसका अर्थ है बराबरी का लेनदेन. अगर आपका दोस्त आपको उपहार देता है, तो समय आने पर आप भी उपहार दें. वह खाने का बिल पे करता है, तो आप गाड़ी या यात्रा का बिल पे करें. हमेशा उसी के कंधे पर बैठकर ऐश न करें. बराबरी पर लेनदेन होने से दोस्ती कभी नहीं टूटेगी.

7. गलतफहमियां : गलतफहमियां रिश्ते में दरार लाती हैं. अक्सर हम दूसरे-तीसरे से सुनते हैं. इससे गलतफहमियों की खाई बढ़ते जाती है और अंततः दोस्ती टूट जाती है. गलतफहमी दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है डायरेक्ट बात करना.

8. बहस : दोस्ती में जाति, धर्म, राजनीति नहीं लानी चाहिए. दोस्तों के राजनैतिक विचार अलग हो सकते हैं, धार्मिक मान्यताएं अलग हो सकती हैं. किसी मुद्दे पर हेल्दी बहस हो सकती है, लेकिन दूसरा गलत है, मैं ही सही हूं, यह रवैया नहीं होना चाहिए.

मूल मंत्र : ओ. हेनरी का कहना है – दोस्ती कोई एक्सीडेंट नहीं होता. खलील जिब्रान ने बिल्कुल सही कहा है – फ्रेंडशिप एक मीठी जिम्मेदारी है, कोई अवसर नहीं. दोस्ती कायम रहे इसके लिए स्वार्थ से ऊपर उठकर प्रयास करते रहना जरूरी है.

दूर देश में देसी खाना

दूर देश में घूमना, वहां की संस्कृति, खानपान को नजदीक से देखना, अब तक फिल्मों में जिन नजारों को देखा या किताब के पन्नों में पढ़ कर जिसकी कल्पना रेखा मन-मस्तिष्क में खींची, उन्हें आंखों के सामने साकार देखना वाकई अलग अनुभूति है...यकीनन कम ही लोग इस सुख को प्राप्त कर पाते हैं. बावजूद इसके दूर देश की जमीं पर कुछ तो है जो "मिस" होता है, जिसकी याद, जिसकी तलब में कुछ पल के लिए ही सही, सब कुछ फीका सा लगता है. यह है अपना देसी खाना, देसी स्वाद. यह दूध- चाय पत्ती के साथ उबली अदरक वाली चाय की तलब हो सकती है तो कभी बिल्कुल दाल-भात-चोखे जैसे सिंपल से खाने की. अपने देश में ऊंची कीमत चुका कर बड़े रेस्त्रां में भले विदेशी फूड का स्वाद लें और उसे स्टेटस पर शेयर कर खुश हो लें, पर दूर देश में जाने पर खिचड़ी और लिट्टी जैसी चीजें भी अपनी तलब से परेशां कर सकती है. आज सुकून के साथ ऐसे ही अनुभव से हों रू-ब-रू

किरण निशांत

लिट्टी के लिए तरस गई

खूब विदेश में घूमी हूं और जहां गई, कोशिश रही कि वहां का स्थानीय खाउं. मैं यात्रा के दौरान वहां का स्थानीय खाना खूब पसंद से खाती हूं. लेकिन कुछ देसी स्वाद ऐसे हैं जिसकी तलब इस पसंदगी पर भारी पड़ती है. जैसे अदरक वाली चाय. सौभाग्यशाली रही कि ऐसी चाय कहीं कहीं मिल गई. लेकिन 27 दिनों की यूरोप यात्रा के दौरान प्रिय लिट्टी कहीं नहीं मिली. मैं बिहारी हूं तो लिट्टी विशेष प्रिय है. महाराष्ट्रीयन पति को जो दो बिहारी खाना अधिक पसंद है, उसमें लिट्टी और पीठा शामिल है. लेकिन मैं लिट्टी कहीं नहीं पा सकी.

गीले चावल–फीकी सब्जी

जहां जाती हूं, इंडियन रेस्त्रां जरूर खोज निकालती हूं. लेकिन खिचड़ी खाने की तलब होती है तो ये भी जल्दी पूरी नहीं कर पाते. कंबोडिया में थोड़े दूसरे तरह की पकौड़ी और जरा गीले से चावल (बेहद सुगंधित जास्मीन राइस) इंडियन फूड की तरह तृप्त कर गए थे. वियतनाम में भी थोड़ी फीकी सी सब्जी और गीले चावल मिले जिसमें भारतीय स्वाद की तलाश जिह्वा करती रही.

विदेश यात्रा और करवा चौथ

सबसे आश्चर्य तब लगा जब करवा चौथ के लिए दिन भर की भूखी मेरी मित्र को भारतीय होटल वाले ने आटे के दीए में देसी घी डाल कर दिया और चांद को छन्नी से देखने के बाद उसके सामने आलू-टमाटर की खालिस देसी स्वाद वाली सब्जी और पूरी सामने परोस दी. उफ! या स्वाद था, मन तृप्त हो गया.

वेज बन जाने का जी करता

स्वाद की बात होती है तो मॉरिशस भी याद आता है जहां के होटल का खाना वाकई बकवास था. देसी अंदाज के नॉनवेज की यहां खूब तलब हुई, पर नहीं मिली. सोच लिया था कि अब तो बिल्कुल शाकाहारी हो जाना है. लेकिन तभी आईलैंड गई जहां मुगलई थीम पर खाना परोसा गया. बिल्कुल अपने अंदाज का नॉनवेज खाना मन खुश कर गया.

इंडोनेशिया के वे दस दिन

मैं एक राजस्थानी शाकाहारी व्यक्ति हूं, जिनके रसोईघर में आज भी प्याज लहसुन नहीं जाते. हालांकि मैं बाहर प्याज लहसुन खा लेता हूं. विदेश में कई बार खाने के बारे में हम जो सोच कर जाते हैं उससे कहीं बहुत अलग अनुभव भी मिल जाते हैं. ऐसा मेरी 2022 की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हुआ. जैसे ही मेरा कार्यक्रम इंडोनेशिया के लिए बना मैंने इसके बारे में पढ़ा कि किसी समय यह अखंड भारत का ही एक अंग था. अभी इसकी 90% आबादी इस्लाम धर्म की है पर आज भी वहां भगवान राम और भगवान गणेश के ना सिर्फ बड़े-बड़े मंदिर है बल्कि कुछ मुद्राओं में उनकी तस्वीर भी है. मैंने यही सोचा कि इसका मतलब यहां मुझे भारतीय खाने की कोई दिक्कत नहीं होने वाली है. वैसे भी 10 दिनों का कार्यक्रम था तो साथ में बहुत कुछ ले जाना संभव नहीं था. कुछ वर्षों पहले थाईलैंड भी गया था तो वहां भारतीय खाना आराम से मिल गया था.

गिरिजा शंकर पेड़ीवाल

पनीर या रॉ चिकेन!

अब दूसरे दिन की बारी थी. फिर सुबह होटल में ब्रेकफास्ट पर सलाद लेते समय कच्चे पनीर के पीस भी दिखे तो वह भी ले लिए. अचानक खाने से पहले सोचा कि एक बार कंफर्म कर लूं तो वहां के मैनेजर से पूछा किया क्या है तो उन्होंने कहा ₹रॉ चिकेन₹ यानी चूजे का कच्चा मांस है जो कंप्रेस करके रखा गया है जो बिल्कुल पनीर के जैसा लग रहा है. मैं ईश्वर का धन्यवाद दिया कि बाल बाल बचा. अब मैंने पूरी प्लेट टेबल पर ऐसे ही छोड़ दी तो वहां के वेटर ने मुझे टोका कि आप वेस्टेज क्यों कर रहे हैं. जब मैंने उसे समझाया तो वह अपने मैनेजर को बुला कर ले आया. मैनेजर इंग्लिश कम समझता था इसलिए उसने इंडिया सुनकर अपने मुख्य रसोईया को बुलाया तो मुख्य रसोईया ने मुझे सिर्फ इतना पूछा कि जैन फूड? मेरी तो जान में जान आई और मैंने कहा कि हां बिल्कुल. उसने मैनेजर को कहा कि इन्हें क्या चाहिए मैं ला देता हूं अब आप टेंशन ना लें. फिर उसने भेज पुलाव बनाया और साथ में दूध वाली कॉफी बना कर दिया. पेट भर खाने के बाद फिर से दोपहर में उसे फैक्ट्री में पहुंचा जहां से पहले दिन भूखा लौटा था. पहुंचते ही फैक्ट्री मालिक ने कहा कि आज आपको परेशान नहीं होना पड़ेगा क्योंकि मेरी एक कर्मी आपकी तरह ही वेगान फूड खाती है. वह अपने हाथों से बनाकर लाएगी.

भूख पर वज्रपात

जकार्ता, इंडोनेशिया के लिए सीधी उड़ान नहीं थी. क्वालालंपुर, मलेशिया में विमान बदलना था. साथ लाया हुआ भारतीय खाना था, इसलिए मलेशिया में कोई दिक्कत नहीं हुई और इंडोनेशिया जा पहुंचा. बचा खुचा भारतीय खाना भी रात को खाकर समाप्त कर दिया. जकार्ता में पांच सितारा होटल चिपुत्रा में ठहरा था. सुबह फ्री ब्रेकफास्ट में पहुंचा तो देखा कि लगभग ढाई सौ तरह के व्यंजन लगे थे पर एक भी शाकाहारी व्यंजन नहीं था. पाव रोटी में भी अंडे डाले गए थे. वहां के मैनेजर मुझे समझाने लगा कि अंडा तो शाकाहारी होता है. फिर किसी तरह वह समझा कि वेज नहीं वेगान फूड चाहिए, जो वहां नहीं था. एक खास बात और थी कि अधिकतर चीजों में गाय का मांस मिला हुआ था, मानो यह वहां की परंपरा का हिस्सा था. मैंने केवल सलाद लिया और जूस पिया. अब दोपहर में एक गांव में स्थित एक बड़े कारखाने में पहुंचा. वहां फैक्ट्री मालिक ने अच्छा स्वागत किया और हमारी कारोबारी बातें होने लगी. फिर उन्होंने मेरे सामने नाश्ता लगाया तो मैं उनसे कहा कि मुझे पूरी तरह शाकाहारी भोजन चाहिए. उन्होंने असमर्थता जाहिर करते हुए एक होटल का मेनू खोलते हुए कहा कहा कि आप फोटो देखकर इसमें सेलेक्ट कर लीजिए पर वहां कुछ भी खाने को नहीं दिखा तो अंत में निर्णय लिया कि मूंगफली का पैकेट ही मंगा लिया जाए ताकि कुछ तो पेट भरे. जब पैकेट आया तो भूख पर वज्रपात हो चुका था क्योंकि उसे पर भी लिखा था पॉलिश्ड बाय एग यानी अंडे से पालिश किया हुआ. किसी तरह से भूख मारते हुए शाम को वहां से निकाल कर इंटरनेट पर जकार्ता के एक इंडियन रेस्टोरेंट ₹द साल्ट₹ को खोजा और वहां जाकर बेस्वाद भारतीय खाना रोटी, सब्जी और चटनी खाया, वो भी मात्र 1800 भारतीय मुद्रा में.

गादो–गादो का वह स्वाद

शाम 4:00 जब भूख बहुत जोर से लग चुकी थी उस फैक्ट्री की कर्मी ने एक व्यंजन मेरे सामने रख दिया और कहा कि दिस इस वेगान ₹गादो गादो₹. मैंने कंफर्म किया नो एग, नो फिश, नो मीट, नो बीफ...? बोली हां, ओनली वेज, राइस, शुगर, साल्ट, चिल्ली. खुशी से धन्यवाद देते हुए जैसे ही पहले कौर खाया, आंसू निकल पड़े, पर यह खुशी के आंसू नहीं थे. एक ऐसा व्यंजन था जिसमें आधी उबली हुई पत्तेदार सब्जियों के साथ चावल दिया गया था जिसमे चीनी और मिर्च बराबर मात्रा में डाल दी गई थी और साथ में थोड़ा नमक भी. मेरी तो ऐसी खराब स्थिति थी कि ना तो खाते बन रहा था ना उगलते बन रहा था. किसी तरह से आधा प्लेट खाया और कहा कि मेरा पेट भर गया है और वापस निकल भागा.

ठंडी–ठंडी चाय और स्टैंडर्ड वाले नूडल्स

मैं एक चाय प्रेमी हूं और सबसे खराब अनुभव यह था कि इंडोनेशिया में कहीं कहीं केवल ठंडी लिकर चाय मिलती है कोल्ड ड्रिंक की तरह. अब दो दिन में ही मैं पूरी तरह निराश हो चुका था और एक ही आशा बची थी वह था जिस होटल में मैं रुका था वहां का वेज पुलाव. बाकी के बचे दिन बस यही खा खा कर गुजारा किया. वापसी में फिर कुआलालंपुर, मलेशिया रुकाण. एयरपोर्ट पर जितने भी लाउंज थे सभी मांसाहारी थे और एक जगह नूडल्स दिखा, पर सब में बीफ यानी गौमांस. मैंने एक तरीका खोजा और वहां के कर्मी से कहा कि तुम्हारे पास जो उबले हुए नूडल्स हैं उसे साफ कढ़ाई में छौंक दो और केवल नमक डाल कर दे दो. पैसे पूरे ले लेना पर और कुछ मत डालना. पर बन्दा नहीं माना. बोला हमारा स्टैंडर्ड कमजोर नहीं कर सकता चाहे आप दुगने पैसे दे दो.

किसी तरह वहां से गुड़ वाले पॉपकार्न खरीदे और उसे ही खाते हुए कोलकाता एयरपोर्ट रात 1 बजे पहुंचा. भूख के मारे हालत खराब थी और पता चला एयरपोर्ट के लाउंज भी सुबह 4:00 खुलेंगे. अब आप समझ ही चुके होंगे कि लाउंज खुलने के पहले उनके गेट पर सबसे पहले ग्राहक मैं ही खड़ा था. मेरे पास रिगलिया क्रेडिट कार्ड था, यानी उस लाउंज में मेरे पैसे नहीं लगने थे, पर भूख मर चुकी थी और जैसे-तैसे थोड़ा बहुत खाकर रांची की अगली फ्लाइट पकड़ने निकल चुका था.

रमता जोगी :

जादू भरी दुनिया जहां जीवंत होती कहानियां

नुपूर अशोक

कल्पना का एक लोक जिसमें परियां होती हैं और आनंद ही आनंद होता है, हर बच्चे को आकर्षित करता है. इसी कल्पना लोक को वाल्ट डिज्नी ने धरती पर उतार दिया जिसे हम डिज्नी वर्ल्ड के नाम से जानते हैं. यहां जाना न सिर्फ बच्चों का बल्कि बड़ों का भी सपना होता है. इस दुनिया को देखने हम पहुंचे अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के छोटे से शहर - ओरलैंडो में. यह शहर डिज्नी वर्ल्ड के साथ-साथ अन्य कई थीम पार्कों के लिए मशहूर है जिनकी जादू भरी दुनिया में आप कहानियों के लोक का स्वर्गिक आनंद उठा सकते हैं और साथ ही ढेरों एडवेंचर राइड्स का रोमांच भी अनुभव कर सकते हैं. दरअसल इन पार्कों के अलावा इस शहर में जो कुछ भी है वह भी इन्हीं से जुड़ा हुआ है जैसे होटल, रेस्टोरेंट, दुकानें वगैरह. इन थीम पार्कों के अपने भी ढेरों होटल और रिसॉर्ट्स हैं जहां दुनिया भर से आने वाले सैलानी छुट्टियाँ मनाने आते हैं.

किसी एक पार्क को पूरा देखने के लिए एक पूरा दिन भी काफी नहीं है इसलिए एक दिन से लेकर एक महीने तक के टिकट उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपने समय के मुताबिक ले सकते हैं. बल्कि इनसे भी ज़्यादा अवधि के टिकट लेने का विकल्प भी है यदि आप बार-बार अपनी छुट्टियां यहीं बिताना चाहें. बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता तो यहां आते ही हैं, बुजुर्ग और युवा वर्ग के भी सैलानी उतनी ही संख्या में आते हैं. एक ओर जहां यहां दौड़ते भागते बच्चे नज़र आते हैं, वहीं बुजुर्गों के लिए मोटराइज्ड व्हील चेयर भी किराए पर उपलब्ध हैं जिसे लेकर आप कई एकड़ों में फैले हुए पार्कों की सैर कर सकते हैं. जाहिर है इतने बड़े पार्कों में एक साथ हजारों सैलानी आते हैं. इसलिए जितने विशाल पार्क हैं, उतने ही विशाल उनके पार्किंग स्थल हैं. ऐसे ही एक विशाल पार्किंग स्थल पर पहुंच कर हमने अपनी गाड़ी पार्क की. वहां से एक टॉयट्रेननुमा सड़क पर चलने वाली गाड़ी में बैठ कर हम एक ट्रेन

स्टेशन पर पहुंचे. यहां से हम उस ट्रेन में सवार हुए जो हमें पार्क के मुख्य द्वार पर ले जाने वाली थी. ऊंचे खंभों पर बनी इस ट्रेन लाइन से दूर दूर तक के आकर्षक दृश्य दिखाई दे रहे थे और हमारी उत्सुकता भी बढ़ती जा रही थी.

आखिरकार हम पार्क के मुख्य द्वार के करीब पहुंच गए और गेट पर टिकट वगैरह चेक कराते हुए पार्क के अंदर पहुंचे. सारे दिन इस पार्क में घूमते हुए हमने कई राइड्स का आनंद लिया. कुछ मंथर गति वाली तो कुछ तेज तर्रार. खाने पीने की और ख़रीदारी की भी ढेरों जगहें. कहीं डिज्नी के कैरेक्टर्स घूमते-फिरते मिले और कहीं कई और किरदार भी, जैसे मेरा फेवरिट-कैप्टन जैक स्पैरो.

शाम को यहाँ की आतिशबाज़ी देखकर हम बाहर निकले और पहुंचे 'फूड्क्स ऑफ द वर्ल्ड' में. यह एक अनोखी जगह है जहां अलग-अलग फूड्क्स पर दुनिया के सभी प्रमुख देशों का खाना मिलता है-मेक्सिकन, कोरियन, स्पैनिश, लेबनीज़, वियतनामी, जापानी, अरब, हिन्दुस्तानी इत्यादि. सजे-धजे ट्रक्स की इस दुनिया में हमने तरह-तरह के खाने का स्वाद लिया और सारे दिन की थकान उतारने अपने रिसॉर्ट वापस पहुंचे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच मुकाबला आज

अभियान को ढर्रे पर लाने के लिए सनराइजर्स के खिलाफ आरसीबी की नजरें गेंदबाजों पर

मैच शाम 7:30 से शुरू होगा

भाषा । बेंगलुरू

लगातार खराब प्रदर्शन से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को इंडियन प्रीमिया लीग के मैच में अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अभी तक चल नहीं सके हैं. रॉयल चैलेंजर्स के पास नामी गिरामी खिलाड़ी और मशहूर कोच हैं, लेकिन अभी तक उनकी कोई रणनीति कारगर साबित नहीं हुई है. छह मैचों में एकमात्र जीत के साथ टीम दसवें स्थान पर है. इसका कारण उसके गेंदबाजों का असरदार साबित नहीं होना भी है. वे हालात के अनुरूप प्रदर्शन कर पाने में नाकाम रहे हैं. इस आईपीएल में गेंदबाजों ने वैरिएशन पर काम किया है ताकि अति आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सके लेकिन आरसीबी के गेंदबाज ऐसा नहीं कर पाये. वे एक ही दिशा में सोचते चले आ रहे हैं, जिससे बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में कोई मुश्किल नहीं हो रही. मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों ने 196 रन बनाये लेकिन मुंबई ने सिर्फ 15.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. ओस या छोटी सीमारेखा को बहाना नहीं माना जा सकता जब गेंदबाज 13 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटा रहे हों. आरसीबी के गेंदबाजों में जीत की ललक या जुझारूपन का अभाव साफ दिख रहा है.

खास बातें

- छह मैच में एक जीत के साथ दसवें स्थान पर है आरसीबी
- छह अंक के साथ पांचवें स्थान पर है हैदराबाद टीम

अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं हैदराबाद के गेंदबाज

अभी तक हैदराबाद के गेंदबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. शाहबाज अहमद और मयंक मार्कंडेय ने 11 से अधिक की औसत से रन दिये हैं. हैदराबाद के पास हालांकि कप्तान पैट कमिंस के रूप में संकटमोचक है, जिसने छह विकेट लिये हैं और सात की औसत से रन दिये हैं. वह नयी गेंद से या बीच के ओवरों में दूसरे बदलाव के तौर पर या डैथ ओवरों में हर जगह अच्छी गेंदबाजी करने में कामयाब रहे हैं. टी नटराजन के आने से गेंदबाजी में संतुलन आ गया है. आरसीबी के पास विराट कोहली जैसा तुरूप का इक्का है जो इस समय आरेंज कैप पहने है. वहीं फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने भी मुंबई के खिलाफ अर्धशतक बनाये थे. ग्लेन मैक्सवेल का फॉर्म हालांकि चिंता का सबब बना हुआ है.

हैदराबाद के बल्लेबाजी मजबूत

दूसरी ओर हैदराबाद के पास हेनरिच क्लासेन (186) और अभिषेक शर्मा (177) जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं जबकि ट्रेविस हेड (133) भी लगातार अच्छा खेल रहे हैं. एक ईकाई के रूप में ये किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं. पांच मैचों में छह अंक लेकर फिलहाल पांचवें स्थान पर काबिज सनराइजर्स की भी कमजोर कड़ियां हैं.

टीमें

- **सनराइजर्स हैदराबाद:** जयदेव उनादकट, जे सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मार्करम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक
- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर :** फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान

फिल साल्ट की नाबाद 89 रन की आक्रामक पारी से जीता कोलकाता

लखनऊ पर केकेआर की पहली जीत

- 08 विकेट से जीती कोलकाता की टीम
- 89 रन की पारी खेली फिल साल्ट ने

भाषा । कोलकाता

फिल साल्ट की नाबाद 89 रन की आक्रामक पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को 26 गेंद शेष रहते आठ विकेट से शिकस्त दी। साल्ट ने 47 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के लगाने के साथ कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 76 गेंदों में 120 रन की अटूट साझेदारी की. अय्यर ने 38 गेंद में नाबाद 38 रन की संयमित पारी के दौरान छह चौके जड़े. एलएसजी की पारी को सात विकेट पर 161 रन पर रोकने के बाद केकेआर ने 15.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर पांच मैचों में चौथी जीत दर्ज की. एलएसजी के लिए सिर्फ मोहसिन खान ही गेंद से प्रभावित कर सके उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट लिये. टीम ने 22 अतिरिक्त रन लुटाये.

लाल व हरी जर्सी के साथ मैदान में उतरी एलएसजी

एलएसजी की टीम इस मैच में स्थानीय दिग्गज फुटबॉल क्लब मोहन बागान सुपरजायंट्स की ऐतिहासिक लाल और हरे रंग की जर्सी में मैदान में उतरी थी.

छह मैचों में तीसरा मैच हारा लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स की यह छह मैचों में तीसरी हार है. निकोल्स पूरन (32 गेंद में 45 रन) और कप्तान लोकेश राहुल (27 गेंद में 39 रन) की उपयोगी पारियों से एलएसजी को 160 रन से अधिक स्कोर तक पहुंचाया. पूरन ने आखिरी ओवरों में चार छक्के और दो चौके लगाये जबकि राहुल ने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाये. पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले आयुष बडोनी ने 27 गेंद में दो चौके और एक छक्का की मदद से 29 रन बनाये. इन तीनों के अलावा टीम का कोई अन्य बल्लेबाज 10 रन के आंकड़े को पार नहीं कर पाया. केकेआर के लिए मिचेल स्टार्क ने 28 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि सुनील नारायण ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर एक विकेट लिया. वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसेल को भी एक-एक सफलता मिली.

एक ओवर में शमार जोसेफ ने दिए 10 अतिरिक्त रन

लक्ष्य का बचाव करते हुए एलएसजी के लिए पदार्पण कर रहे शमार जोसेफ का पहला ओवर घटना प्रधान रहा। नारायण (छह) ने इस ओवर में चौका तो वही साल्ट ने छक्का लगाया जबकि 10 रन अतिरिक्त के कोटे में रहे. टीम में वापसी कर रहे मोहसिन ने अपने अगले दो ओवरों में नारायण और अंगकृष रघुवंशी (सात) को पवेलियन की राह दिखायी. इस बीच तीसरे ओवर में कृणाल के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाने वाले साल्ट ने छठे ओवर में यश ठाकुर की शुरुआती दो गेंदों को सीमा रेखा के पार भेजा. पावरप्ले में केकेआर का स्कोर दो विकेट पर 58 रन था. सातवें ओवर में जोसेफ की गेंद पर मैदान अंपायर ने अय्यर को आउट करार दिया लेकिन रिव्यू लेने के बाद वह बच गये. गेंद उनकी जांघ पर लगकर विकेटकीपर के हाथों में गयी थी.

अंजू और हर्षिता फाइनल में पहुंचे

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

भाषा । बिश्केक (किर्गिस्तान)

भारतीय पहलवान अंजू व हर्षिता ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपने-अपने वर्ग में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनायी, जबकि अनुभवी सरिता मोर शुरुआती दौर में अप्रत्याशित हार के बाद बाहर हो गई. हाल ही में राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में विनेश फोगाट को हराकर सुर्खियां बटोरने वाली रेलवे की पहलवान अंजू ने फिलीपींस की आलिया रोज गावलेज और श्रीलंका की नेथमी अहिंसा फर्नांडो के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की थी. सेमीफाइनल में उन्हें चीन की चेन लेई से कड़ी टक्कर मिली लेकिन वह 9-6 से जीत दर्ज करने में सफल रही. स्वर्ण पदक के लिए अंजू के सामने कोरिया की जि हयांग किम की चुनौती होगी. हर्षिता ने फाइनल तक के सफर में सिर्फ तीन अंक गंवायें. उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओजोदा जरीपबोएवा को तकनीकी श्रेष्ठता (13-3) से हराने के बाद कजाकिस्तान की अनास्तासिया पानासोविच को 5-0 से मात दी. फाइनल में उनका मुकाबला चीन की कियान जियांग से होगा.

खास बातें

- सेमीफाइन में अंजू ने चीन की चेन लेई को 9-6 से हराया
- फाइनल में कोरिया की जि हयांग किम से भिड़ेंगी अंजू
- फाइनल में हर्षित का सामना कियान जियांग से होगा

क्वाफा में हारीं सरिता

भारतीय टीम को हालांकि 2021 विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता सरिता की हार से बड़ा झटका लगा. सरिता अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला मंगोलिया की गंटुया एनखबत से 8-4 से हार गईं. 28 साल की यह खिलाड़ी इस श्रेणी में पदक की प्रबल दावेदार थी. सरिता को हराने के बाद एनखबात अपना सेमीफाइनल हार गईं, जिससे भारतीय पहलवान के लिए रेपेचेज का रास्ता बंद हो गया. मनीषा भानवाला (62 किग्रा) और अंतिम कुंडू (65 किग्रा) कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे.

अक्षय तीसरे दौर में चूके,शेफलेर को बढ़त

आगस्टा । भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया ने 88वें आगस्टा मास्टर्स के तीसरे दिन दो ओवर 74 के स्कोर के साथ शीर्ष दस में रहने का मौका गंवा दिया. पिछले सप्ताह वालेरो टैक्सास ओपन जीतने वाले 22 वर्ष के भाटिया पांच ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं. वहीं भारतीय मूल के ही साहित थीगाला संयुक्त 36वें स्थान पर हैं, जिन्होंने छह ओवर के साथ लगातार तीसरे दिन 74 स्कोर किया. दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफलेर ने सात अंडर के साथ एकल बढ़त बना ली है.

धवन कम से कम सात से दस दिन के लिए बाहर : बांगड़

भाषा । मुल्लांपुर

राजस्थान रॉयल्स से करीबी मुकाबला हारने के बाद पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख संजय बांगड़ ने संकेत दिया कि कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण कम से कम सात से दस दिन बाहर रहेंगे. धवन रॉयल्स के खिलाफ भी नहीं खेल सके थे जिनकी जगह सैम कुरेन ने कप्तानी की थी. बांगड़ ने कहा कि उसके कंधे में चोट लगी है और वह कुछ दिन और बाहर रहेगा. शिखर जैसा अनुभवी सलामी बल्लेबाज टीम के लिये बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा कि देखना होगा कि उपचार कैसा रहता है. इस समय तो लग रहा है कि वह कम से कम सात से दस दिन नहीं खेल सकेगा. सत्र की शुरूआत में कप्तानों की बैठक में पंजाब की नुमाइंदगी जितेश शर्मा ने की थी चूंकि धवन बुखार के कारण मुल्लांपुर में ही रह गए थे. इसे देखते हुए रॉयल्स के खिलाफ टॉस के लिये कुरेन का आना हैरानी भरा था लेकिन बांगड़ ने कहा कि उनकी भूमिका हमेशा से तय थी.

लगातार अच्छा खेलने का दबाव है : हेड

भाषा । बेंगलुरू

- टी-20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता करना चाहते हैं ट्रेविस हेड
- हेड ने कहा, सुनिश्चित करता हूं कि बेसिक चीजों पर अडिग रहूं

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने 2023 में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें पता है कि यह स्तर बनाये रखना चुनौतीपूर्ण है और इस सफर का पहला पड़ाव टी-20 विश्व कप होगा. हेड ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और 50 ओवरों के विश्व कप में शतक जमाये थे. अब वह इंडियन प्रीमियर लीग के जरिये जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता करना चाहते हैं. हेड ने कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर मैने लंबा सफर तय किया है. मेरी अपनी शैली है और विदेश में भी उसी तरह खेलता हूं. अब लगातार अच्छा खेलने का दबाव है. उन्होंने कहा कि सभी प्रारूपों में यह मैं सुनिश्चित करता हूं कि बेसिक चीजों पर अडिग रहूं. यही मेरी तकनीक और ब्लूप्रिंट है. उन्होंने कहा कि विश्व कप अब करीब है और उम्मीद है कि सनराइजर्स टीम में रहने और शीर्षक्रम पर खेलने से मेरी तैयारी पुख्ता होगी.

इस लय को विश्व कप में लेकर जा सकूंगा. आईपीएल का पूरा सत्र खेलने से विश्व कप से पहले थकान या चोट का मसला हो सकता है. यह पूछने पर उन्होंने कहा कि यह अहम है कि पूरे आईपीएल में मानसिक रूप से तरोताजा रहूं और अपने खेल पर काम करता रहूं. यह सुनिश्चित करूं कि विश्व कप के लिये पूरी तरह से तैयार हूं. मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं तैयार हूं.

रांची ओपन टेनिस चैंपियनशिप सीजन दो संपन्न

पटना के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

खेल संवाददाता । रांची

रांची ओपन टेनिस चैंपियनशिप सीजन दो का समापन रविवार को हुआ. रांची के खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वाइल्डकार्ड टिकट द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में पटना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर बाजी मारी. इस प्रतियोगिता में विभिन्न शहरों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जायसवाल ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया.

आदित्य विक्रम जायसवाल ने रांची ओपन टेनिस चैंपियनशिप के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसा आयोजन होते रहना चाहिए, इससे बच्चों को खेल के प्रति बढ़ावा मिलता है. यह काफी सराहनीय कदम है. एक बहुत पुरानी कहावत है विजेता सिर्फ वो नहीं जो जीतता है, बल्कि विजेता तो वो है, जो बाहर निकलकर खेलता है और कोशिश करता है. चैंपियंस तब तक खेलते है जबतक वो जीत ना जाये और अपनी मुकाम न हासिल कर ले. मौके पर जीशान, जितेंद्र, रफीक, अनिमेष और दिलीप मौजूद थे.

प्रतियोगिता का परिणाम

- **अंडर-10 पुरुष :** विजेता- अंकुर (पटना)
- **अंडर-12 पुरुष :** विजेता- अंकुर (पटना)
- **अंडर-12 महिला :** विजेता- आशी (पटना)
- **अंडर-14 पुरुष :** विजेता- अर्श (रांची)
- **अंडर-14 महिला :** विजेता- आशी (पटना)
- **अंडर-16 पुरुष :** विजेता- समर्थ (रांची)
- **अंडर-16 महिला :** विजेता- अदिति (पटना)
- **अंडर-18 पुरुष :** विजेता- हेमंत (पटना)
- **अंडर-18 महिला :** विजेता- अदिति (पटना)
- **पुरुष एकल:** विजेता- राजन (पटना)
- **महिला एकल:** विजेता- अदिति (पटना)
- **पुरुष डबल्स :** विजेता- राजन और एन के सिंह (पटना)
- **महिला डबल्स :** विजेता- शीन और गौरी (पटना)
- **मिक्स डबल्स :** विजेता- राजन और गौरी (पटना)
- **अंडर 12 गर्ल्स डबल:** विजेता - आशी और ज़रिया (पटना)
- **अंडर 18 बॉयज डबल:** विजेता - हेमंत और अंकुर (पटना)
- **वेटरंस सिंगल 35 :** विजेता - राजेश (रांची)
- **वेटरंस डबल्स 45 :** विजेता: राजन और एनके सिंह (पटना)

मेजर लीग सॉकर | लियोनेल मेस्सी व लुइस सुआरेज का शानदार प्रदर्शन

इंटर मियामी ने स्पोर्टिंग कैनसस सिटी को हराया

भाषा । कैंसास सिटी

करिश्माई खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायक की भूमिका निभाई, जिससे इंटर मियामी सीफ ने एमएलएस (मेजर लीग सॉकर) में स्पोर्टिंग कैनसस सिटी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया. इंटर मियामी के लिए इस मैच में मेस्सी के साथ दिग्गज लुइस सुआरेज ने भी गोल किया. टीम के लिए एक अन्य गोल डिएगो गोमेज ने दागा. मेस्सी और सुआरेज जैसे बड़े खिलाड़ियों को देखने के लिए स्टेडियम में बड़ी संख्या (72,610) में प्रशंसक पहुंचे थे. एमएलएस इतिहास में तीसरी सबसे बड़ी भीड़ के सामने मेस्सी ने इस इंटर मियामी के लिए सत्र का अपना पांचवां जबकि सुआरेज ने छठा गोल किया. स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के लिए दोनों गोल एरिक थॉमी (छठा और 58वां मिनट) ने किये.

खास बातें

- रोमांचक मुकाबले में 3-2 से जीती इंटर मियामी की टीम
- मेस्सी, सुआरेज व गोमेड ने एक-एक गोल दागे
- मेस्सी ने एक गोल में सहायक की भी भूमिका निभाई

72,610

प्रशंसक स्टेडियम में पहुंचे मैच देखने

- स्पोर्टिंग कैनसस की ओर से दोनों गोल एरिक थॉमी ने दागे
- एमएलएस के इतिहास में स्टेडियम ने तीसरी सबसे बड़ी संख्य में प्रशंसक पहुंचे

गुकेश ने बनायी संयुक्त बढ़त

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

भाषा । टोरंटो

- गुकेश ने हमवतन विदित गुजराती को हराया
- इयान नोपोम्नियाशि के साथ गुकेश ने बनायी संयुक्त बढ़त
- प्रज्ञानानंदा ने फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला

भारत के डी गुकेश ने हमवतन विदित गुजराती को हराकर कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर के बाद रूस के इयान नेपोम्नियाशि के साथ संयुक्त बढत बना ली है. आर प्रज्ञानानंदा ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला जबकि हिकारू नकामूरा ने फेबियानो कारूआना को हराया. नेपोम्नियाशि को निजात अबासोव ने ड्रॉ पर रोका. टूर्नामेंट के छह दौर अभी बाकी है. गुकेश और नेपोम्नियाशि के पांच अंक हैं जबकि नकामूरा और प्रज्ञानानंदा के 4.5 अंक है. कारूआना चार अंक लेकर पांचवें स्थान पर है. गुजराती के 3.5 अंक हैं, जबकि अबासोव के 2.5 अंक हैं.

महिला वर्ग में हम्पी ने वैशाली को हराया : महिला वर्ग में कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया और अब उनके 3.5 अंक हैं. चीन की झोंग्यी तान को हमवतन टी लेइ ने हराया. अब रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना और लेइ आठ में से पांच अंक लेकर शीर्ष पर हैं. हम्पी और नूरगुल सलीमोवा पांचवें स्थान पर हैं. वैशाली 2.5 अंक लेकर आखिरी स्थान पर है. नौवे दौर में प्रज्ञानानंदा का सामना गुकेश से और नकामूरा का गुजराती से होगा.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में वाहन चालक की हुई मौत

भागलपुर । सड़क हादसे में चालक की मौत हो गई. घटना जीरो माइल थाना क्षेत्र के ओवरब्रिज की है. स्थानीय लोगों ने बताया कि नवगछिया से विक्रमशिला सेतु होकर स्कॉर्पियो जीरोमाइल के तरफ जा रही थी. इसी दौरान लोदीपुर के तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर के बीच भीषण टक्कर हो गई. घटना में ट्रैक्टर और स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. वहीं स्कार्पियो चालक की मौके पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के करीब आधे घंटे के बाद स्कार्पियो चालक को बाहर निकाला.

पुलिस ने इनामी अपराधी को किया गिरफ्तार

बेगूसराय । पुलिस ने इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया. पुलिस ने कुख्यात अपराधी नागमनी महतो गिरोह के सदस्य और पचास हजार के इनामी अपराधी राजा को गिरफ्तार किया है. बता दें कि खोदावंदपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर पश्चिम निवासी राजा पर पचास हजार का इनाम रखा गया था. पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने एक पिस्टल एवं दो जिंदा कारतूस भी बरामद किया. इसकी जानकारी देते हुए मंझौल एसडीपीओ नवीन कुमार ने बताया कि चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुख्यात अपराधी कुम्भी निवासी नागमनी गिरोह का राजा सक्रिय सदस्य है.

ट्रक से 622 किलोग्राम गांजा जब्त, दो धराये

पटना । पटना जोनल यूनिट के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. एनसीबी की टीम जांच कर रही थी. इसी दौरान ट्रक से 622 किलोग्राम गांजा टीम ने जब्त किया. इसके अलावा टीम ने इस मामले में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार भी किया. टीम ने औरंगाबाद में एक ट्रक से गांजा जब्त किया. टीम ने गांजे के साथ ट्रक के ड्राइवर और खलासी को भी गिरफ्तार किया. एनसीबी के जोनल डायरेक्टर अभिषेक आनंद को गुप्त जानकारी मिली थी. उनके आदेश के बाद विभाग एक्शन में आया गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया.

संकल्प पत्र : लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने भाजपा के लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र की तारीफ की

जो गारंटी उसमें लिखी गई है, उसे पूरा किया जाएगा : चिराग पासवान

संवाददाता ।पटना

भाजपा ने लोकसभा चुनाव को लेकर 'मोदी की गारंटी-2024' के नाम से रविवार को घोषणा पत्र जारी कर दिया. इस पर सम्राट चौधरी और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने घोषणापत्र की तारीफ की है. चिराग पासवान ने कहा कि ये ऐसी गारंटी है जो हर गारंटी के पूरा होने की गारंटी है. मेरे पीएम का नाम हर गारंटी को पूरा करने की गारंटी है. ये पिछले एक दशक में हमने इस बात का अनुभव किया है. जो घोषणापत्र जारी किया गया है वो सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं है. जैसे दस साल पहले होता था. उसी तरह आज है. इस बात की गारंटी है कि जो गारंटी

- घोषणापत्र जारी हुआ वो सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं
- घोषणा पत्र में मुफ्त राशन समेत कई वादे किए गए हैं

उसमें लिखी गई है उसे पूरा किया जाएगा. घोषणा पत्र में मुफ्त राशन, निशुल्क इलाज और शून्य बिजली बिल सहित कई वादे किए गए हैं. पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के मुताबिक 'ज्ञान' फॉर्मूले के तहत देश के युवाओं, गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए भी अपने संकल्प पत्र में कई अहम ऐलान किए हैं.

तेजस्वी यादव ने भाजपा पर साधा निशाना: तेजस्वी यादव ने भाजपा के संकल्प पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में बिहार के लिए क्या है? कहा कि मेनीफेस्टों में 60 प्रतिशत युवाओं के लिए कोई जिक्र नहीं है. 80 प्रतिशत किसान हैं. उनके बारे में कोई जिक्र नहीं है. कितनी नौकरी देंगे, कितनी नहीं देंगे, रोजगार और नौकरी की कोई चर्चा नहीं है. बिहार जैसे गरीब प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं है. सिर्फ इधर-उधर की बातें हैं. बिहार की जनता के लिए क्या है. न स्पेशल पैकेज और न ही बिहार को स्पेशल राज्य का दर्जा देने का जिक्र किया गया. महंगाई कैसे खत्म करेंगे, गरीबी को कैसे खत्म करेंगे. इसके बारे में कोई जिक्र नहीं है. वहीं पांच सालों तक मुफ्त राशन की स्कीम बढ़ाए जाने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि फूड सिक्योरिटी बिल कांग्रेस के जमाने से है.

कसा तंज : मंत्री अशोक चौधरी ने राजद पर निशाना साधा, बोले

राजद के माय से एम गायब

संवाददाता ।पटना

लोकसभा चुनाव होने से पहले बिहार की राजनीति में उथल-पुथल जारी है. नेता इधर से उधर जा रहे हैं. पार्टी बदलकर अपना भविष्य सुरक्षित करने में लगे हैं. इसका असर राजद में भी है. राजद में एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं. कटिहार के दिग्गज अशफाक करीम लालू का साथ छोड़कर जदयू में चले गए. इस पर कटिहार में चुनाव प्रचार में गए बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने बड़ा तंज कसा. उन्होंने कहा कि राजद के माय से एम गायब हो गया है. अब अकेला वाई कुछ नहीं कर पाएगा.

राजद से पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने भी किनारा कर लिया है. कटिहार में दूसरे चरण में लोकसभा चुनाव हो रहा है जिसके तहत 26 अप्रैल को वोटिंग होगी. अशोक चौधरी कटिहार में एनडीए के उम्मीदवार दुलाल चंद गोस्वामी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने गए थे. मीडिया से बात करते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि राजद एमवाई समीकरण वाली पार्टी है. लेकिन राजद पार्टी में सिर्फ वाई को स्थान मिलता है.

एम को इज्जत नहीं दी जाती है. यही कारण है कि अवहेलना के शिकार हुए अहमद अशफाक करीम ने राजद से इस्तीफा दिया. नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव एमवाई की बात करते हैं, लेकिन जितनी सीट पर टिकट बांटा गया है उसमें सिर्फ वाय है. एम गायब है. गाड़ी में

26 अप्रैल को कटिहार में है लोकसभा चुनाव की वोटिंग

- राजद से पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने भी किनारा कर लिया
- अशफाक करीम राजद छोड़कर जदयू में चले गए

दो चक्का हो और एक चक्का में हवा नहीं भरा जाएगा तो गाड़ी टेढ़ी हो कर चलेगी. अहमद अशफाक करीम के जदयू में आने पर अशोक चौधरी ने कहा कि हम उनका स्वागत करते हैं. उनके आने से पूरे सीमांचल क्षेत्र में पार्टी मजबूत होगी.

अशोक चौधरी ने दावा किया कि बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए की जीत के लिए सभी दल पूरी ताकत से चुनाव लड़ रहे हैं. बिना भेदभाव किए हर दल के नेता सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं. उन्होंने 2024 के चुनाव में एनडीए के चार सौ पार का भी दावा किया.

राजद में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव हो गया है : देवेंद्र यादव

पटना । लोकसभा चुनाव हुए नहीं और राजद में विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं. अब पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रसाद यादव ने बगावत कर दिया है. उन्होंने पार्टी सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं. रविवार को देवेंद्र ने बताया कि लालू यादव असल में पारिवारिक न्याय के पुरोधा हैं. उन्होंने कहा कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव हो गया है. पार्टी कार्यकर्ताओं के बदले आयातित लोगों को टिकट दिया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि पप्पू यादव के साथ न्याय नहीं किया गया. उन्हें अभिमन्यु की तरह घेरा गया. लेकिन वह लाक्षागृह भेदकर निकलेगा.

सूत्रों की मानें तो वे पार्टी से बाहर जा सकते हैं. हालांकि खुद इस्तीफा देने के बदले पार्टी की ओर से कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंनें नरेंद्र मोदी की तर्ज पर लालू यादव पर सिद्धांत से समझौता और परिवारवाद करने का आरोप लगाया. इससे पहले पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम और पूर्व मंत्री वृषिण पटेल राजद से निकल चुके हैं. अशफाक जदयू में शामिल हो चुके हैं. उससे पहले बांका से राजबल्लभ यादव के भाई विनोद यादव ने पार्टी छोड़कर महागठबंधन के प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा के खिलाफ चुनाव के मैदान में उतर चुके हैं. देवेंद्र यादव ने लालू को चुनौती दी कि यादव समाज के

- देवेंद्र यादव ने लालू को चुनौती दी कि यादव समाज के लोग किसी कोठी के अनाज नहीं हैं

लोग किसी कोठी के अनाज नहीं हैं. आज साम्प्रदायिक लोगों को पार्टी में शामिल किया जा रहा है. अभी तो राजद से विकेट गिरना शुरू हुआ है. अभी देखिए कितना और विकेट गिरेगा. पुराने दिनों को याद करते हुए राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि लालू यादव ने उन्हें जेल से फोन किया था और कहा था कि तेजस्वी को आशीर्वाद दीजिए. हमने अपना फर्ज निभाया लेकिन आज लालू जी सिद्धांत से समझौता कर रहे हैं. बागी रुख दिखाते हुए उन्होंने कहा कि साथियों से विमर्श करके आगे रास्ता तय करेंगे. देवेंद्र यादव नेकहा कि लालू यादव ने कई लोगों का रास्ता रोका. वह उन लोगों का लिस्ट निकालने जा रहे हैं.

राजद में पहले यूज एंड थ्रो था. आज हमारे नेता यूज एंड थ्रो को अपना रहे हैं. उन्होंने कहा कि सच कहना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी हैं. उन्होंने दावा किया किया राजद लोकसभा चुनाव में विधान सभा चुनाव की तैयारी कर रही है.

दुनिया मानती है कि सत्ता में मोदी की वापसी अपरिहार्य : राजनाथ

संवाददाता ।जमुई

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को जमुई जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया. कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों के लिए निमंत्रण मिल रहे हैं, जो इस बात का पुख्ता सबूत है कि दुनिया मानती है कि सत्ता में उनकी वापसी अपरिहार्य है. राजनाथ ने दावा किया कि पूरी दुनिया बोल रही है कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भी भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं.

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक ऐसी शक्ति बन गया है, जो सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने में सक्षम है, जैसा कि सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान देखा गया

था. सिंह ने कहा कि भारत के वैश्विक कद में वृद्धि का एक और उदाहरण सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारियों (कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी) की मोदी द्वारा उक्त पश्चिम एशियाई देश के प्रमुख को एक टेलीफोन कॉल के बाद की रिहाई है. दिल्ली में भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी होने के कुछ घंटों बाद यहां अपने संबोधन में भाजपा के सिंह ने कहा कि अन्य पार्टियों के विपरीत हम जो वादे करते हैं, उन्हें पूरा करते हैं. चाहे वह अयोध्या में राम मंदिर हो या अनुच्छेद 370 को निरस्त करना हो.

तीन तलाक के खिलाफ कानून का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि हमने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की आलोचनाओं की परवाह किए बिना इस अमानवीय प्रथा जिससे हमारी मुस्लिम माताओं और बहनों को अनकहा दुख झेलना पड़ता था, पर रोक लगा दी. हालांकि सिंह ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को 'पुराना मित्र' बताते हुए उनकी बेटी मीसा के हालिया बयान पर नाराजगी व्यक्त की. कहा कि लालू जी के परिवार के सदस्यों का कहना है कि अगर भाजपा बाहर हो गई तो नरेन्द्र मोदी को जेल भेज दिया जाएगा.

नगरपारा में अधेड़ को मौत के घाट उतारा

भागलपुर । पैसों के लेनदेन में एक अधेड़ को मौत के घाट उतार दिया गया. घटना शनिवार की रात की नवगछिया के भवानीपुर थाना क्षेत्र के नगरपारा गांव की है. मृतकों की पहचान किशोर कुमार उर्फ बिक्कल सिंह उम्र 55 वर्ष के रूप में हुई है. इसके विरोध में परिजन उग्र हो गए. उन्होंने कुछ घरों में आग लगा दी. तोड़फोड़ भी की. घटना की जानकारी मिलने के बाद पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची. लोगों को शांत कराया गया. बताया जाता है कि किशोर गांव में ही मुत्रा मंडल की दुकान की मचान पर बैठे थे. उसी समय एक व्यक्ति से पैसों को लेकर उनका विवाद हो गया.

काराकाट सीट से निर्दलीय उतरेंगे कलाकार पवन सिंह

संवाददाता ।पटना

लोकसभा चुनाव में इस बार भोजपुरी एक्टर पवन सिंह चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट शेयर कर बताया कि काराकाट सीट से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरेंगे. दरअसल, पवन सिंह ने एक दिन पहले बसपा सुप्रीमो मायावती से मुलाकात की थी. जिसके बाद कयास लगने लगा कि बीएसपी के टिकट पर पवन सिंह काराकाट से चुनाव लड़ेंगे. बता दें कि चार दिन पहले पवन सिंह ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर काराकाट सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया था. हालांकि उस दिन किए गए पोस्ट में पवन सिंह ने यह नहीं बताया था कि वो निर्दलीय लड़ेंगे या किसी राजनीतिक पार्टी से. इससे पहले भाजपा की ओर से दो मार्च को जारी सूची में पवन सिंह को पश्चिम बंगाल के आसनसोल से उम्मीदवार बनाया गया था. लेकिन टीएमसी द्वारा उनके गाने का एक वीडियो वायरल करने के बाद पवन चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया.

कारोबार

गोल्ड वैल्यू : इंटरनेशनल मार्केट में पहली बार सोने की कीमतों ने 2,300 डॉलर के स्तर को तोड़ा

सोना खरीदने में चीन है आगे

भाषा ।नयी दिल्ली

दुनिया में सोना सिर्फ आम लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. सोने की कीमत में उतार-चढाव का असर से शेयर मार्केट से लेकर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है. कई देशों की इस पर नजर रहती है. इसलिए वैश्विक स्तर पर इसकी मांग हमेशा बनी रहती है. पिछले कुछ समय से सोने की कीमत में काफी तेजी आई है. वहीं पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीसी) लगातार 17 महीनों से सोना खरीदकर सबसे आगे रहा है. इससे यह पिछले साल सोने का सबसे आक्रामक केंद्रीय बैंक खरीदार बन गया. यह कदम चीन की रणनीति का हिस्सा है.

जानकारों का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव काफी बढ़ा है. अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती के आसार हैं. इसके चलते सोने के भाव में तेजी है. इंटरनेशनल मार्केट में पहली बार सोने की कीमतों ने 2,300 डॉलर के स्तर को तोड़ दिया है. पीली धातु की डिमांड में चीन की भूमिका अहम मानी जा रही है. जानकारों का कहना है कि आर्थिक और राजनीतिक

- मिडिल ईस्ट-यूक्रेन संघर्ष ने सोने का आकर्षण बढ़ाया
- चीनी शेयर बाजार देश की आर्थिक चुनौतियों से दबाव में
- दुनिया की रिजर्व करेंसी के रूप में डॉलर का दबदबा है

2011 के बाद से चीन की डॉलर होल्डिंग्स में कमी आई

उथल-पुथल के दौरान सोने को पारंपरिक रूप से एक सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जाता है. मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में हाल के संघर्षों और कोविड के बाद महंगाई में बढ़ोतरी ने सोने का आकर्षण बढ़ाया है.

सोने में चीन की इस ताबड़तोड़ खरीदारी को करेंसी को सहारा देने के साथ भी जोड़कर देखा जा रहा है. खासकर तब जब युआन और चीनी शेयर बाजार देश की आर्थिक चुनौतियों से दबाव में हैं. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए डॉलर पर चीन की निर्भरता ने अमेरिकी करेंसी के उतार-चढ़ाव के प्रति उसकी संवेदनशीलता को लेकर चिंता पैदा कर दी है. दुनिया की रिजर्व करेंसी के रूप में डॉलर का दबदबा है. लेकिन, चीन इस पर निर्भरता कम करने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाना चाहता है. 2011 के बाद से चीन की डॉलर होल्डिंग्स में काफी कमी आई है. यह ट्रेंड महामारी के बाद तेज हो गया है. सोने की ओर शिफ्ट करना ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के उद्देश्यों के अनुरूप है. वे 2050 तक डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए एक साझा मुद्रा पर विचार कर रहे हैं. चीन और रूस अमेरिका की काट ढूंढने में लगे हैं. उन्हें लगता है कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार बनाया है. इसका इस्तेमाल प्रतिबंध लगाने और अपने भू-राजनीतिक रुख को बनाए रखने के लिए किया गया है. इसने चीन और रूस में चिंताएं बढ़ा दी हैं.

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस के खिलाफ प्रतिबंध और स्विफ्ट प्रणाली से रूसी बैंकों को बाहर करना डॉलर की ताकत का उदाहरण है. चीन को डर है कि उसकी सैन्य महत्वाकांक्षाओं और अमेरिका के साथ चल रहे ट्रेड टेंशन के कारण कहीं उसके खिलाफ भी वैसे ही कदम न उठाए जाएं. इस आशंका ने चीन को अपने भंडार में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है. इस रणनीति में सोना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. लगभग 18 महीने से लगातार चीन सोने की खरीद में जुटा है. इसके बावजूद चीन का सोने का भंडार अभी भी पीबीसी के कुल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा है.

यह विकसित देशों में केंद्रीय बैंकों के स्तर से काफी कम है. वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल को उम्मीद है कि चीन के नेतृत्व में केंद्रीय बैंक की खरीदारी कई वर्षों तक जारी रहेगी. वह डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसा करेगा. हालांकि, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि सट्टेबाज सोने की कीमतें बढ़ा सकते हैं. इसका इस्तेमाल अलग-अलग उद्योगों में होता है. यह बेशकीमती धातु है. सोना जुटाना चीन का अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखने का प्रयास है. इसके जरिये वह अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व वाली मौजूदा वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को चुनौती भी देना चाहता है.

डब्ल्यूटीआई कैब्स अपने बेड़े में जोड़ेगा 1,000 ईवी

नयी दिल्ली । बी2बी परिवहन समाधान प्रदाता वाइज ट्रैवल इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूटीआई कैब्स) इस साल अपने बेड़े में 1,000 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) जोड़ेगी. कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक वशिष्ठ ने यह जानकारी दी है. कंपनी हरित परिवहन अभियान के तहत यह कदम उठाने जा रही है. कंपनी देश के दूसरी श्रेणी के शहरों मसलन चंडीगढ़, जयपुर, कोयंबटूर और इंदौर में विस्तार कर रही है. इसके अलावा कंपनी का इरादा सऊदी अरब और सुदूर-पूर्व के देशों के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उपस्थिति दर्ज कराने का है. वशिष्ठ ने पीटीआई-भाषा से कहा कि इस साल हमारा मुख्य लक्ष्य हरित पर है. हम अपने बेड़े में ऐसे वाहनों को शामिल कर रहे हैं जो बिजलीचालित और बायो-सीएनजी हैं. हमारे पास पहले से 300 इलेक्ट्रिक कार हैं. इस साल हम अपने बेड़े में एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कार और बस शामिल करने जा रहे हैं. कंपनी डब्ल्यूटीआईकैब्स ब्रांड के तहत परिचालन करती है. इसके बेड़े में तीसरे पक्ष और व्यक्तिगत स्वामित्व वाले वाहन भी हैं. उन्होंने कहा कि जहां तक इलेक्ट्रिक वाहनों की बात है, तो इनमें से ज्यादातर कंपनी के स्वामित्व वाले होंगे.

अब डेटा की सुरक्षा मजबूत करने की आवश्यकता है

भाषा ।नयी दिल्ली

वित्त मंत्रालय चाहता है कि बीओबी वर्ल्ड ऐप घोटाले और इसी तरह के अन्य वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों पर रोक लगाने के लिए बैंक तथा वित्तीय संस्थान 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) प्रक्रिया और जांच-परख को बढ़ाने के लिए काम करें. सूत्रों ने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में बैंकिंग सेवाएं देने वाले दुकानदारों (मर्चेंट) तथा बैंकिंग प्रतिनिधि को जोड़ने से पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को इनकी गहन जांच-परख करनी चाहिए.

सूत्रों ने कहा कि इस तरह के कदम से न केवल धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा बल्कि वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र भी मजबूत हो सकेगा. सूत्रों ने कहा कि दुकानदारों और बैंकिंग प्रतिनिधि के स्तर पर आंकड़ों (डेटा) की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत है, क्योंकि इनके स्तर पर डेटा में सेंध लगने की आशंका अधिक होती है. ऐसे में सूत्रों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को बैंकों और वित्तीय संस्थानों को साइबर धोखाधड़ी के 'हॉटस्पॉट' पर बैंकिंग प्रतिनिधियों को जोड़ने से पहले उनकी पूरी जांच-परख करनी चाहिए. इसके अलावा धोखाधड़ी में इस्तेमाल सूक्ष्म एटीएम को भी ब्लॉक किया जाना चाहिए. सूत्रों ने बताया कि साइबर सुरक्षा को बढ़ाने और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने को लेकर हाल में एक अंतर-मंत्रालयी बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में यह सुझाव दिया गया. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 के दौरान वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के 11,28,265 मामले सामने आए. इन मामलों में कुल 7,488.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई.

साइबर अपराध से व्यापक और समन्वित तरीके से निपटने के तंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के माध्यम से देश में 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' की स्थापना की है. साइबर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के प्रयास के तहत रिजर्व बैंक अवैध ऋण देने वाले ऐप की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए एक डिजिटल इंडिया ट्रस्ट एजेंसी (डिजिटा) स्थापित करने पर विचार कर रहा है.

शेयर मार्केट बाजार का परिदृश्य प्रमुख वैश्विक व घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा

वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

भाषा ।नयी दिल्ली

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे. विश्लेषकों ने यह राय जताई है. यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा. बुधवार को 'रामनवमी' पर बाजार में अवकाश रहेगा. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि यह सप्ताह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा.

इसकी वजह यह है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष की आशंका पैदा हो रही है. दोनों के बीच तनाव बढ़ने से वैश्विक शेयर बाजारों में घबराहटपूर्ण बिकवाली देखने को

मिल सकती है. इसके अलावा बाजार की निगाह कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से प्रभावित होती है. उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इन्फोसिस, बजाज ऑटो और विप्रो की तिमाही नतीजे आने हैं जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी. मीणा ने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल के अलावा डॉलर सूचकांक की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी. सोमवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर पर सभी की निगाह रहेगी. कंपनी ने शुक्रवार को अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे पेश किए हैं.

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़कर 12,434 करोड़ रुपये रहा है. हालांकि, विदेशी बाजारों में कंपनी को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है. पूरे वित्त वर्ष में टाटा समूह की कंपनी का शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 45,908 करोड़ रुपये रहा है. वहीं कंपनी की आमदनी 2,25,458 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,40,893 करोड़ रुपये हो गई है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा.

साथ ही चीन का जीडीपी, अमेरिका का विनिर्माण उत्पादन के साथ बेरोजगारी दावों का आंकड़ा आना है. शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में घटकर पांच माह के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई है. खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति कम हुई है. शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि खनन क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण फरवरी, 2024 में भारत की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि चार महीने के उच्चतम स्तर 5.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निवेशकों की निगाह कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगी है. इनसे बाजार को दिशा मिलेगी. मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था हालांकि मजबूत बनी हुई है.

हेलिकॉप्टर की मांग में 40% की उछाल

भाषा ।नयी दिल्ली

लोकसभा चुनावों के लिए राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि देशभर में भ्रमण कर रहे हैं, जिससे चार्टर्ड विमान और हेलिकॉप्टर की मांग 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है. विशेषज्ञों के अनुसार, इससे निजी विमान और हेलिकॉप्टर संचालकों को 15-20 प्रतिशत अधिक कमाई होने की उम्मीद है.

उन्होंने कहा कि चार्टर्ड सेवाओं के लिए प्रति घंटा दरें भी बढ़ गई हैं. एक विमान के लिए शुल्क लगभग 4.5-5.25 लाख रुपये और दो इंजन वाले हेलिकॉप्टर के लिए लगभग 1.5-1.7 लाख रुपये है. जहां सामान्य समय और पिछले चुनावी वर्षों की तुलना में मांग बढ़ी है, फिक्स्ड विंग विमान और हेलिकॉप्टर की उपलब्धता भी कम संख्या में है. कुछ परिचालक दूसरे कंपनी से विमान और हेलिकॉप्टर चालक दल के साथ लेना चाह रहे हैं.

रोटरी विंग सोसायटी ऑफ इंडिया (आरडब्ल्यूएसआई) के अध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) कैप्टन उदय गेली ने बताया कि हेलिकॉप्टर की मांग बढ़ी है और यह सामान्य अवधि की तुलना में चुनाव अवधि में 25 प्रतिशत तक अधिक है. मांग की तुलना में आपूर्ति कम है. आमतौर पर, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों और नेताओं को कम समय में विभिन्न स्थानों, खासकर दूरदराज के इलाकों में पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का उपयोग करते हैं. गेली ने कहा कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में हेलिकॉप्टरों का उपयोग अधिक देखा जा रहा है. बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन (बीएओए) के प्रबंध निदेशक कैप्टन आर के बाली ने बताया कि चार्टर्ड विमानों की मांग पिछले आम चुनावों की तुलना में 30-40 प्रतिशत अधिक है. गेली ने कहा कि आमतौर पर एकल इंजन वाले हेलिकॉप्टरों के लिए प्रति घंटा दर लगभग 80,000 से 90,000 रुपये है, जबकि दो इंजन वाले हेलिकॉप्टर के लिए यह लगभग 1.5 से 1.7 लाख रुपये है. चुनाव के समय, एक इंजन हेलीकॉप्टर के लिए दर 1.5 लाख रुपये तक और दो इंजन हेलिकाप्टर के लिए 3.5 लाख रुपये तक होती है. एक एकल इंजन वाले हेलिकॉप्टर में पायलट सहित सात लोगों के बैठने की क्षमता होती है, जबकि दो इंजन वाले हेलिकॉप्टर में 12 लोगों के बैठने की क्षमता होती है. चार्टर्ड विमान के लिए किराया 4.5 लाख रुपये से 5.25 लाख रुपये प्रति घंटे के बीच हो सकता है.

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मिले संजय सिंह

'इंडिया' का न्यूनतम साझा कार्यक्रम पेश करने पर जोर

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर मुलाकात की. इस दौरान

उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिये 'इंडिया' गठबंधन का न्यूनतम साझा कार्यक्रम पेश करने पर जोर दिया. सिंह ने कहा कि उन्होंने जेल से रिहा होने के बाद खरगे से समर्थन मांगा और कांग्रेस अध्यक्ष को यह भी बताया कि जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है. दिल्ली में कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं. आप के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि संसद के उच्च सदन में विपक्ष के नेता के रूप में खरगे हमारा समर्थन करते रहे हैं, इसलिए मैं जेल से रिहा होने के बाद उनसे मिलना चाहता था. उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई. हमने सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाये जाने पर भी चर्चा की.

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में अमित शाह बोले

कांग्रेस झूठ फैला रही है आरक्षण खत्म नहीं होने देंगे

छत्तीसगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भाजपा आरक्षण कभी खत्म नहीं होने देगी और न ही यह कांग्रेस को ऐसा करने देगी.

शाह ने राजनांदगांव लोकसभा के खैरागढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान किया, ताकि अगले तीन वर्षों में राज्य में नक्सलवाद की समस्या को खत्म किया जा सके. गृह मंत्री ने कहा कि मोदी ने अपने 10 साल के शासनकाल में माओवादी हिंसा को खत्म कर दिया, लेकिन छत्तीसगढ़ में कुछ हद तक यह अब भी व्याप्त है. शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठ फैला रही है. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दावा कर रहे हैं कि मोदी के फिर से प्रधानमंत्री बनने पर संविधान बदल दिया जाएगा. कांग्रेस के पदाधिकारियों का आरोप है कि भाजपा सत्ता में बरकरार रही, तो आरक्षण खत्म कर देगी. गृह मंत्री ने कहा कि मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब तक भाजपा राजनीति में है, हम आरक्षण को कुछ नहीं होने देंगे.

प्रियंका ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

देश की जनता और उनके मुद्दों से पूरी तरह भटक चुके हैं मोदी

जयपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वह देश की जनता और उनके मुद्दों से भटक गये हैं.

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि मोदी के पास इतनी शक्ति है कि उनके आसपास के लोग उन्हें सच बताने से डरते हैं. प्रियंका गांधी वाड्रा ने जालोर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी समस्या क्या है महंगाई. मुझे लगता है कि मोदी जी को कुछ हो गया है. कई बार सत्ता का नशा इतना चढ़ जाता है कि लोग सच्चाई बताते ही नहीं हैं. उन्होंने कहा कि इंसान घिर जाता है.. चाहे कुछ भी उसका अनुभव हो, लेकिन सत्ता का नशा होने पर लोग डरते हैं, अधिकारी डरते हैं, जो साथ में काम करते वो डरते हैं कि असलियत न बताएं. इसलिए इंसान कट जनता से जाता है. प्रियंका ने यह भी कहा कि मोदी जी देश की जनता और उनके मुद्दों से भटक चुके हैं. प्रिंयका गांधी जालोर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार वैभव गहलोत के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रही थीं.

पाकिस्तान के पीएम ने बैसाखी की बधाई दी

बसंत ऋतु का प्रतीक और प्यार व खुशी फैलाने का त्योहार: शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को बैसाखी त्योहार के अवसर पर सिख समुदाय को बधाई दी. लगभग 3,000 भारतीय

सिख भी बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत पहुंचे हैं. प्रधानमंत्री शरीफ ने अपने बधाई संदेश में बैसाखी को ''वसंत ऋतु का प्रतीक और प्यार व खुशी फैलाने का त्योहार'' बताया. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान विभिन्न आस्थाओं और संस्कृतियों का एक सुंदर मिश्रण है और बैसाखी का रंग इस सुंदरता को और बढ़ा देता है. शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और उसकी प्रांतीय सरकारें बैसाखी त्योहार मनाने के लिए दुनिया भर से आने वाले सिख तीर्थयात्रियों को हर तरह की सुविधाएं प्रदान करेंगी. सिखों के धार्मिक त्योहार बैसाखी मेले का मुख्य आयोजन पंजाब प्रांत के गुरुद्वारा पंजा साहिब में हुआ. इसमें भारत समेत दुनिया भर से हजारों सिख श्रद्धालुओं ने भाग लिया. बता दें कि पाकिस्तान ने 2,843 भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिया था.

'इंडिया' के एक घटक दल के परमाणु निरस्त्रीकरण के आह्वान पर पीएम बोले

देश की रक्षा के लिए परमाणु हथियार जरूरी: पीएम मोदी

चुनावी रैली

- पीएम ने राहुल गांधी के बयान पर नाम लिए बिना तंज कसा
- कहा- कांग्रेस के 'शहजादे' को देश गंभीरता से नहीं लेता

एजेंसी। पिपरिया (मप्र)

"मोदी का कोई सपना नहीं, आपके सपने ही मेरा मिशन"

"आदिवासी राष्ट्रपति बनीं, बाबा साहेब की देन"

मोदी ने देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर द्रौपदी मुर्मू के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के कारण एक आदिवासी महिला भारत की राष्ट्रपति बनीं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज इतिहास में एक बड़ा दिन है, क्योंकि आज आंबेडकर जी की जयंती है. एक गरीब महिला का बेटा तीसरी बार आपकी सेवा के लिए आपसे वोट मांग रहा है. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को बाबा साहब आंबेडकर से जुड़े 'पंच तीर्थ' को विकसित करने का अवसर मिला है. आंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के महू शहर में हुआ था.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के एक घटक दल के परमाणु निरस्त्रीकरण के पक्ष में बयान देने पर रविवार को निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बिना परमाणु हथियारों के देश की रक्षा नहीं की जा सकती. प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के पिपरिया कस्बे में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किया, जबकि भाजपा सरकार ने उनका सम्मान किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने किसी भी पार्टी का नाम लिए बिना माकपा के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के एक घटक दल ने परमाणु निरस्त्रीकरण का आह्वान किया है. मोदी ने लोगों से पूछा कि क्या आज के दौर में देश को परमाणु हथियार की जरूरत है या नहीं, खासकर तब जब उसके दुश्मनों के पास इतनी ताकत है. उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के घोषणापत्र में कई खतरनाक वादे किए गए हैं. मोदी ने कहा कि हमारे देश की रक्षा के लिए हमारे पास परमाणु हथियार होने चाहिए. जो लोग कह रहे हैं कि परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए, तो वे भारत की रक्षा कैसे करेंगे.

राहुल गांधी का नाम लिए बिना मोदी ने कांग्रेस नेता के उस दावे पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने एक झटके में गरीबी मिटा देने की बात कही थी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 'शहजादे' ने ऐसी घोषणा की है कि लोग हंसेंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश उन्हें (राहुल गांधी) को गंभीरता से नहीं लेता. उन्होंने कहा कि उनकी दादी (पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी) ने भी एक बार 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था और लोग इसके बारे में जानते हैं.

मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस कह रही है कि अगर मैं तीसरी बार प्रधानमंत्री बना, तो देश में आग लग जाएगी. उन्होंने कहा, 'इंडिया' गठबंधन यह तय करने में असमर्थ है कि देश को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए. प्रधानमंत्री ने कहा कि 'फिर एक बार, मोदी सरकार' का नारा पूरे देश में गूंज रहा है. उन्होंने सभा में यह भी कहा कि मोदी का कोई सपना नहीं है, आपके सपने ही मेरा मिशन हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी आदिवासियों के योगदान को मान्यता नहीं दी, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें सम्मानित किया है. सरकार आदिवासी प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को चिह्नित करने के लिए वर्ष 2025 को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाएगी.

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने आंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

प्रतिष्ठित राष्ट्र निर्माता थे बाबा साहेब: मुर्मू

एजेंसी। नयी दिल्ली

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की जयंती पर रविवार को संसद भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई. इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने श्रद्धासुमन अर्पित किया. इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे.

बाद में कई लोगों ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बयान जारी कर कहा कि हमारे संविधान के निर्माता और सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्र निर्माताओं में से एक, बाबा साहेब भीमराव राव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं. वहीं,

उपराष्ट्रपति धनकड़ ने कहा कि भारत के महान सपूत बाबा साहेब न केवल भारतीय संविधान के निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय के समर्थक भी थे. उन्होंने कानून के शासन, नागरिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और हाशिए पर मौजूद वर्गों के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाले संवैधानिक ढांचे के माध्यम से एक समतावादी भारत के निर्माण के लिए सामाजिक परिवर्तन का बीड़ा उठाया. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन सामाजिक न्याय के लिए एक अद्वितीय संघर्ष का पर्याय था.

पीएम ने बाबा साहेब पर दिए भाषण का विडियो साझा किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि. जय भीम." इस पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री ने विभिन्न कार्यक्रमों में बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए अपने भाषणों पर आधारित एक वीडियो भी साझा किया.

बाबा साहेब का संदेश आज भी प्रासंगिक है: सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी. उन्होंने उच्चतम न्यायालय परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की. सीजेआई ने कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत खास दिन है. यह भी कहा कि आंबेडकर का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना तब था जब वह संविधान का मसौदा तैयार कर रहे थे.

29 जून से शुरू होगी वार्षिक अमरनाथ यात्रा

जम्मू। अमरनाथ मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होगी और 19 अगस्त को समाप्त हो जाएगी. श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने रविवार को यह घोषणा की. बोर्ड ने कहा कि 52 दिनों तक चलने वाली यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो जाएगा. वार्षिक तीर्थयात्रा दो मार्गों से होती है. एक मार्ग अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग है, जबकि दूसरा गांदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है.

टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली का परीक्षण

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय सेना ने आसानी से कहीं भी ले जाने और कहीं से भी दुश्मन के टैंक को निशाना बनाने में सक्षम स्वदेश निर्मित 'मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल' (एमपीएटीजीएम) हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया. इससे उसे सेना के शस्त्रागार में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है. अधिकारियों ने बताया कि इस हथियार प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है.

इस प्रणाली में एमपीएटीजीएम, लॉन्चर, लक्ष्य प्राप्ति उपकरण तथा एक अग्नि नियंत्रण इकाई है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रणाली के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ और भारतीय सेना की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित रक्षा प्रणाली के विकास में आत्म-निर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम बताया. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस हथियार प्रणाली का 13 अप्रैल को पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सफल परीक्षण किया गया. डीआरडीओ अध्यक्ष समीर वी कामत ने भी इस परीक्षण से जुड़े दलों को बधाई दी है.

खास बातें

- कहीं से भी दुश्मन के टैंक को निशाना बनाने में सक्षम
- रक्षा मंत्री और डीआरडीओ निदेशक ने टीम को दी बधाई

रोड शो के दौरान पथराव में आंध्र प्रदेश के सीएम घायल

एजेंसी। विजयवाड़ा

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर बीते शनिवार को अज्ञात व्यक्तियों ने पथराव कर दिया. इस घटना में वह घायल हो गये. मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने यह जानकारी दी. वाईएसआरसीपी प्रमुख रेड्डी पर 'मेमंता सिद्धम' नामक बस यात्रा के दौरान पत्थर फेंके गए और एक पत्थर उनकी आंख से ठीक ऊपर माथे पर लगा.

शनिवार को रेड्डी के 21 दिवसीय चुनाव प्रचार का 14वां दिन था. मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री जब अपने

बस यात्रा के दौरान सिंह नगर के विवेकानंद स्कूल सेंटर में भीड़ का अभिवादन कर रहे थे, उसी दौरान उन्हें पत्थर लगा. इसके बाद उन्हें विजयवाड़ा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात करीब साढ़े 12 बजे एनटीआर जिले में केसरपल्ले में अपने रात्रि विश्राम स्थल लौट आए. एक चिकित्सक के अनुसार, मुख्यमंत्री रेड्डी को माथे पर दो-तीन टांके लगाए हैं.

केरल में तबाड़तोड़ चुनावी रैली करेंगे राहुल गांधी

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल में आगामी सप्ताहों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की रैलियों को संबोधित करेंगे. वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी सोमवार शाम को उत्तरी कोझीकोड जिले में यूडीएफ की एक रैली को संबोधित करेंगे. वह 15 और 16 अप्रैल को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे. वहीं 18 अप्रैल को कन्नूर, पलक्कड और कोट्टायम निर्वाचन क्षेत्रों में सभाओं में भाग लेंगे. 22 अप्रैल को त्रिशूर, तिरुवनंतपुरम और अलपुझा जिलों में भी रैलियों को संबोधित करेंगे.

अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी

एजेंसी। मुंबई

अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर रविवार तड़के बाइक सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने गोलीबारी कर सनसनी फैला दी. इसके बाद पुलिस ने उनके आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बांद्रा इलाके में स्थित 'गैलेक्सी अपार्टमेंट्स' के बाहर सुबह करीब पांच बजे दो व्यक्तियों ने चार गोलियां चलाईं और भाग गए. उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान करने के लिए पुलिस सघन जांच कर रही है.

दोनों हमलावरों की तस्वीर आई सामने

सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी करनेवाले दोनों हमलावरों की तस्वीर सीसीटीवी फुटेज में सामने आई है. एक हमलावर काली-सफेद टी-शर्ट में नजर आ रहा है. वहीं, दूसरा लाल टी-शर्ट में दिख रहा है. इस तस्वीर के आधार पर दोनों की तलाश तेज हो गई है.

कनाडा में भारतीय छात्र की गोली मार कर हत्या

ओटावा। कनाडा के वैंकूवर शहर में 24 वर्षीय भारतीय युवक की कार में गोली मारकर हत्या कर दी गई. युवक उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए वर्ष 2022 में कनाडा गया था. वैंकूवर पुलिस विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि स्थानीय निवासियों द्वारा गोलियों की आवाज सुनने के बाद 12 अप्रैल को रात करीब 11 बजे अधिकारियों को सूचित किया गया. इलाके में चिराग आंतिल अपनी कार के अंदर मृत पाया गया. मृतक चिराग आंतिल के परिवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से न्याय की गुहार लगाते हुए शव को जल्द से जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है. आंतिल हरियाणा में सोनीपत का रहनेवाला था.

लाहौर में सरबजीत सिंह के हत्यारे की गोली मार हत्या

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के लाहौर में अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी. अमीर सरफराज वही है, जिसने आईएसआई के इशारे पर पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की हत्या की थी. पाकिस्तान की कोट लखपत जेल में अमीर सरफराज ने सरबजीत की पॉलीथिन से गला घोंट कर और पीट-पीट कर हत्या कर दी थी. बता दें कि, सरबजीत सिंह भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे तरनतारन जिले के भिखीविंड गांव के रहनेवाले किसान

थे. 30 अगस्त 1990 को वह अनजाने में पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गए थे. यहां उन्हें पाकिस्तान सेना ने गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद लाहौर और फैसलाबाद में हुए बम धमाके का आरोपी बनाकर उन्हें जेल में बंद कर दिया गया था.

कॅरियर-काउंसिलिंग

तकनीकी में है रुचि, तो मरीन इंजीनियरिंग में कॅरियर बनाएं

रजनीश प्रसाद

एक मरीन इंजीनियर, एक प्रकार का मैकेनिकल इंजीनियर होता है, जो जहाजों, नावों, पनडुब्बियों और अन्य जलयानों को डिजाइन करता है. वे समुद्री यात्रा और अन्य समुद्री गतिविधियों से संबंधित अन्य संरचनाएं, मशीनें और तकनीकी उपकरण भी बनाते हैं. मरीन इंजीनियर फ्लूइड मैकेनिक्स, हाइड्रोलिक्स और अन्य कॉन्सेप्ट्स की अपनी जटिल समझ के जरिए इच्छित उद्देश्यों के आधार पर टिकाऊ जल जहाजों की डिजाइनिंग और निर्माण का कार्य करते हैं .वे एक जहाज को उसके डेस्टीनेशन तक सफलतापूर्वक गाइड करने और पानी में बाधाओं को दूर करने के लिए विद्युत, स्टीयरिंग, जलवायु नियंत्रण, रडार और इंजन सिस्टम को मिलाते हैं. मरीन इंजीनियर यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि अन्य समुद्री और नौसैनिक प्रोफेशनल्स अपने कार्यों को सुरक्षित रूप से पूरा कर सकें, चाहे वे बड़े जहाजों या फिर डॉक पर काम करें. वे उन सभी कारकों का आकलन करते हैं, जो जलीय पर्यावरण को प्रभावित करते हैं और पानी में और उसके आसपास संचालन के लिए समाधान विकसित करते हैं. मरीन इंजीनियर जो मशीनें बनाते हैं, वे यात्रा, समुद्र संरक्षण, संसाधन जुटाने और यहां तक कि सैन्य खुफिया अभियानों में भी उपयोग में लाए जाते हैं.

मरीन इंजीनियर बनने के लिए शारीरिक योग्यता

- आवेदनकर्ता की न्यूनतम आयु 17 वर्ष और अधिकतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए.
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आयु सीमा में पांच साल की छूट प्राप्त है.
- उम्मीदवार की लंबाई 150 सेमी होनी चाहिए.
- आंखों में किसी प्रकार का रोग नहीं होना चाहिए और न ही कलर ब्लाइंडनेस होना चाहिए.
- उम्मीदवार की आंखों की दृष्टि 6/6 और 6/9 होनी चाहिए.

मरीन इंजीनियर के कार्य

- एक नये जहाज के फिजिकल एस्पेक्ट और इंटरनल लेआउट को चित्रित करना.
- ऑपरेशनल गोल्स को प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरणों और सप्लीमेंट मशीनों के प्रकार का निर्धारण करना.
- जहाज के डिजाइन, लीगल रेगुलेशन का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एनवायरमेंटल इंपैक्ट असेसमेंट की योजना बनाना.
- समुद्री यात्रा की अवधि के लिए पर्याप्त ऊर्जा या ईंधन के साथ जहाज की आपूर्ति करने की योजना बनाना.
- नियंत्रित वातावरण में वाटर पॉट कंपोनेंट्स की टेस्टिंग करना और एडजस्टमेंट करना.
- समुद्री उपकरणों के निर्माण के लिए उपयुक्त सामग्री और निर्माण तकनीकों का चयन करना.
- इमरजेंसी रिपेयर ट्रबलशूटिंग के लिए इंस्टालेशन इंस्ट्रक्शन और टेक्निकल मैनुअल लिखना.
- एक प्रारंभिक प्रोजेक्ट और किसी भी चल रहे रखरखाव की लागत का अनुमान लगाना.
- जहाज के सभी हिस्सों में स्टेबिलिटी और ड्यूरेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए ठेकेदारों को सुपरवाइज करना.
- जहाज की गति, उछाल और अन्य प्रमुख मेट्रिक्स पर डेटा एकत्र करना और उसकी एनालिसिस करना.
- निर्माण प्रक्रिया में प्रत्येक चरण को पूरा करने के लिए प्रोग्राम तैयार करना और समय सीमा के लिए संचालन की निगरानी करना.

भारत के टॉप विश्वविद्यालय

- आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम
- एनआईटी (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), सुरथकल, कर्नाटक
- इंस्टीट्यूशंस ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, कोलकाता
- सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर
- वेल्स विश्वविद्यालय- वेल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज
- श्रीनिवास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैंगलोर
- मरीन इंजीनियरिंग और रिसर्च इंस्टिट्यूट, कोलकाता
- शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुरी
- इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- पार्क कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
- समुंद्रा इंस्टिट्यूट ऑफ मैरीटाइम स्टडीज, पुणे
- जीकेएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई

मरीन इंजीनियर बनने के लिए आवश्यक कौशल

रचनात्मकता: मरीन इंजीनियर को स्पेसिफिक ऑपरेटिंग आवश्यकताओं को पूरा करनेवाले कार्यात्मक जहाज डिजाइन और उपकरण विकसित करने के लिए रचनात्मक होना चाहिए.
प्रॉब्लम सॉल्विंग: टेस्टिंग और ट्रबलशूटिंग एक मरीन इंजीनियर की नौकरी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके लिए उन्हें उन्नत प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स की आवश्यकता होती है.
संगठन: एक प्रोजेक्ट के दौरान, मरीन इंजीनियरों को जहाज के विकास में शामिल प्रत्येक घटक और पहलू को व्यवस्थित और समन्वयित करना होता है.
संचार: मरीन इंजीनियर अन्य इंजीनियरों, डिजाइनरों, निर्माण पेशेवरों के साथ मिलकर काम करते हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)